श्रावण मास के तृतीय सोमवारी की हार्दिक शुभकामनाएं

हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित हिंदी दैनिक

शुक्ल पक्ष, पूर्व फाल्गुनी, विक्रम संवत् 2082 • औरंगाबाद • सोमवार • 28 जुलाई 2025 • वर्ष 27 • अंक 227 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

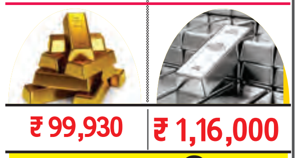

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 99,930	₹ 1,16,000

आज का इतिहास

1858 : भारतीय प्रशासनिक सेवा के सर विलियम जेम्स हर्शल द्वारा इजाद किये गये पहचान के तौर पर अंगूठे के निशान का पहली बार प्रयोग।

1979 : चौधरी चरण सिंह भारत के 5वें प्रधानमंत्री बने।

न्यूज बाइट्स

मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना से बनेंगी 2944 किलोमीटर सड़क

पटना (नि.सं.) । मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना (एमएमजीएसयूवाई) के तहत प्रदेश में 2944 किलोमीटर सड़कों का निर्माण होने जा रहा है। बिहार में 2944 किलोमीटर सड़कों के निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति विभाग के स्तर से मिल गई है। इन सभी का निर्माण कार्य जल्द शुरू होने जा रहा है। एमएमजीएसयूवाई के तहत 445 सड़कों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। उनकी कुल लंबाई 2148 किलोमीटर है।

सीएम ने की सफाई कर्मचारी आयोग के गठन की घोषणा

पटना (नि.सं.) । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सफाई कर्मचारियों के जीवन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आज बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के गठन की घोषणा की। श्री कुमार ने अपने आधिकारिक सोसल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि यह आयोग सफाई कर्मचारियों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए स्थापित किया जा रहा है, जो उनके सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में कार्य करेगा। यह आयोग राज्य में सफाई कार्यों से जुड़े समाज के वंचित वर्ग के लोगों को मुख्य धारा में जोड़ने तथा उनके सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सुरक्षाबलों का ताबड़तोड़ एक्शन, 17 लाख के चार इनामी नक्सली ढेर

नई दिल्ली (नि.सं.) । छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। सुरक्षाबलों ने दो महिला नक्सली सहित 17 लाख रुपये के इनामी चार चक्सलियों को ढेर किया है। शनिवार शाम से नक्सलियों के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ चल रही थी। बीजापुर जिले के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में बासागुड़ा और गंगलूर थाना के सरहदी जंगलों में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान शुरू किया। मुठभेड़ में दक्षिण सब जोनल ब्यूरो के चार माओवादी मारे गए हैं, जिनमें तीन एसएम स्तर के और एक पार्टी सदस्य कमांडर शामिल है। मुठभेड़ स्थल से एक एसएलआर, एक इंसास, एक 303 रायफल, एक 12 बोर बंदूक, बीजीएल लॉन्चर, सिंगल शॉट हथियार सहित भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किए गए हैं। बीजापुर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने बताया कि जिले के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में माओवादी कैडर की गतिविधियों की विश्वसनीय सूचना के आधार पर डीआरजी बीजापुर की टीम द्वारा तलाशी अभियान चलाया गया था।

चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट की विशेष गहन पुनरीक्षण के पहले चरण के आंकड़ों को किया जारी

वोटर लिस्ट से 65 लाख नाम हटे

» अब राज्य में 7.24 करोड़ वोटर » 22 लाख की हो चुकी मौत » 36 लाख मतदाता दूसरी जगह चले गए थे

- एक सितंबर तक जरूरी दस्तावेजों के साथ मतदाता दर्ज करा सकते हैं आपत्ति
- 30 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।
- आयोग ने बताया कि 20 जुलाई को मृतक, स्थानांतरित और लापता मतदाताओं की सूची 12 प्रमुख राजनीतिक दलों को दी गई थी।

निज संवाददाता | पटना

आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के तहत चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के पहले चरण के आंकड़े सार्वजनिक किए हैं। आयोग के मुताबिक, राज्य में अब कुल 7.24 करोड़ मतदाता हैं, जबकि पहले यह संख्या 7.89 करोड़ थी। यानी इस बार कुल 65 लाख नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। आयोग ने साफ किया है कि हटाए गए नामों में वे लोग शामिल हैं जो या तो अब इस दुनिया में नहीं हैं, कहीं और स्थायी रूप से स्थानांतरित हो चुके हैं, या फिर दोहरी प्रविष्टियों में शामिल थे। आंकड़ों के मुताबिक, 22 लाख लोगों की मौत हो चुकी थी, जबकि 36 लाख मतदाता स्थायी रूप से दूसरी जगह चले गए थे। साथ ही 7 लाख लोग अब किसी और क्षेत्र के निवासी हो गए हैं। यह विशेष पुनरीक्षण अभियान 24 जून 2025 को शुरू हुआ था। इसका उद्देश्य फर्जी और दोहरे नामांकन वाले मतदाताओं को सूची से हटाना और योग्य नागरिकों को जोड़ना था। इस अभियान के तहत पूरे राज्य से 7.24 करोड़ वैध नागरिकों का विवरण इकट्ठा किया गया। इस कार्य में बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) और बूथ स्तर एजेंट (बीएलए) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बीएलओ और बीएलए की मदद से घर-घर जाकर जानकारी जुटाई गई। 25 जुलाई 2025 तक पहले चरण को 99.8 प्रतिशत कवरेज के साथ सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। चुनाव आयोग ने इस सफलता का श्रेय राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, सभी 38 जिलों के जिलाधिकारियों, 243 ईआरओ, 2,976 सहायक ईआरओ, 77,895 बीएलओ और 12 प्रमुख राजनीतिक दलों के 1.60 लाख बीएलए को दिया है। इस दौरान बीएलए की संख्या में भी 16 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था मामला, आज सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने चार दिन पहले वोटर लिस्ट रिवीजन जारी रखने की अनुमति दी थी। अदालत ने इसे संवैधानिक जिम्मेदारी बताया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) यानी वोटर लिस्ट रिवीजन की टाइमिंग पर सवाल उठाए थे। वहीं, अदालत ने चुनाव आयोग से कहा था कि बिहार में एसआईआर के दौरान आधार, वोटर आईडी, राशन कार्ड को भी पहचान पत्र माना जाए। उधर, बिहार में एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट आज सुनवाई करेगा। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होना है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ इस मामले पर विचार कर सकती है। जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने 10 जुलाई को कहा था कि बिहार में एसआईआर के दौरान आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड पर दस्तावेज के तौर पर विचार किया जा सकता है।

चुनाव के बहिष्कार का दिया था बयान

इस मामले में बीते दिनों अच्छा-खासा विवाद तब खड़ा हो गया था जब पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने ऐलान किया कि उनकी पार्टी चुनाव का बहिष्कार भी कर सकती है। आरजेडी हो या कांग्रेस या बिहार के अन्य विपक्षी दल उन्होंने चुनाव आयोग के इस कदम को अति पिछड़ों, दलितों और समाज के गरीब लोगों के वोट काटने की साजिश बताया है।

योग्य नागरिकों का जुड़ेगा नाम

अब अगले चरण में एक अगस्त से एक सितंबर 2025 तक ऐसे सभी योग्य नागरिक जिनका नाम किसी कारणवश सूची में शामिल नहीं हो पाया है, उन्हें ड्राफ्ट लिस्ट में नाम जुड़वाने का मौका दिया जाएगा। साथ ही, जिन लोगों का नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज पाया जाएगा, उनका नाम सिर्फ एक स्थान पर ही रखा जाएगा। चुनाव आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि बिहार में इस अभियान की सफलता के बाद इस मॉडल को देशभर में लागू करने की योजना बनाई जा रही है, ताकि पूरे भारत में मतदाता सूची को अधिक पारदर्शी और दुरुस्त बनाया जा सके।

करंट लगने की अफवाह बना हादसे का वजह

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में मची भगदड़ छह श्रद्धालुओं की दर्दनाक मौत, 29 घायल

"हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर मार्ग पर भगदड़ में छह लोगों की दुखद मौत हो गई जिससे पूरे देश में शोक की लहर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस घटना पर दुख जताया है। हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं जिनका इलाज चल रहा है। मृतकों में उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के श्रद्धालु शामिल हैं। घायल ऋषिकेश एम्स और हरिद्वार के अस्पताल में भर्ती हैं।"

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घायलों से की मुलाकात

एजेंसी | हरिद्वार (उत्तराखंड)

हादसा रविवार सुबह हरिद्वार स्थित प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में हुआ, जब श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच अचानक भगदड़ मच गई। इस भीषण हादसे में छह श्रद्धालुओं की जान चली गई, जबकि 29 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा मंदिर के पैदल मार्ग पर सीढ़ियों के पास हुआ, जब भीड़ बेकाबू हो गई और लोग एक-दूसरे पर चढ़ते हुए आगे बढ़ने लगे। मंदिर पहाड़ी पर स्थित है और यहां तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को करीब 800 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। चश्मदीद संतोष कुमार ने बताया कि जब हादसा हुआ, उस वक्त वह मंदिर से केवल 25 सीढ़ियां दूर थे। उन्होंने बताया कि भीड़ अत्यधिक थी और कुछ लोग तेजी से ऊपर चढ़ने की कोशिश में तारों को पकड़कर आगे बढ़ने लगे। इसी दौरान तारों के छिलने से करंट फैलने की अफवाह फैल गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई और भगदड़ शुरू हो गई। कई लोग सीढ़ियों पर गिरते चले गए।

हालांकि हरिद्वार पुलिस ने इस बात से इनकार किया है कि मंदिर परिसर में करंट फैला था। पुलिस ने इसे महज अफवाह करार दिया है। गढ़वाल डिवीजन के कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने बताया कि हादसे का मुख्य कारण अत्यधिक भीड़ और अव्यवस्थित तरीके से श्रद्धालुओं का चढ़ना था। उन्होंने कहा कि मंदिर प्रशासन को इस बारे में पहले से सतर्क रहना चाहिए था। हरिद्वार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रमेंद्र सिंह डोभाल ने बताया कि भगदड़ की सूचना मिलते ही प्रशासन तुरंत हरकत में आया और घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया।

आर्थिक सहायता की घोषणा

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दर्दनाक हादसे पर गहरा दुख जताते हुए घायलों के बेहतर इलाज को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा मिले और वे जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। इस हादसे में जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई है, उनके परिवारों को राहत देते हुए मुख्यमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिजन को 2-2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। वहीं घायलों को 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह सहायता राशि तुरंत पीड़ितों के खातों में भेजी जाएगी ताकि संकट की इस घड़ी में उन्हें कुछ राहत मिल सके।

आईटी सिस्टम अपग्रेड को लेकर लिया गया फैसला

दो अगस्त को राज्य के 8417 डाकघर रहेंगे बंद

निज संवाददाता | पटना

बिहार डाक विभाग। मोबाइल और कूरियर सेवाओं के तेजी से बढ़ते उपयोग के बावजूद डाक विभाग की उपयोगिता आज भी बनी हुई है। कई सरकारी व गैर-सरकारी कामों में लोग आज भी डाकघरों पर भरोसा करते हैं। ऐसे में जरूरी सूचना है कि आगामी 2 अगस्त को राज्य के सभी डाकघर बंद रहेंगे, जिससे आपके कार्य पर असर पड़ सकता है। डाक विभाग के बिहार सर्कल अंतर्गत कुल 8417 डाकघरों में इस दिन कोई सेवा उपलब्ध नहीं रहेगी। इनमें पटना जीपीओ समेत 33 मुख्य डाकघर, 933 उप डाकघर और 7450 शाखा डाकघर शामिल हैं। यह फैसला डाक विभाग के नए आईटी 2.0 सॉफ्टवेयर को एकसाथ पूरे राज्य में लागू करने के चलते लिया गया है। बिहार के चीफ पोस्टमास्टर जनरल ने बताया कि 2 अगस्त को सभी डाकघर बंद रखने का उद्देश्य तकनीकी बदलाव को शांतिपूर्ण ढंग से लागू करना है।

उन्होंने बताया कि पहले यह सिस्टम 5 अगस्त से शुरू किया जाना था, लेकिन रक्षाबंधन (9 अगस्त) को ध्यान में रखते हुए इसे अब 4 अगस्त, सोमवार से ही लागू किया जा रहा है।

देश में अंतरिक्ष स्टार्टअप्स की संख्या में तेजी से बढ़ोत्तरी : पीएम

एजेंसी | नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि देश में अंतरिक्ष स्टार्टअप्स भी तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि पाँच साल पहले अंतरिक्ष के क्षेत्र में 50 से भी कम स्टार्टअप थे। आज उनकी संख्या 200 से ज्यादा हो गई है। पिछले कुछ हफ्तों में खेल, विज्ञान हो या संस्कृति, बहुत कुछ ऐसा हुआ है जिस पर हर भारतवासी को गर्व है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अभी हाल ही में शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से वापसी को लेकर देश में बहुत चर्चा हुई। जैसे ही शुभांशु धरती पर सुरक्षित उतरे, लोग उछल पड़े, हर दिल में खुशी की लहर दौड़ गई। पूरा देश गर्व से भर गया। मुझे याद है, जब अगस्त 2023 में चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग हुई थी,तब देश में एक नया माहौल बना। विज्ञान को लेकर, अंतरिक्ष को लेकर बच्चों में एक नई जिज्ञासा भी जागी। अब छोटे-छोटे बच्चे कहते हैं कि हम भी अंतरिक्ष में जाएंगे, हम भी चाँद पर उतरेंगे। अंतरिक्ष विज्ञानी बनेंगे। श्री मोदी ने कहा कि आपने 'इंस्पायर-मानक' अभियान का नाम सुना होगा। यह बच्चों के नवाचार को बढ़ावा देने का अभियान है। इसमें हर स्कूल से पाँच बच्चे चुने जाते हैं। हर बच्चा एक नया आइडिया लेकर आता है। इससे अब तक लाखों बच्चे जुड़ चुके हैं और चंद्रयान-3 के बाद तो इनकी संख्या दोगुनी हो गई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी के भारत में आज विज्ञान एक नयी ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। कुछ दिन पहले हमारे छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय रसायन विज्ञान ओलंपियाड में पदक जीते हैं। देवेश पंकज, संदीप कुची, देबदत्त प्रियदर्शी और उज्ज्वल केसरी, इन चारों ने भारत का नाम रोशन किया। गणित की दुनिया में भी भारत ने अपनी पहचान को और मजबूत किया है।ऑस्ट्रेलिया में हुए अंतर्राष्ट्रीय गणितीय ओलंपियाड में हमारे विद्यार्थियों ने ने 3 गोल्ड, 2 रजत और एक कांस्य पदक हासिल किया है। उन्होंने कहा "अगले महीने 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस है। आप इसे कैसे मनाएंगे? कोई नया आइडिया है क्या ? मुझे नमो एप पर जरूर संदेश भेजिएगा।"

बिहार में साइबर अपराध की रोकथाम को लेकर दो फॉरेंसिक लैब की होगी स्थापना

निज संवाददाता | पटना

बिहार में तेजी से बढ़ते साइबर अपराध के मामलों की गहराई से जांच और विश्लेषण के लिए अब ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि दो अत्याधुनिक साइबर फॉरेंसिक प्रयोगशालाएं) स्थापित की जाएंगी, जिनमें एक पटना और दूसरी राजगीर में खोली जाएगी। इन प्रयोगशालाओं के निर्माण की तैयारी शुरू कर दी गई है और इसके पीछे मुख्य उद्देश्य साइबर अपराध की जांच को और अधिक वैज्ञानिक, प्रमाणिक और प्रभावी बनाना है। वर्तमान समय में राज्य में मौजूद फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल), जो सीआईडी (सीआईडी) के अधीन कार्यरत है, उसी के माध्यम से इन नई प्रयोगशालाओं का संचालन भी किया जाएगा। इससे न केवल जांच की गति बढ़ेगी, बल्कि डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित और तकनीकी रूप से सुदृढ़ तरीके से प्रस्तुत किया जा सकेगा।

नये स्वरूप में दिखेगा पटना संग्रहालय, सीएम ने किया उद्घाटन

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नये स्वरूप में बने पटना संग्रहालय के विस्तारित भवन का उद्घाटन किया। वर्षों पुराना यह संग्रहालय अब आधुनिक तकनीक, नये भवन, गैलरियों और होलोग्राफिक प्रोजेक्शन के साथ और भी अधिक भव्य और आकर्षक हो गया है। मुख्यमंत्री ने पूरे परिसर का निरीक्षण किया और अधिकारियों को जल्द से जल्द शेष कार्य पूरे करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना संग्रहालय राज्य की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। इसको और बेहतर बनाने के लिए 2017 से ही योजना बनाई गई थी, जिसका सपना अब साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि संग्रहालय में मौजूद बहुमूल्य पुरातात्विक और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के लिए सुविधाएं बढ़ाई गई हैं। यहां आने वाले लोग सिर्फ देखने ही नहीं, बल्कि जानकारी और ज्ञान से भी समृद्ध होंगे।

नए भवन को पुराने वास्तुकला शैली के अनुरूप ही बनाया गया है। इसमें तीन ब्लॉक शामिल हैं, जो आपस में जुड़े हुए हैं। दक्षिणी ब्लॉक में कैफेटेरिया, स्वागत कक्ष, कार्यक्रम कक्ष और एक आधुनिक सभागार है, जिसमें 105 लोगों के बैठने की सुविधा है। उत्तरी ब्लॉक में प्रशासनिक कार्यालय, भंडार कक्ष, संरक्षण प्रयोगशाला और उपकरण कक्ष है। जबकि तीसरे ब्लॉक में गंगा और पाटली गैलरी को 10,000 वर्ग फुट में प्रदर्शित किया गया है, जो संग्रहालय का मुख्य आकर्षण बन गया है। इस संग्रहालय की सबसे खास बात 20 करोड़ वर्ष पुराना 53 फीट लंबा जीवाश्म वृक्ष है, जो गंगा गैलरी का मुख्य आकर्षण है।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. कलाम के जीवन से प्रेरणा लें : सिद्धार्थ

पटना(नि.सं.)। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने रविवार को पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर शिक्षकों के नाम प्रेरणा संदेश भेजा। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए केवल श्रद्धांजलि का दिन नहीं है, बल्कि प्रत्येक शिक्षक के लिए आत्मावलोकन का अवसर है। उनके जीवन से शिक्षकों को प्रेरणा लेनी चाहिए। डॉ. कलाम जीवन भर एक शिक्षक बने रहना चाहते थे। वे मानते थे कि राष्ट्र निर्माण का सबसे सशक्त माध्यम विद्यालय है। सबसे महत्वपूर्ण शिल्पकार शिक्षक हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक इस दिवस पर कलाम साहब को केवल पुष्पांजलि अर्पित न करें, बल्कि अपने भीतर की लौ को पुनः प्रज्वलित करें, उस लौ को जो बच्चों को दिशा दे, प्रेरणा दे और आत्मबल दे।

हर कार्डधारी के लिए ई-केवाईसी कराना अब अनिवार्य

वोटर लिस्ट के बाद अब राशन कार्ड की होगी जांच

निज संवाददाता | पटना

राज्य की जनता इन दिनों दोहरी परेशानियों से जूझ रही है। एक तरफ जहां वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने और संशोधन के लिए लंबी लाइनें लगी हैं, वहीं दूसरी तरफ अब राशन कार्ड को लेकर सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। राज्य सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि जो लोग पिछले छह महीने से राशन नहीं ले रहे हैं और जिन्होंने अब तक ई-केवाईसी नहीं कराया है, उनके राशन कार्ड निलंबित या रद्द हो सकते हैं। इसका सीधा असर यह होगा कि ऐसे लोग न तो मुफ्त अनाज पा सकेंगे और न ही किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ उठा सकेंगे।

केंद्र सरकार के निर्देश पर पूरे देश में राशन कार्डों की सख्त जांच शुरू हो चुकी है। इसका मकसद है फर्जी, निष्क्रिय और डुप्लिकेट कार्ड की पहचान कर उन्हें खत्म करना। इसके लिए ई-केवाईसी को अनिवार्य कर दिया गया है, जिसमें आधार कार्ड से लिंक और बायोमेट्रिक सत्यापन की प्रक्रिया शामिल है। पूरे देश में करीब 23 करोड़ राशन कार्ड हैं, जिनमें अकेले बिहार में 8.71 करोड़ कार्ड सक्रिय हैं। अनुमान है कि इनमें से करीब 7% से 18% कार्ड फर्जी, निष्क्रिय या डुप्लिकेट हो सकते हैं। इस आधार पर 25 लाख से अधिक कार्ड बिहार में रद्द किए जा सकते हैं। सरकार ने ई-केवाईसी कराने के लिए अंतिम तारीख तय कर दी है। तय समय तक यदि किसी कार्डधारी ने ई-केवाईसी नहीं कराया तो उसका कार्ड स्वतः निलंबित कर दिया जाएगा। इसके बाद उन्हें सरकारी राशन नहीं मिलेगा और सरकारी योजनाओं से भी वंचित रहना पड़ेगा। अगर आप भी राशन कार्डधारी हैं और अब तक ई-केवाईसी नहीं कराया है, तो जल्द ही नजदीकी जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) केंद्र या ग्राहक सेवा केंद्र (सीएससी) जाकर यह प्रक्रिया पूरी कर लें। इसके लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड और मोबाइल नंबर की जरूरत होगी।

BAYC Institute
स्थापित 1972
बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज
गांधी सेतु लिंक पथ, बिस्कोमान कॉलोनी गोलम्बर के पूरब, पटना-7
नामांकन प्रारंभ | नियमित / पत्राचार कोर्स
भारत का पहला कॉलेज
डॉक्टर बनें
एक्युप्रेशर, योग, नेचुरोपैथी, इलेक्ट्रोपैथी, ट्रेडिशनल मेडिसिन
Proposed Green Campus in 60,000 Sq.Ft.
DIPLOMA COURSE
DAT Acupressure Therapy | DY Yoga | DAYS Acupressure Yoga | DHMS Herbal Medicine — अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : 10th
DEMS Electrohomeopathy Medicine | DNYS Naturopathy Yoga — अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : 10th
BACHELOR DEGREE COURSE
MBBA Acupressure & Magnet | BTMS Traditional Medicine | BAYS Acupressure Yoga | BAcu. Acupuncture — अवधि: 3 वर्ष | योग्यता : 10+2
BEMS Electrohomeopathy Medicine | MBAS Medicine in ALT Science — अवधि: 4½ वर्ष | योग्यता : 10+2
MASTER DEGREE COURSE
MD (Acu Yoga) MD (TM) — अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : मेडिकल ग्रेजएट
MD (EH) — अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : BEMS
PROFESSIONAL COURSE
BLIS | MLIS | BBA | MBA
TRADITIONAL COURSE
MA (Yoga) | Yoga Teacher Course | BA | MA
100% रिजल्ट एवं रोजगार
Bihar State Govt. University & Central University UGC DEB MHRD Govt. of India Recognised
DIRECT ADMISSION | REGULAR CLASSES | ONLINE CLASSES | EXPERIENCED FACULTIES
एक्युप्रेशर चिकित्सा की उत्तम व्यवस्था यथा गर्दन, कंधा, कमर, घुटना दर्द, गठिया, डायबिटिज आदि।
कॉलेज से उत्तीर्ण हजारों विद्यार्थी सरकारी संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों एवं निजी संस्थान खोलकर सेवा दे रहे हैं।
डा. सर्वदेव प्रसाद गुप्त, अध्यक्ष
डा. अजय प्रकाश, सचिव
9572607696, 9304942855, 9334278279 Apply Online: www.bayc.in
Email: baycpatna@gmail.com | Website: www.indianacupressure.com

संक्षिप्त समाचार

शिक्षक व अभिभावक की भूमिका बच्चों के विकास के लिए अहम

बोधगया। प्राथमिक विद्यालय, टिका बिगहा में शनिवार को अभिभावक-शिक्षक गोष्ठी हुई। इसमें बच्चों की पढ़ाई, उपस्थिति, नैतिक शिक्षा और स्कूल की सुविधाओं पर चर्चा हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षक सतीश कुमार ने की। उन्होंने कहा कि बच्चों के विकास में शिक्षक और अभिभावक दोनों की अहम भूमिका है। बच्चों की नियमित उपस्थिति, होमवर्क और स्वच्छता पर ध्यान देना जरूरी है। शिक्षकों ने बच्चों के रिपोर्ट कार्ड और प्रदर्शन की जानकारी दी। कई अभिभावकों ने मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता, शौचालय की सफाई और शिक्षण सामग्री की उपलब्धता पर सुझाव दिए। शिक्षकों ने भरोसा दिलाया कि स्कूल प्रबंधन बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास करता रहेगा। साथ ही अभिभावकों से सहयोग की अपेक्षा जताई।

हाल के सुधारों से कर प्रणाली और ज्यादा पारदर्शी और सरल बनी है

टिकारी। सीयूएसबी के स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस के प्रो बोनो क्लब ने राष्ट्रीय आयकर दिवस पर विशेष वेबिनार आयोजित किया। कार्यक्रम कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के मार्गदर्शन में हुआ। आयोजन का उद्देश्य छात्रों को भारतीय कर प्रणाली, आयकर की भूमिका और जीएसटी में हुए नए बदलावों की जानकारी देना था। कार्यक्रम का संचालन विधि एवं शासन पीठ के प्रमुख और डीन प्रो. अशोक कुमार तथा प्रो बोनो क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. देव नारायण सिंह ने किया। पीआरओ मो. मुदस्सीर आलम ने बताया कि यह आयोजन भारत में आयकर लागू होने के 166 वर्ष पूरे होने की स्मृति में किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में सीए अंकित कुमार, पार्टनर, एकेएबी एंड एसोसिएट्स और टैक्स विशेषज्ञ ने जीएसटी और आयकर से जुड़े अहम पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हाल के सुधारों से कर प्रणाली अधिक पारदर्शी और सरल बनी है। उन्होंने जीएसटी में हुए बदलावों के व्यावहारिक प्रभावों को भी समझाया।

पर्यावरण विषय पर हुई चित्रांकन प्रतियोगिता, खुशी ने मारी बाजी

टनकुप्पा। टनकुप्पा प्रखंड के आरोपुर मिडिल स्कूल, गिंजाईखुर्द मिडिल स्कूल और करहिरा प्राइमरी स्कूल सहित अधिकतर विद्यालयों में शनिवार को अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी हुई। शिक्षकों ने इस माह के थीम व्यावसायिक कौशल, स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण पर विस्तार से चर्चा की। आरोपुर मिडिल स्कूल में पर्यावरण विषय पर चित्रांकन प्रतियोगिता कराई गई। शिक्षक नरेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में कक्षा 8 की खुशी कुमारी को प्रथम, रितिका कुमारी को द्वितीय और कक्षा 7 की किरण कुमारी को तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मौजूद अभिभावकों ने भी सुझाव दिए। फूदी की संजू देवी और आरोपुर की रिंकी देवी ने विद्यालय सड़क किनारे होने के कारण बच्चों की सुरक्षा के लिए चहारदीवारी निर्माण की मांग की। करहिरा प्राइमरी स्कूल में बच्चों को व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया गया। करहिरा गांव की पूजा सिन्हा, रेखा देवी और फूलन देवी ने बच्चों के स्कूल से बाहर चले जाने पर चिंता जताई। कहा कि यदि कोई बच्चा गायब हो तो शिक्षक तुरंत अभिभावकों को सूचना दें। गिंजाईखुर्द स्कूल की प्रधानाध्यापिका कंचन कुमारी और शिक्षक कमलेश दास ने कहा कि बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए संतुलित और पौष्टिक आहार जरूरी है।

फिर टूटा लोकायन नदी का तटबंध, खंधा में घुसा पानी

करायपरसुराय। झारखंड में बारिश और उदेरा स्थान से छोड़े गए पानी के कारण शनिवार को लोकायन नदी का जलस्तर बढ़ गया। बढ़ते जलस्तर से प्रखंड के गुलरिया बिगहा गांव के समीप तटबंध दोबारा टूट गया, जिससे कई गांवों के खंधा में बाढ़ का पानी घुसने लगा है। ग्रामीण साधु शरण बिंद, श्रवण गोप, विकास कुमार, दिनेश प्रसाद, अजय कुमार मेहता, मुन्नी, अरुण कुमार, कन्हैया लाल, महेश पासवान ने बताया कि 16 जुलाई को भी लोकायन नदी का जलस्तर बढ़ने से बाबा चौहरमल के पास लगभग 60 फीट का खाड़ बन गया था। इससे गुलरिया बिगहा, रसलपुर, हथिला, चौरासी, जोल बिगहा, करायपरसुराय, सतरजाबाग आदि गांवों में धान, धान का बिचड़ा, मूंग और सब्जी की फसलें बर्बाद हो गई थीं।गांव के गलियारों और घरों में पानी घुस जाने से जानवरों का चारा भी नष्ट हो गया था और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विभागीय लापरवाही के कारण 10 दिन बाद भी तटबंध की ठीक से मरम्मत नहीं की गई, जिसके कारण अब यह फिर से टूट गया है। ग्रामीणों को आशंका है कि अगर प्रशासन ने समय रहते मरम्मत नहीं कराई, तो किसानों को दोबारा भारी क्षति झेलनी पड़ेगी।

कट्टा-कारतूस संग एक गिरफ्तार

करायपरसुराय। थाना पुलिस ने शुक्रवार को कट्टा व दो कारतूस संग एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित फुल्लीपर गांव निवासी राजू बिंद का पुत्र नीतीश बिंद है। डीएसपी सुमित कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक बदमाश घर में हथियार लेकर बैठा है। जिसके बाद पुलिस टीम छापेमारी की। पुलिस को देख बदमाश फरार होने लगा। जिसे पुलिस बलों ने खदेड़कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपित के पास से कट्टा-कारतूस बरामद हुआ। छापेमारी टीम में करायपरसुराय थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह, दारोगा जयनंदन प्रसाद यादव, विकास कुमार, पीटीसी दयाशंकर ठाकुर समेत अन्य कर्मी शामिल थे।

आयुध कारखाना में स्टेट यूथ स्कूल समिट आयोजित

राजगीर। आयुध कारखाना, राजगीर में शनिवार से स्पेशल ओलंपिक्स बिहार के तत्वावधान में स्टेट यूथ स्कूल समिट का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पैरा एथलीटों ने भाग लिया। स्पेशल ओलंपिक्स फाउंडर एवं अध्यक्ष डा. शिवाजी कुमार, स्पेशल ओलंपिक्स बिहार के क्षेत्रीय निदेशक संदीप कुमार, प्रोग्राम मैनेजर संतोष कुमार सिन्हा, खेल निदेशक अरिजीत पुटारुण्डा और इंस्पेक्टर रमण कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। अध्यक्ष ने कहा कि स्टेट यूथ स्कूल समिट का मुख्य उद्देश्य छात्रों में खेल, शिक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है। पैरा एथलीट देश को सामान्य खिलाड़ियों से अधिक मेडल दिलाते हैं। वे अपनी शारीरिक सीमाओं को पार कर प्रेरणा और बदलाव के प्रतीक बनते हैं। खेल न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि टीम वर्क, अनुशासन और प्रतिस्पर्धा की भावना को भी विकसित करते हैं। उन्होंने बताया कि आज सरकार पैरा एथलीटों के करियर के हर चरण में सहयोग के लिए मजबूत नीतियां बना रही है।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में मियावाकी फारेस्ट पौधारोपण

राजगीर। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय राजगीर में 'मियावाकी फारेस्ट' निर्माण के लिए पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के इको क्लब व ग्रीन ओलंपियाड में नामांकित छात्रों द्वारा 50 पौधे लगाकर की गई। विद्यालय के प्राचार्य विवेक किशोर ने कहा कि जीवों के स्थायी सह-अस्तित्व के लिए अधिक से अधिक पौधों का रोपण आवश्यक है। केंद्रीय विद्यालय समिति द्वारा 1000 वर्ग मीटर में कुल 500 पौधों के मियावाकी फारेस्ट विकसित करने का अभियान शुरू किया गया है। कार्यक्रम प्रभारी राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि इस फारेस्ट में घास, झाड़ियां और बड़े पौधे लगाकर धरती को हरियाली से आच्छादित किया जाएगा। वन प्रमंडल पदाधिकारी नालंदा ने विद्यालय को 500 पौधे निःशुल्क उपलब्ध कराए हैं।

तिब्बत मुक्ति यात्रा राजगीर पहुंची

राजगीर। कैलाश मानसरोवर दर्शन के लिए वाराणसी से निकाली गई तिब्बत मुक्ति यात्रा शनिवार को राजगीर पहुंची। यह यात्रा सुरुचि कला समिति के सहयोग से संचालित हो रही है। संयोजक एवं भारत-तिब्बत मैत्री संघ उत्तर प्रदेश के महासचिव डा. अंजनी कुमार मिश्र ने बताया कि यह यात्रा तब तक जारी रहेगी जब तक तिब्बत पूरी तरह आजाद नहीं हो जाता। उन्होंने कहा कि चीन ने तिब्बत पर कब्जा कर कैलाश मानसरोवर को आमजनों का साधन बना लिया है, जबकि यह भारतीयों के आराध्य भगवान भोलेनाथ का स्थान है। तिब्बत देश पत्रिका के संपादक प्रो. श्यामनाथ मिश्र ने कहा कि तिब्बत की आजादी भारत की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है क्योंकि चीन भारत विरोधी गतिविधियां बढ़ा रहा है।

गयाजी में 5 साल की बच्ची का रेप, फिर मर्डर

♦ गमछे से गला घोंटा गया, कपड़ों में लगा था खून, बहन के साथ दवा लेने गई थी

निज संवाददाता। गयाजी

गयाजी में 5 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या कर दी गई। बच्ची को गला दबाकर मारा गया है। उसके प्राइवेट पार्ट्स से खून बह रहा था। मां ने बताया, बच्ची अपनी बड़ी बहन के साथ डोभी के पीपरघट्टी बाजार दवा लेने गई थी। दवा लेने के बाद उसकी बड़ी बहन तो घर लौट गई, लेकिन बच्ची शाम तक घर नहीं पहुंची। इसके बाद बड़ी बहन ने अपने पिता को इसकी जानकारी दी। परिवार के सदस्यों ने खोजबीन शुरू की। देर रात परिजन नर्सरी के खंडहरनुमा कमरे में पहुंचे। जहां बच्ची मृत अवस्था में पड़ी थी। रेप के बाद हत्या का आरोप 14 साल के नाबालिग पर लगा है। पुलिस ने उसे कस्टडी में ले लिया है। शव को पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना डोभी थाना क्षेत्र की है।

रात 9 बजे के करीब बॉडी मिली: बच्ची दोपहर 3 बजे के करीब अपनी बहन के पीछे-पीछे चली गई थी। पीपरघट्टी बाजार में दवा लेने गए थे। पीछे से छोटी बहन कब गायब हुई, ये बड़ी बहन को पता नहीं चल पाया। वो घर आई तो पता चला कि छोटी घर नहीं लौटी। उसने पिता को बताया। घर वालों ने सोचा कहीं आसपास खेल रही होगी। जब देर शाम तक मासूम नहीं लौटी तो खोजबीन शुरू की। शाम 7 बजे के करीब परिवार ने बच्ची को खोजना शुरू किया। 2 घंटे बाद घर से 2KM दूर औषधि पार्क के एक खंडहरनुमा टॉयलेट से बच्ची का शव मिला।

गले में गमछा कसा था, मौके पर खून के निशान: बच्ची के गले में गमछा बंधा हुआ था। घटनास्थल पर खून के धब्बे थे। बच्ची के कपड़े भी अस्त-व्यस्त थे। प्राइवेट पार्ट से खून बह रहा था। परिवार के लोग उसे घर लेकर आ गए। फिर डोभी पुलिस को जानकारी दी। इस घटना से गांव में तनाव का माहौल है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष मुकेश कुमार अपनी टीम के साथ पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। खोजबीन के दौरान घटनास्थल की ओर से आते हुए एक लड़का दिखा था। शक के आधार पर जब पूछताछ की गई तो मामले का खुलासा हुआ।

मां बोली- 15 दिन पहले भी बच्ची को बुला रहा था: बच्ची की मां ने बताया- 'वारदात के पीछे कौन है ये सही से तो नहीं बता सकती, लेकिन बगल के टोला के लड़के पर शक है। 15 दिन पहले मेरे घर से रुपए चोरी हुए थे। उसको बोला कि पैसा चोरी किए हो तो दे दो। उसने कहा जो करना है कर लो, मैंने पैसे नहीं लिए है।' 'उसी दिन वो मेरी बेटी से कह रहा था- तुमको पापा नर्सरी में बुलाए हैं। वो नहीं गई। बेटी ने जब मुझे ये बात बताई तो मैंने उस लड़के से पूछा। तब उसने कहा कि मजाक कर रहे थे। वो बोला की भैया नर्सरी में जुआ खेल रहे हैं। जब वहां गए तो मेरे पति वहां नहीं थे। उस बीच उसने मेरे घर से पैसे चुरा लिए थे।' मृतका के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने नाबालिग को कस्टडी में लिया है। पुलिस ने आरोपी के कपड़े को जब्त किया है। फिलहाल इस मामले में पीड़ित पक्ष की ओर से अभी तक थाने में आवेदन नहीं दिया गया है।

कारगिल विजय दिवस पर भाजयुमो का कैंडल मार्च

निज संवाददाता। गयाजी

गयाजी में कारगिल विजय दिवस पर शनिवार को भाजपा युवा मोर्चा की ओर से शहर में कैंडल मार्च निकाला गया। टावर चौक से शुरू होकर यह मार्च कोतवाली थाना तक पहुंचा। हाथों में तिरंगा और मोमबत्ती लिए युवाओं ने भारत माता की जय और वीर सैनिक अमर रहें के नारे लगाए। मार्च की अगुवाई बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने की। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध भारत की सैन्य वीरता का प्रतीक है। भारतीय जवानों ने पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ते हुए दुर्गम पहाड़ियों पर तिरंगा लहराया था। यह दिन हमें सैनिकों के त्याग और बलिदान की याद दिलाता है। देशवासी हमेशा उन शहीद जवानों के ऋणी रहेंगे जिन्होंने देश की रक्षा के लिए प्राण न्योछावर कर दिए। आज का दिन उन्हें नमन करने और उनके बलिदान से प्रेरणा लेने का है।

मोमबत्तियां जलाकर दो मिनट का मौन रखा गया: इस मौके पर भाजयुमो जिला अध्यक्ष अमर शेखर, पूर्व सांसद रामजी मांझी, अधिवक्ता मुकेश शर्मा, देवानंद पासवान, शंभूनाथ केसरी, जैनेन्द्र सिंह, संतोष सिंह, रंजन सिंह, अंशुल लोहानी, मनीष कुमार, संजय सिंह, मुन्ना सिंह, सागर सचदेवा, अमन शेखर कुशवाहा, मोनू सिंह, अभिषेक सिंह, शांति यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहे।

नालंदा जिले में हेल्थ कैंप 11 डॉक्टर करेंगे चेकअप

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में आज(रविवार) भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से हेल्थ कैंप का आयोजन किया जा रहा है। साप्ताहिक शिविर सुबह 7:30 से 9 बजे तक संचालित होगा। जिसमें 11 डॉक्टर अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। शिविर में शामिल होने वाले चिकित्सकों में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. पंकज कुमार सिंह, ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. सुबोध कुमार, हड्डी एवं नस रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमित राज, आंखों की समस्या के लिए डॉ. अरविंद कुमार सिंह, फिजिशियन डॉ. इंद्रजीत कुमार, डॉ. दीनानाथ वर्मा, डॉ. उमेश कुमार सिंह, डॉ. अखिलेश कुमार, डेंटिस्ट डॉ. उदय देव रंजन मरीजों की समस्या का समाधान करेंगे।

आम जनता से सहयोग की अपील: साप्ताहिक शिविर में गरीब और जरूरतमंद लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जाती है। संस्था की ओर से सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस शिविर का भरपूर लाभ उठाएं और अपनी नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं।

सिद्धनाथ मंदिर के रास्ते में पानी, लाइट की समस्या

निज संवाददाता। नालंदा

सावन के पावन महीने में राजगीर के वैभार गिरि पहाड़ी पर स्थित बाबा सिद्धनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। हजारों कांवरिए और शिव भक्त भोले बाबा के दर्शन के लिए यहां पहुंचते हैं। लेकिन प्रशासनिक उदासीनता के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

अंधेरे में खतरनाक चढ़ाई: मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को 600 सीढ़ियों की कठिन चढ़ाई करनी पड़ती है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि पूरे रास्ते में बिजली की व्यवस्था नहीं है। सुबह के अंधेरे में महिलाएं, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग जान जोखिम में डालकर यात्रा करते हैं। वर्षों पहले यहां बिजली के खंभे और तार लगाए गए थे, लेकिन लाइट नहीं आई।

पानी के लिए तरसते हैं श्रद्धालु: पीने के पानी की समस्या और भी गंभीर है। 600 सीढ़ियों के पूरे रास्ते में एक भी नल नहीं है। कड़कड़ाती गर्मी में

चढ़ाई के दौरान प्यासे श्रद्धालुओं को मजबूरी में महंगी पानी की बोतलें खरीदनी पड़ती है। स्थानीय दुकानदार 20 रुपए की बोतल 50-60 रुपए में बेच रहे हैं। पंडा कमेटी के सचिव विकास उपाध्याय ने बताया, 'रोज एक घड़ा पानी मंदिर तक पहुंचाते हैं, लेकिन हजारों श्रद्धालुओं के लिए यह नाकाफी है। जब रत्नागिरी पर्वत पर रोशनी की व्यवस्था हो सकती है, तो सिद्धनाथ मंदिर के रास्ते पर क्यों नहीं।'

लाइट और पानी की मांग: पंडा कमेटी ने प्रशासन से व्यवस्था सुधारने की मांग उठाई है। विकास उपाध्याय का कहना है की श्रावणी मेले की नीलामी लाखों रुपए में होती है, लेकिन शिव भक्तों के लिए रोशनी और पानी जैसी बुनियादी सुविधा तक नहीं है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। मंदिर

♦ 600 सीढ़ियां चढ़कर पहाड़ी पर पहुंचते हैं श्रद्धालु, हैंडपंप तक की व्यवस्था नहीं

के रास्ते पर सोलर लाइट, पीने के पानी के लिए हैंडपंप या नल की व्यवस्था की जाए। रास्ते की मरम्मत कराई जाए।

प्रशासन के दावे बनाम हकीकत: राजगीर एसडीओ आशीष नारायण का कहना है कि श्रावणी मेला क्षेत्र में चार स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था की गई है। शेड बनाए गए हैं। मेडिकल कैंप भी लगाए गए हैं। अगर कहीं कोई कमी है तो उसे तुरंत दुरुस्त किया जाएगा। हालांकि प्रशासन के ये दावे केवल मेला क्षेत्र तक सीमित है। जबकि असल समस्या पहाड़ी के रास्ते पर है। जहां श्रद्धालुओं को सबसे ज्यादा परेशानी होती है।

फ्रॉम मगध यूनिवर्सिटी टू 28वां वर्ल्ड पोलिटिकल साइंस कांग्रेस सेमिनार आयोजित

निज संवाददाता। गयाजी

मगध विश्विद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के शोधार्थियों एवं स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए सीओल में आयोजित 28वां वर्ल्ड पोलिटिकल साइंस कांग्रेस 2025 से अर्जित अकादमिक अनुभव को साझा करने हेतु अकादमिक यात्रा वृतांत "फ्रॉम मगध यूनिवर्सिटी टू 28वां वर्ल्ड पोलिटिकल साइंस कांग्रेस" सेमिनार का आयोजन किया गया। मगध यूनिवर्सिटी से कुलपति प्रो शशि प्रताप शाही के नेत्तृत्व में पांच शिक्षकों ने 28वां वर्ल्ड पोलिटिकल साइंस कांग्रेस 2025 में भाग लिया। उन्होंने कांग्रेस में भाग लिए शिक्षकों विभागाध्यक्ष प्रो अंजनी कुमार घोष, प्रो एहतेशाम खान, डॉ शमशाद अंसारी, डॉ दिव्या मिश्रा एवं सहायक प्राध्यापक अविनाश कुमार को सम्मानित भी किया। कुलपति ने कहा कि यात्रा बहुत कुछ सिखाती है - जीवन में सीखने के लिए यात्रा सबसे महत्वपूर्ण जरिया है। उन्होंने ने राहुल सांस्कृतायन कि रचना "यायावर का मसीहा"

का जिक्र करते हुए कहा कि यह अद्भुत यात्रा स्मरण है। उन्होंने शोधार्थयों को बताया कि यात्रा आपको विनम्र बनती है। इसलिए सभी को अकादमिक उद्देश्य से यात्रायें जरूर करे। नवनियुक्त कुलसचिव प्रो बिनोद कुमार मंगलम ने बताया, साउथ कोरिया में महायान बुद्धिज़्म भारतीय विरासत के प्रतीक है और वहां के विकास की यात्रा में अहम इसकी भूमिका निभाई है। पूर्व कुलसचिव शैलेश कुमार ने साउथ कोरिया के उत्तरी अमेरिका के पूंजीवादी व्यवस्था से प्रभावित बताया। राजनीति विभाग और लोक प्रशासन के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अंजनी कुमार घोष ने शोधार्थिओं को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रेरित किया और कहा कि न्यूनतम एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेना सुनिश्चित करे। प्रोफेसर खान ने अपने प्रस्तुत शोध पत्र "ह्यपोक्रेसी एंड ऑटोक्रेसी इन बांग्लादेश अंडर गीस ऑफ़ डेमोक्रेसी" और अपने अनुभव को साझा करते हुए, भारतीय लोकतन्त्र और दक्षिण भारत के लोकतंत्र पर भी चर्चा किया। डॉ शमशाद ने शोधार्थिओं को शोध कार्य में तत्परता दिखाने पर जोर दिया। डॉ दिव्या ने फ़ूड डिप्लोमेसी और सॉफ्ट पावर के पहलु पर जोर देतें हुए भारत और साउथ कोरिया के संबंधों पर चर्चा किया। नवनियुक्त शिक्षक सहायक प्राध्यापक अविनाश कुमार ने शोधार्थिओं को अपने शोध कार्य में शोध प्रविधि को मूल शोधकार्य के लिए सबसे महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने अपने पैनल "फ्रॉम डेमोक्रेसी टू ऑटोक्रेसी : राइज ऑफ़ ऑटोक्रॉसेशन ट्रेंड इन साउथ" और "फ्रीडम ,रेजिस्टेंस एंड डेमोक्रेसी इन साउथ एशिया : अ क्रिटिकल रिव्यु" के बारे में बताया।

गयाजी में 29 जुलाई को रोजगार मेला

निज संवाददाता। गयाजी

गयाजी में 29 जुलाई को एक दिवसीय जॉब कैंप लगेगा। श्रम संसाधन विभाग की ओर से आयोजित कैंप में KARLO AUTOMOBILES PVT. LTD कंपनी में 15 पदों पर भर्ती होगी। रिलेशनशिप मैनेजर(RM) और सीनियर रिलेशनशिप मैनेजर (SRM) के पदों पर चयन किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को शेरघाटी और औरंगाबाद में काम करना होगा। 10 से 15 हजार रुपए प्रति माह सैलरी मिलेगी। इस भर्ती के लिए आवेदक की आयु 21 से 28 वर्ष के बीच होनी चाहिए। स्नातक पास अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं।

एंट्री पूरी तरह से निशुल्क है: इच्छुक अभ्यर्थी 29 जुलाई को सुबह 10:30 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक नियोजनालय केंदुई में अपना बायोडाटा लेकर आ सकते हैं। पूरी प्रक्रिया निशुल्क है। किसी भी तरह का शुल्क नहीं लिया जाएगा। यदि कोई पैसा मांगता है तो इसकी शिकायत विभाग के अधिकारी से कर सकते हैं। यह निजी क्षेत्र की कंपनी है, इसलिए नियोजन की समस्त शर्तों और नियमों की जिम्मेदारी कंपनी की होगी। जिला नियोजनालय इस प्रक्रिया में केवल सुविधा प्रदाता की भूमिका निभाएगा।

बलुआ पत्थर से इंटर-लॉक तकनीक से बने स्तूप में रहेगा बुद्ध का पवित्र अवशेष

निज संवाददाता। गयाजी

कभी जिस पवित्र पुष्करिणी पोखर के जल से वैशाली गणराज्य के शासकों का अभिषेक होता था, 29 जुलाई को उसी के तट पर बने बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मारक स्तूप का उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे। इसमें भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष को प्रदर्शित किया जाएगा, जो वर्तमान में पटना संग्रहालय में संरक्षित है। इस मौके पर 28 जुलाई को बोधगया से बोधगया मंदिर प्रबंधकारिणी समिति की सचिव डॉ महाश्वेता महारथी के नेतृत्व में 15 देशों भारत, नेपाल, थाईलैंड, म्यांमार, श्रीलंका, जापान, तिब्बत, मलेशिया, भूटान, वियतनाम, कंबोडिया, मंगोलिया, लाओस, बांग्लादेश और इंडोनेशिया के 150 बौद्ध भिक्षुओं की उपस्थिति रहेगी। स्मारक स्तूप पूरी तरह से पत्थर से बना है, जिसमें राजस्थान के बंशी पहाड़पुर से लाए गए 42,373 बलुआ पत्थर के टुकड़े इंटर-लॉक तकनीक का इस्तेमाल हुआ है। इसे हज़ारों वर्षों तक सुरक्षित रखने के लिए आधुनिक भूकंपरोधी तकनीक का उपयोग करके बनाया गया है। कई सुविधाएं मिलेंगी 72 एकड़ में बने यह स्तूप परिसर पवित्र पुष्करिणी (तालाब) और मिट्टी के स्तूप के पास विकसित किया जा रहा है। इस स्मारक का मुख्य आकर्षण 1958-62 के उत्खनन के दौरान प्राप्त भगवान बुद्ध का अवशेष

संदूक होगा, जिसे संग्रहालय की पहली मंजिल पर रखा जाएगा। ओडिशा के कलाकारों द्वारा निर्मित भगवान बुद्ध की एक प्रतिमा इसकी विशिष्ट विशेषता होगी। इस परिसर में एक ध्यान और आगंतुक केंद्र, पुस्तकालय, संग्रहालय खंड, एम्फीथिएटर, कैफेटेरिया, 500 किलो वाट का सौर ऊर्जा संयंत्र, पार्किंग और अन्य सुविधाएं भी शामिल हैं। इसके निर्माण पर 550.48 करोड़ रूपए खर्च हुए हैं। बनेगा श्रद्धा का केंद्र यह स्तूप बौद्ध अनुयायियों के लिए श्रद्धा का केंद्र बनेगा और वैशाली को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर प्रमुखता से स्थापित करेगा। स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने के साथ-साथ यह स्मारक बिहार के सांस्कृतिक और पर्यटन विकास में एक नया अध्याय जोड़ेगा।

अभिभावकों और शिक्षकों के बीच समन्वय बने रहने से बच्चों का भविष्य होगा उज्ज्वल

निज संवाददाता। गयाजी

प्रखंड के सभी प्रारंभिक विद्यालयों में शनिवार को शिक्षक-अभिभावक संगोष्ठी हुई। इसका उद्देश्य बच्चों की पढ़ाई में माता-पिता की भागीदारी बढ़ाना और उनके सीखने के अनुभव को बेहतर बनाना था। संगोष्ठी में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने पर चर्चा हुई। पाठ्यक्रम की जानकारी, परीक्षा में बच्चों का प्रदर्शन और शिक्षा में अभिभावकों की भूमिका पर संवाद हुआ। बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण के महत्व पर भी चर्चा की गई। संगोष्ठी का मुख्य थीम "व्यावसायिक कौशल व स्वास्थ्य, स्वच्छता व पोषण" रहा। अभिभावकों को बताया गया कि बच्चों को शुरू से ही कार्य आधारित कौशल और जीवनोपयोगी दक्षताओं से परिचित कराना जरूरी है। इससे उनका भविष्य मजबूत

होगा। बच्चों की प्रगति, उन्हें खाना खिलाकर स्कूल भेजने की आदत, पोशाक की सफाई, नाखून और बालों की नियमित देखभाल जैसे विषयों पर भी बात हुई। बच्चों के व्यवहार पर भी चर्चा की गई। संगोष्ठी स्थल को बच्चों द्वारा बनाई गई सामग्रियों से सजाया गया। अभिभावकों को टीएलएम किट और शिक्षण गतिविधियों की जानकारी दी गई। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक अनिल कुमार दास ने कहा कि यह संगोष्ठी शिक्षकों और अभिभावकों के बीच मजबूत साझेदारी बनाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षित करने में अभिभावक एक मजबूत कड़ी हैं। उनका दायित्व है कि वे बच्चों को घरेलू काम से दूर रखें और नियमित स्कूल भेजें। शिक्षकों का कर्तव्य है कि वे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें। उन्होंने कहा कि शिक्षक और अभिभावक मिलकर काम करें तो बच्चों का भविष्य उज्ज्वल होगा। मौके पर प्रतिमा कुमारी, अनुराधा, जैसमीन चौधरी, रिंकू सहित कई अभिभावक और बच्चे मौजूद रहे।

सरकार की राहत योजना बनी ठगों का नया हथियार, भेजते हैं लिंक या फाइल्स, खोलने पर उड़ जाते हैं पैसें

125 यूनिट मुफ्त बिजली की घोषणा के बाद साइबर अपराधी हुए सक्रिय, खातों से उड़ाए जा रहे पैसे

निज संवाददाता | रोहतास

बिहार सरकार की तरफ से घोषित 125 यूनिट मुफ्त बिजली की योजना एक ओर जहां आम उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत बनकर आई है, वहीं दूसरी ओर इस योजना को लेकर साइबर ठगों ने एक बार फिर से अपनी ठगी का जाल बिछाना शुरू कर दिया है। भोली-भाली जनता को सरकार की इस लोककल्याणकारी योजना के नाम पर भ्रमित कर मोबाइल हैकिंग, बैंक खातों से पैसे उड़ाने, और गोपनीय जानकारी चुराने जैसे कृत्यों को अंजाम दिया जा रहा है।

कैसे हो रही है ठगी?

विद्युत कार्यपालक अभियंता, सासाराम ब्रवीम ने बताया कि साइबर ठग उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबरों पर यह संदेश भेज रहे हैं कि "सरकार की 125 यूनिट मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाने के लिए दिए गए लिंक पर क्लिक करें या इस एपीके (APK) फाइल को डाउनलोड करें।" जैसे ही लोग दिए गए लिंक पर क्लिक कर एप्लिकेशन डाउनलोड करते हैं, उनका मोबाइल साइबर ठगों के कंट्रोल में चला जाता है। इस प्रक्रिया में न केवल फोन की तमाम जानकारियां हैक हो जाती हैं, बल्कि बैंकिंग एप्स, ई-वॉलेट, और पासवर्ड भी उनके हाथ लग जाते हैं। इसके बाद साइबर गिरोह खाते से सीधे पैसे निकाल लेते हैं।

विभाग कर रहा है जागरूक, फिर भी लोग बन रहे शिकार

सहायक विद्युत अभियंता, बिक्रमगंज राज कुमार ने बताया कि बिजली विभाग लगातार उपभोक्ताओं को जागरूक कर रहा है कि मुफ्त बिजली के लिए किसी प्रकार के पंजीकरण, लिंक या एप डाउनलोड की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा: 'लोगों को यह समझने की जरूरत है कि सरकार की कोई भी योजना सीधे लाभ देती है, इसके लिए किसी पंजीकरण लिंक या मोबाइल ऐप की जरूरत नहीं होती।' उन्होंने यह भी बताया कि पहले भी इसी तरह की ठगी स्मार्ट मीटर रिचार्ज, बिल भुगतान न करने पर कनेक्शन कटने की धमकी, या बकाया राशि चुकाने के नाम पर की जाती रही है, लेकिन अब ठगों ने सरकारी योजना का नया चोला पहन लिया है।

ठगी का एक नया ताना-बाना

साइबर अपराधी अब "सरकारी योजना" की विश्वसनीयता का फायदा उठाकर बड़े पैमाने पर ठगी कर रहे हैं। कई मामलों में लोगों को "आपका बिजली कनेक्शन कटने वाला है" या "फ्री बिजली के लिए आधार कार्ड अपडेट करें" जैसे मैसेज भी भेजे जा रहे हैं। ऐसे मैसेज में एक लिंक दिया जाता है, जिसपर क्लिक करते ही या एप डाउनलोड करते ही मोबाइल का पूरा नियंत्रण ठगों के पास चला जाता है।

एक बार मोबाइल हैक हो जाने पर साइबर गिरोहः

- बैंक एप में लॉगइन कर खातों से पैसे उड़ा लेते हैंक्रेडिट/डेबिट कार्ड की जानकारी हासिल कर लेते हैं
- गैलरी, फाइल और ईमेल तक की जानकारी निकाल लेते हैं
- ओटीपी पढ़कर दो-चरणीय सुरक्षा भी तोड़ देते हैं

बिजली विभाग की चेतावनी और अपील

- किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें
- मोबाइल में कोई अज्ञात एप्लिकेशन डाउनलोड न करें
- कोई भी ओटीपी या बैंक डिटेल किसी को न दें
- अगर कोई कॉल, मैसेज या व्हाट्सएप आए जिसमें मुफ्त बिजली के लिए पंजीकरण की बात कही जाए, तो तुरंत उसे ब्लॉक करें और रिपोर्ट करें
- सोशल मीडिया पर किसी प्रचार लिंक को बिना पुष्टि शेयर न करें

डढाव गांव में विद्युत करंट लगने से महिला की मौत

निज संवाददाता | कोचस (रोहतास)

प्रखंड क्षेत्र के डढाव गांव मे एक 38 वर्षीय महिला की विद्युत धारा प्रवाहित नंगे तार के स्पर्श में आने से मौत हो गई। मृतक महिला डढाव गांव निवासी स्वर्गीय सुनील सिंह की 38 वर्षीय पत्नी रूबी देवी बताई गई है। घटना के बारे में बताया जाता है कि महिला घर में गृहिणी कार्य कर रही थी, कार्य समापन के बाद महिला किसी कार्य से छत पर जा रही थी, जहां घर मे लगे विद्युत धारा प्रवाहित नंगे तार के स्पर्श में आ गंभीर रूप में घायल हो गई। कुछ देर बाद परिजनों ने जब खोजबीन शुरू किया तो देखा कि मूर्छित अवस्था में जमीन पर पड़ी हुई है। घबराकर परिजन महिला को उपचार के लिए आनन फानन में स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां मौके पर उपस्थित चिकित्सक उपचार उपरांत महिला को मृत घोषित कर दिया। मृतक महिला के एक पुत्र है, पति की एक वर्ष पूर्व डढाव गांव के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग 319 पर शाम मे टहलने गए सड़क किनारे गड्ढे मे भरे पानी में डूब कर मौत हो चुकी हैं। पति के मरने के बाद उक्त महिला अपने बच्चों का पालन पोषण करती थी, मां और पिता के मरने के बाद आखिर कौन इस बच्चे का दर्द दुख समझेगा, यही कहकर परिवार तथा गांव के लोग रो रहे हैं। वही बेटा बाप के गुजरने के सदमे से अभी उभर ही नहीं पाया था कि उसकी मां की मौत हो गई।

आहार में डूबने से हुई युवक की मौत

निज संवाददाता | राजपुर

थाना क्षेत्र के मलांव गांव निवासी 35 वर्षीय अजीत कुमार का शनिवार को दोपहर आहार में डूबने से मौत हो गई। मृतक गांव के विनोद राय का पुत्र बताया जाता है। घटना के सूचना मिलते हीं गांव में सनसनी फैल गई।परिजनों ने बताया कि मृतक अपने खेत में काम कर रहा था। इस दौरान पैर फिसलने के कारण आहार में जा गिरा।आहार में गिरते देख लोगों द्वारा शोर मचाया गया। युवक को आहर से बाहर निकाल ग्रामीणों इलाज हेतु स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गये। जहां डॉक्टर ने युवक को मृत घोषित कर दिया।वही घटना के बाद मृतक की पत्नी रंभा देवी का रो रो कर बुरा हाल हो गया है। मामले में थानाध्यक्ष शशि भूषण कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया गया है।

सीढ़ी चढ़ने के दौरान मासूम गिरा, हुआ घायल

कोचस (रोहतास) थाना क्षेत्र के रूपी गांव में बीती रात छत से गिर एक 8 वर्षीय मासूम गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल मासूम रूपी गांव निवासी कमलेश पटेल का 8 वर्षीय पुत्र निशांत कुमार बताया जाता है। घटना के बारे में बताया जाता है कि निशांत बीती रात छत पर सोने के लिए जा रहा था, जहां पैर फिसलने के कारण जमीन पर गीर बुरी तरह घायल हो गया। घायल अवस्था में परिजनो ने मासूम को कोचस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया जहां मौके पर उपस्थित चिकित्सक डॉक्टर सुरेन्द्र कुमार केशरी ने उपचार कर सर मे गंभीर चोटे आने की बात कह बेहतर इलाज के लिए सासाराम सदर अस्पताल के ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया है।

तीन सगे भाइयों पर महिला ने लगाया यौन शोषण का आरोप, प्राथमिकी दर्ज

निज संवाददाता | अकोढ़ीगोला (रोहतास)

थाना क्षेत्र में एक महिला द्वारा तीन सगे भाइयों पर गंभीर आरोप लगाते हुए यौन शोषण, धमकी और लूटपाट का मामला दर्ज कराया गया है। पीड़िता ने अकोढ़ीगोला थाना में दिए अपने आवेदन में आरोपियों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पीड़िता बारुण थाना क्षेत्र के कंचनपुर गांव निवासी मुशर्रफ की 34 वर्षीय पत्नी शबाना खातून हैं। महिला ने अपने आवेदन में बताया कि उनका पति रोजगार के सिलसिले में दुबई में रहते हैं और उनके विदेश जाने के बाद वह गांव में अकेले रह रही थीं। पीड़िता के अनुसार, गांव के ही खुर्शीद के पुत्र इमरान खान (28 वर्ष) ने कई बार उनके घर में जबरन घुसकर रिवॉल्वर की नोंक पर उनके साथ शारीरिक संबंध बनाए। डर और मानसिक तनाव से परेशान होकर वह अकोढ़ीगोला में किराए के मकान में रहने लगीं, जहां उन्होंने एक प्लॉट लेकर मकान बनवाना शुरू किया। शबाना खातून का आरोप है कि इमरान खान वहां भी पीछा करता रहा और बार-बार धमकी देकर उनके साथ जोर-जबरदस्ती करता रहा। पीड़िता ने कहा: 'वह मुझे अक्सर धमकाता था कि अगर विरोध किया तो मेरे बेटे और बेटी की हत्या कर देगा और पति के लौटने पर उन्हें भी जान से मार देगा। डर के कारण मैं किसी से कुछ नहीं कह सकी और वह लगातार मेरे साथ गलत व्यवहार करता रहा।'

महिला ने यह भी आरोप लगाया कि इमरान के दो छोटे भाई—शेरू खान और बैजू खान—भी उन पर गलत इरादे से दबाव बनाते रहे और कई बार संबंध बनाने की कोशिश की। घटना की गंभीरता तब और बढ़ गई जब बीती रात लगभग 10 बजे इमरान ने कथित रूप से फिर से हथियार दिखाकर उनके साथ संबंध बनाए और उनके पास से दो भर सोने की चेन (लगभग 2 लाख), डेढ़ लाख रुपए के झुमके तथा 2 लाख नकद राशि लूटकर फरार हो गया। महिला ने दावा किया कि इमरान ने उनका आपत्तिजनक फोटो खींच कर उनके पति के मोबाइल नंबर पर भेज दिया है, जिससे वे मानसिक रूप से पूरी तरह टूट चुकी हैं।

थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने पुष्टि करते हुए कहा: 'पीड़िता के आवेदन के आधार पर इमरान खान, शेरू खान और बैजू खान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।' इस मामले ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। सामाजिक कार्यकर्ताओं और महिला संगठनों ने प्रशासन से त्वरित गिरफ्तारी और पीड़िता को सुरक्षा तथा न्याय दिलाने की मांग की है।

नाग पंचमी पूजा पर मेला की तैयारी पूर्ण, तीन दिवसीय होगा आयोजन

हर बक्स बाबा के मंदिर में मेले के साथ संस्कृति कार्यक्रम का होगा आयोजन

निज संवाददाता | डेहरी (रोहतास)

डेहरी प्रखंड अंतर्गत आदर्श ग्राम पंचायत दरिहट के अर्जुन बिगहा गांव में नाग पंचमी के अवसर पर आयोजित होने वाले परंपरागत मेले की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह मेला हर साल सावन महीने के अंतिम सोमवारी और नाग पंचमी के अवसर पर लगती है, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं। स्थानीय "हर बक्स बाबा" मंदिर में श्रद्धालु नागदेवता को दूध, लावा आदि चढ़ाते हैं और अपनी मनोकामनाएं पूरी होने की प्रार्थना करते हैं। मान्यता है कि यहां पूजा करने से शारीरिक कष्ट, रोग और मानसिक पीड़ा दूर होती है। पूजा समिति के अध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि सोमवार को सावन की अंतिम सोमवारी होने के कारण विशेष पूजा का आयोजन किया जाएगा, जबकि मंगलवार को नाग पंचमी के अवसर पर भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। सभी आवश्यक प्रशासनिक, सुरक्षा, सफाई और पेयजल की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर में एक बाल ब्रह्मचारी महात्मा लगभग डेढ़ महीने से मौन व्रत में साधना कर रहे हैं, जो आगामी बुधवार 30 जुलाई को समाप्त होगी। उस दिन भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचेंगे। सामाजिक कार्यकर्ता सह उप प्रमुख प्रतिनिधि अजीत कुमार ने जानकारी दी कि इस वर्ष मेले को तीन दिवसीय रूप दिया गया है। सोमवार से शुरू होकर यह मेला बुधवार तक चलेगा। मेले में मनोरंजन के लिए झूला, चरखा, नाव, डिस्को डांसर जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। नाग पंचमी के दिन स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी। लोगों से अपील की गई है कि वे शांति और अनुशासन बनाए रखते हुए मेले में सम्मिलित हों। आयरकोठा थानाध्यक्ष कुसुम कुमार केसरी ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा हेतु पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। मेला क्षेत्र में ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की व्यवस्था भी की जा रही है।

मुख्य पार्षद के दुर्व्यवहार से आहत होकर सुरेश माली ने सशक्त स्थाई समिति से दिया इस्तीफा

निज संवाददाता | काराकाट (रोहतास)

नगर पंचायत काराकाट (गोड़ारी) के वार्ड संख्या 03 से निर्वाचित वार्ड पार्षद एवं सशक्त स्थाई समिति के सदस्य सुरेश माली ने शनिवार को कार्यपालक पदाधिकारी सीमाब मतीन को अपना इस्तीफा सौंप दिया। उन्होंने नगर पंचायत के कार्यों में अनावश्यक राजनीतिक हस्तक्षेप और व्यक्तिगत दुर्व्यवहार को इस्तीफे का मुख्य कारण बताया है। अपने त्यागपत्र में सुरेश माली ने उल्लेख किया कि मुख्य पार्षद अभिभावक मुन्ना भारती द्वारा विभिन्न विकास कार्यों में अवांछित हस्तक्षेप, कार्यों में बाधा और अशोभनीय व्यवहार से वे मानसिक रूप से आहत हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी विकास कार्य में जब राजनीतिक स्वार्थ हावी हो जाता है, तो जनहित प्रभावित होता है और यह बात उनकी अंतरात्मा को स्वीकार नहीं।

सुरेश माली ने अपने इस्तीफे में यह भी लिखा है कि वे चाहते हैं कि नगर पंचायत में पारदर्शिता और जनसेवा की भावना के साथ कार्य हो, जिसमें राजनीति नहीं बल्कि सेवा भाव सर्वोपरि हो। उनके इस कदम से नगर परिषद में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है, और यह देखना होगा कि प्रशासन इसपर आगे क्या रुख अपनाता है।

नागपंचमी मेला को लेकर कांवरिया टीम रवाना, कल होगा जलाभिषेक

निज संवाददाता | काराकाट

नगर पंचायत काराकाट गोड़ारी में नागपंचमी मेले की तैयारी को लेकर रविवार को कांवरिया टीम बक्सर के लिए रवाना हुई। पूजा समिति काराकाट गोड़ारी के अनुसार मंगलवार की अहले सुबह यह टीम प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रसिद्ध नाग देवता बकस बाबा पर गंगाजल से जलाभिषेक करेगी। इस कांवर यात्रा में सागेंद्र, रिशु, मनीष, शशि, विकास, पिंटू सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु कांवरिया शामिल हुए हैं। वहीं बकस बाबा टीम में अशोक तिवारी, संजय पासवान, सुनील पासवान, अनिल कुमार पासवान, राहुल कुमार, विद्यार्थी कुमार, मनीष गुप्ता, रितेश कुमार समेत कई स्थानीय लोग मौजूद रहकर तैयारी में जुटे हैं। पूजा समिति के सदस्यों ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा है। कांवरियों की सुरक्षा, ठहराव और जलाभिषेक की व्यवस्था को लेकर समिति के सदस्यों ने व्यापक तैयारी की है, ताकि नागपंचमी मेले के दौरान किसी तरह की कठिनाई न हो। श्रद्धालुओं का मानना है कि बकस बाबा पर जलाभिषेक से परिवार में सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है।

वहीं, इटिम्हा गांव से सावन के पावन महीने में नवयुवक कांवरिया संघ के सौ श्रद्धालुओं का जत्था बस से बक्सर के लिए रवाना हुआ। कावरियों के जत्था को मुखिया संघ के अध्यक्ष शशि कुमार ने झंडी दिखाकर रवाना किया। कावरियों का जत्था बक्सर से गंगा जल लेकर पैदल यात्रा करते हुए सोमवार की सुबह इटिम्हा शिव मंदिर में आकर जलाभिषेक करेंगे। मुखिया ने बताया कि नवयुवक कांवरिया संघ का जत्था हर साल बक्सर जल लाने के लिए जाता है। जहां से जल लेकर पैदल यात्रा करते हुए इटिम्हा शिव मंदिर में भगवान भोले शंकर पर जलाभिषेक और पूजा अर्चना करते हैं। मौके पर सरपंच अजय प्रसाद, पूर्व जिला पार्षद अनिल सिंह, उप मुखिया वीरेंद्र चौधरी, प्रेम कुमार, डॉ गुड्डू पंडित, लाल बहादुर राम, अशोक साह, शिबू कुमार, जयप्रकाश, सिंहासन ठाकुर, सोनू गुप्ता व मंजेश आदि मौजूद थे।

हंगामा कर रहे शराबी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नि.सं. | डेहरी (रोहतास)

डालमियानगर पुलिस अधीक्षक के द्वारा दिए गए दिशा निर्देश के अनुसार शराबियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है, इसी अभियान के तहत रविवार को शराब पीकर हो हंगामा कर रहे मनौरा गांव निवासी अजय सिंह के पुत्र चंदन कुमार सिंह को ग्रामीणों के द्वारा डायल 112 की टीम को सूचना देने के बाद गिरफ्तार किया गया। थाना अध्यक्ष ने बताया कि बेथएंज्वॉइजर से जांच में शराब पीने की पुष्टि हुई। गिरफ्तार शराबी को चिकित्सीय जांच के बाद पुष्टि होने पर मध्य निषेध अधिनियम के तहत न्यायालय में सुपुर्द कर दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शराब के साथ एक धराया

वहीं, कछवां पुलिस गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सोहदा से देसी दारू के साथ एक धंधेबाज को धर दबोचा। थानाध्यक्ष पंकज कुमार पासवान ने बताया कि थाना क्षेत्र के सोहदा निवासी नारदवन सिंह के पुत्र गोपाल यादव को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने घर से 21 लीटर देसी दारू के साथ गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिलाधिकारी द्वारा पर्यवेक्षण गृह एवं विशिष्ट दत्तक ग्रहण का किया गया औचक निरिक्षण

निज संवाददाता | रोहतास

जिला एवं सत्र न्यायाधीश रोहतास अनुज कुमार जैन एवं जिला पदाधिकारी उदिता सिंह तथा जिला निरीक्षण समिति के सभी सदस्यों द्वारा पर्यवेक्षण गृह, सासाराम एवं विशिष्ट दत्तकग्रहण संस्थान रोहतास, सासाराम का औचक निरीक्षण किया। सभी अधिकारियों द्वारा पर्यवेक्षण गृह रोहतास एवं विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान रोहतास में आवासित बच्चों के आवासन, खानपान, उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा व विभिन्न क्रियाकलापों की जांच की गई। उन्होंने पर्यवेक्षण गृह एवं विशिष्ट दत्तकग्रहण संस्थान रोहतास में आवासित शिशुओं से संबंधित जानकारी ली गई।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला पदाधिकारी द्वारा संस्थान में आवासित बच्चों के ससमय टीकाकरण, स्वास्थ्य परीक्षण, आहार तालिका के अनुसार भोजन दिए जाने एवं बच्चों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान विकास कुमार, नगर आयुक्त सासाराम , अमित कुमार पाण्डेय प्रधान दंडाधिकारी किशोर न्याय परिषद, रोहतास एवं समिति के सदस्य डॉ मणिराज रंजन, सिविल सर्जन रोहतास, मदन राय, जिला शिक्षा पदाधिकारी रोहतास, विनीता कुमारी, वरीय उप समाहर्ता -सह- सहायक निदेशक, जिला बाल संरक्षण इकाई रोहतास, स्वेता कुमारी, पुलिस उपाधीक्षक रोहतास, आशीष रंजन, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र रोहतास, तेजबली सिंह, सदस्य, किशोर न्याय परिषद रोहतास, विक्रमादित्य पाल, बाल संरक्षण पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई रोहतास आदि उपस्थित थे।

भाजपा का एक दिवसीय कार्यशाला सह पीएम के 'मन की बात' का आयोजन

'कार्यकर्ता ही पार्टी की असली ताकत'

निज संवाददाता | काराकाट

भारतीय जनता पार्टी के बैनर तले रविवार को काराकाट के सोनू राइस मिल परिसर में एक दिवसीय कार्यशाला सह पीएम के 'मन की बात' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष कुमार पटेल ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री विवेक सिंह ने किया। भाजपा जिलाध्यक्ष श्री पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि आज देश और बिहार दोनों विकास की राह पर तेजी से अग्रसर हैं। बिहार में डबल इंजन की सरकार के कार्यों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि जो काम वर्तमान सरकार कर रही है, वह पहले कभी नहीं हुआ और न ही आगे संभव है। पूर्व विधायक राजेश्वर राज ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कार्यशाला के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा 'भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि विचारधारा का एक मजबूत आंदोलन है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी पूंजी इसके जमीनी कार्यकर्ता हैं, जो निःस्वार्थ भाव से संगठन और समाज की सेवा में लगे रहते हैं। श्री राज ने जोर देकर कहा कि 'हमारा उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्ति नहीं है, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचाना है। कार्यशालाएं कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन और नई ऊर्जा प्रदान करती हैं, जिससे वे पूरी निष्ठा के साथ जनता के बीच पार्टी की योजनाओं को लेकर जा सकें। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी और जनता के बीच की सबसे मजबूत कड़ी हैं। हमें हर परिस्थिति में एकजुट होकर संगठन को सशक्त बनाना है। श्री राज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि बीते वर्षों में देश ने अभूतपूर्व विकास की गति प्राप्त की है और भारत की प्रतिष्ठा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बढ़ी है। कार्यशाला के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, युवाओं को जोड़ने, और सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि चुनावी सफलता का आधार कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण है।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण रहा। कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने एक साथ प्रधानमंत्री की बातें सुनीं, जिनमें उन्होंने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाली कहानियों और राष्ट्रहित में हो रहे प्रयासों की चर्चा की। यह अनुभव सभी के लिए प्रेरणादायक रहा। कार्यक्रम का समापन करते हुए पूर्व विधायक श्री राज ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की योजनाओं को पहुंचाएं और संगठन को आने वाले समय में और अधिक मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा 'कार्यकर्ता ही पार्टी का असली चेहरा होते हैं और उनके परिश्रम से ही हमारा संगठन बुलंदियों को छूता है। इस मौके पर भाजपा के अनेक वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिनमें प्रमुख रूप से जिला प्रभारी हिमांशु चतुर्वेदी, कौशल विद्यार्थी, शैलेन्द्र ओझा, नवीन चंद्र साह, राजेश्वर सिंह, अखिलेश्वर पांडेय, एम.एस. गंधा, प्रमिला त्रिपाठी, पूनम सिंह, डॉ. मनीष रंजन, मदन प्रसाद वैश्य, गुप्तेश्वर प्रसाद गुप्ता, गोपेश प्रसाद, संजीव मिश्रा, अजीत सिंह, रितेश राज, जयश्री मुखिया, अभिभावक रितेश सिंह, संतोष कुमार तिवारी, सुरेश गुप्ता, विनेश कांत त्रिपाठी, दिनेश सिंह, धनंजय सिंह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण और भाजपा कार्यकर्ता शामिल रहे।

धरती भी चुनर धानी को छोड़कर अब हरे लिबास में लगी है लिपटी दिखने, बागीचों में झूला झुलते युवतियां व धान रोपते महिलाएं गा रही हैं कजरी गीत

कइसे खेले जइबू सावन में कजरिया, बदरिया घिर आयो रे ननदी...

मो शमशाद आलम | करगहर(रोहतास)

सावन में कजरारे बादलों ने आसमानों पर अपना डेरा जमा लिया है। रिमझिम फुहारों और पंक्षियों के कलरव मस्ती का माहौल छाने लगा है। धरती चुनर धानी छोड़ हरे लिबास में लिपटने लगी है। गांव की माटी की सोंधी महक बारिश की बूंदों को पाकर हवा में ऐसी घुल रही है कि मन मल्हार होने लगा है। ऐसे ही दिलकश और माधुर्य से परिपूर्ण माहौल में यहां के बाग-बागीचों व खेत-बधार से झूला झुलती युवतियों व धान की रोपनी करतीं महिलाओं ने कजरी गाते हुए खुद आनंद ले रही हैं और दूसरों को भी आनंदित कर रही हैं। बच्चियों व युवतियों की टोली जब करगहर के बागीचा में झूला पर पेंग मार रही थीं, तब बरबस उनके मुंह से कजरी की बोल निकल पड़ रही थी। ग्रामीण क्षेत्र के बागीचा की बात करें या फिर सेमरी ,अकोढ़ी, सहित निमडिहरा गांव की। बच्चे-बच्चियों तक झूला का आनंद ले रही हैं। कोई जुट की रस्सी तो कोई कपड़े को रस्सी और कोई टायर को पेड़ से लटकाकर उसे पटरा से बांधकर झूला झुल रहा था। वर्षा ऋतु शुरू होते ही महिलाओं के ओठों से कजरी गीत झड़ने शुरू हो गए हैं। कजरी गीतों में सावन के बहाने ननद-भौजाई की नोंक-झोंक काफी आकर्षित करती है। कजरी बिहार के भोजपुरी क्षेत्रों में काफी लोकप्रिय है। ऐसे गीतों में नवविवाहिता ननद को छेड़ते हुए उनकी भाभियां चुहलबाजी करते कहती हैं- 'कइसे खेले जइबो सावन में कजरिया, बदरिया घिर आई ननदी। ननद भाभियों को जवाब देने में पीछे नहीं रहती हैं- 'कइसे जइबू तू अकेले, गुंडा घेर लीहें तोहरी डगरिया।

'पिया मेहंदी लियादा न मोती झील से...

'पिया मेहंदी लिया द न मोती झील से जाके साइकिल से ना, 'घिर आई कारी बदरिया बरसे आधी रात को, 'बरसन लागे सावन बुंदिया राजा तेरे बिन लागे ना मोरा जिया, 'घिर आई सावन की बदरिया मन झूमे रामा, घर आए हैं मोरे सांवरिया कि मन झूमे रामा जैसे कई प्रसिद्ध कजरी गीत लोगों के दिलो दिमाग पर छाए हुए हैं और सावन के पइचयां के दिन जब युवतियां झूला झुलते हुए गाती हैं, तब महिलाओं की भीड़ लग जाती है। कजरी गीतों में शील, संकोच और लज्जा जैसी भावनाओं को महसूस किया जा सकता है।

शहरीकरण और भाग-दौड़ से होने लगा विलुप्त

कजरी के बोल और शब्द इतने दिल को छूने वाले हुए कि एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक महिलाओं के होठों पर चढ़ते चले गए। लेकिन, एक बड़ी सच्चाई यह भी है कि शहरीकरण और भाग-दौड़ भरी जीवनशैली में कजरी गीतों के गायक और श्रोता दोनों कम हुए हैं। कजरी को जिस संजीदगी से पहले सावन के मौसम में गांव की महिलाएं गाती थीं, वह चीज अब कहीं लुप्त होती जा रही हैं। हालांकि कैमूर में धान की रोपनी के दौरान भी महिलाएं कजरी गाना नहीं भूल पाती हैं।

संयोग-वियोग और शृंगार तक ही सीमित नहीं है कजरी

कजरी गायन चंचलता और प्रेम से भरपूर है। यह संयोग-वियोग और शृंगार तक ही सीमित न रहा, बल्कि सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विषयों पर भी कजरी लिखे गए। भारतेंदु हरिश्चंद्र ने ब्रज और अवधी के साथ-साथ संस्कृत में भी कजरी लिखी है। वैसे अमीर खुसरो को कजरी के प्रारंभिक गीतकारों में माना जाता है। उनके द्वारा लिखा 'अम्मा मेरे बाबा को भेजो कि सावन आया कजरी गीत प्रसिद्ध है। अंतिम मुग़ल बादशाह बहादुर शाह जफर द्वारा लिखित कजरी गीत 'झूला किन्ने डारो रे अमरैया भी उतना ही मशहूर है। सूरदास, प्रेम धन और बिहारीलाल ने भी कजरी लिखी हैं। भारतेंदु हरिश्चंद्र ने राजनीतिक विषयों पर कजरी लिखकर इस विधा को विविधता प्रदान की। उस्ताद बिस्मिल्लाह खान ने शहनाई पर कजरी को लेकर कई प्रयोग किए और इस शैली को लोकप्रिय बनाया। गिरिजा देवी, विंध्यवासिनी देवी और शारदा सिन्हा ने भी कजरी के अनेक प्रसिद्ध गीत गाए हैं।

सीएचसी में आंख जांच केंद्र का किया गया उद्घाटन, लोगों को होगी सहूलियत

निज संवाददाता | करगहर (रोहतास)

करगहर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार को आंख जांच केंद्र का उद्धघाटन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ चंदन कुमार ने किया ।इस अवसर पर उपस्थित कर्मियों और मरीजों को संबोधित करते हुए कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में वर्षों से आंख जांच केंद्र के अभाव में मरीज को काफी परेशानी होती थी। कमी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा यहां जांच केंद्र की स्थापना की गई है। जिसमें जांच मशीन व ऑपरेटर की पदस्थापना की गई है। उन्होंने बताया कि केंद्र में आंख विशेषज्ञ द्वारा जांच कर मरीजों को चश्मा व दवाएं उपलब्ध जाएगी। मौके पर बीएच एम रीतेश कुमार स्वरुप, नंदू पांडेय, विनोद कुमार, सुनीता कुमारी, रीता कुमारी आदि शामिल थे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

आवारा कुत्तों का आतंकः बकरियों को बना रहे शिकार, कई बच्चे घायल

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

प्रखंड मुख्यालय रजौली सहित आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। अब तक कई बकरियों को काटकर घायल या मार डालने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, वहीं कई छोटे बच्चे भी कुत्तों के हमले में घायल हो चुके हैं। यह स्थिति न सिर्फ पशुपालकों के लिए चिंता का विषय है, बल्कि आमजन की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर रही है। गली-मोहल्लों में घूमने वाले कुत्ते अब चरने गई बकरियों पर झुंड में हमला कर रहे हैं। मां संतोषी मंदिर के पास रहने वाले अनिल यादव ने बताया कि बीते दिन उनके घर की एक बकरी को कुत्तों ने बुरी तरह नोच डाला, जिससे वह मर गई। इसी तरह पुरानी बस स्टैंड निवासी सुरेश राजवंशी, जो पेशे से बकरी पालक हैं, ने बताया कि उनकी मां बकरियों को खेत में चरने ले जाती हैं और हर वक्त नजर बनाए रखती हैं, क्योंकि कुत्तों के हमले की आशंका बनी रहती है। जानकारों का मानना है कि मानसून के मौसम में कुत्तों का व्यवहार अधिक आक्रामक हो जाता है। सड़कों पर रहने वाले इन कुत्तों को ठिकानों की कमी हो जाती है, उनका खाना सड़ जाता है और बिजली की गर्जना या बारिश की आवाज उन्हें डराती है। इसी डर और भूख के कारण वे आक्रामक हो जाते हैं और आसपास मौजूद जानवरों या बच्चों पर हमला कर बैठते हैं।

अनुमंडलीय अस्पताल रजौली के प्रभारी डॉ. दिलीप कुमार ने बताया कि रोजाना एक-दो बच्चे कुत्तों के काटने की शिकायत लेकर अस्पताल आ रहे हैं। उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद एंटीरेबिज इंजेक्शन दिया जा रहा है। उन्होंने आमजनों को सतर्क करते हुए कहा कि—“बच्चों को अकेले बाहर न भेजें, कुत्तों को पत्थर या लाठी से न डराएं, अंधेरे में अकेले बाहर निकलने से बचें।” गांवों में बकरी पालकों और बच्चों के अभिभावकों में भारी दहशत है। लोग स्थानीय प्रशासन से अविलंब आवारा कुत्तों की धर-पकड़ अभियान चलाने की मांग कर रहे हैं। यदि जल्द ही इन पर नियंत्रण नहीं किया गया तो यह स्थिति किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

सूर्य मंदिर के पास असामाजिक तत्वों ने घटना को दिया अंजाम, डीएम-एसपी मौके पर पहुंचे

नवादा : दो मंदिरों में शिव-पार्वती की मूर्तियां खंडित

विशेष संवाददाता | नवादा

सावन जैसे पवित्र माह में नवादा से धार्मिक आस्था को आहत करने वाली एक गंभीर और दुखद घटना सामने आई है। नगर थाना क्षेत्र के मोती बीघा स्थित सूर्य मंदिर परिसर के पास दो अलग-अलग मंदिरों में असामाजिक तत्वों ने भगवान शिव, माता पार्वती तथा अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियों को खंडित कर दिया है। रविवार की सुबह इस घटना की जानकारी होते ही क्षेत्र में तनाव और नाराजगी का माहौल बन गया। लोगों में गहरी वेदना के साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। जिस समय देश भर में शिवभक्त सावन मास की भक्ति में लीन हैं, ठीक उसी समय ऐसी घटना सामने आना न केवल धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाता है, बल्कि सामाजिक सौहार्द को भी चुनौती देता है। स्थानीय निवासियों ने इस घटना की निंदा करते हुए प्रशासन से तीव्र और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

डीएम और एसपी ने संभाला मोर्चा घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस ने तत्परता दिखाई। जिलाधिकारी रवि प्रकाश और पुलिस अधीक्षक अविनव धीमान स्वयं मौके पर पहुंचे और मंदिर परिसर का निरीक्षण किया। उनके साथ एसडीओ अमित अनुराग, डीएसपी हुलास कुमार तथा नगर थाना प्रभारी अविनाश कुमार भी मौजूद रहे। डीएम रवि प्रकाश ने स्पष्ट किया कि ‘इस निंदनीय कृत्य में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। दोषियों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।‘ वहीं, एसपी अविनव धीमान ने कहा ‘यह कृत्य किसी सामान्य शरारत का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह एक सुनियोजित षड्यंत्र प्रतीत होता है, जिसकी हम गहराई से जांच कर रहे हैं।’

पुलिस बल तैनात, अस्थायी शिविर भी स्थापित

स्थिति को नियंत्रण में रखने के उद्देश्य से एसडीएम के निर्देश पर मंदिर क्षेत्र और आसपास के इलाकों में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। साथ ही एक अस्थायी पुलिस कैंप भी स्थापित किया गया है, जिससे किसी भी संभावित उपद्रव या अफवाह पर त्वरित कार्रवाई की जा सके।

विशेष जांच दल का गठन, सीसीटीवी फुटेज की छानबीन

डीएसपी हुलास कुमार के नेतृत्व में एक विशेष अनुसंधान टीम गठित की गई है, जो घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाल रही है। पुलिस तकनीकी साक्ष्य और संभावित संदिग्धों की गतिविधियों के आधार पर गिरफ्तारी की दिशा में कार्य कर रही है।

मूर्तियों की पुनर्स्थापना की प्रक्रिया प्रारंभ

प्रशासन ने श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए खंडित मूर्तियों के स्थान पर जल्द नई मूर्तियों की स्थापना कराने का निर्णय लिया है। जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया है कि मूर्तियों की स्थापना शीघ्र की जाएगी और पूजा-पाठ की व्यवस्था फिर से सामान्य हो सकेगी।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि दो वर्ष पहले इन मंदिरों की स्थापना की गई थी और तब से यह इलाका धार्मिक रूप से सक्रिय और शांत रहा है। अचानक इस प्रकार की घटना से न केवल लोगों की आस्था को ठेस पहुंची है, बल्कि समाज में भय और असुरक्षा की भावना भी उत्पन्न हो गई है। लोगों ने सवाल उठाया कि आखिर प्रशासन ने ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पहले से ठोस कदम क्यों नहीं उठाए? एक स्थानीय बुजुर्ग श्रद्धालु का कहना था ‘हमारे लिए भगवान शिव और मां पार्वती केवल पत्थर की मूर्तियां नहीं, बल्कि जीवंत आस्था के प्रतीक हैं। उन्हें इस प्रकार खंडित करना हम सबके दिल को तोड़ने जैसा है।’

विद्युत स्पर्शाघात से किसान की मौत

नि.सं. | कौआकौल (नवादा)। थाना क्षेत्र के इटपकवा गांव में शनिवार को एक दर्दनाक हादसे में करीब 50 वर्षीय किसान युगेश्वर यादव उर्फ युगल यादव की विद्युत स्पर्शाघात (करंट लगने) से मौत हो गई। घटना के बाद गांव में गहरा शोक व्याप्त है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, किसान युगेश्वर यादव रोज की तरह अपने खेत में सिंचाई कार्य के लिए जा रहे थे, तभी रास्ते में अचानक बिजली के नंगे तार की चपेट में आ गए। करंट लगते ही वह वहीं गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में कई जगहों पर पुराने और जर्जर बिजली तार लटके हुए हैं, जिनकी मरम्मत की मांग कई बार की जा चुकी है, लेकिन विभाग द्वारा अनदेखी की जाती रही है। लोगों ने विद्युत विभाग की लापरवाही को ही इस घटना का जिम्मेदार ठहराया है। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भारी भीड़ मृतक के घर जमा हो गई। स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक अपने पीछे पत्नी, दो बेटे और एक बेटी को छोड़ गए हैं।

नवादा अंचल के अंचलाधिकारी पर गंभीर आरोप, मामला पहुंचा उच्च न्यायालय तक

बिना बिक्री पत्र के किया गया दाखिल-खारिज..!!

विशेष संवाददाता | नवादा

राजस्व और भूमि सुधार विभाग की पारदर्शिता पर एक बार फिर सवाल उठ खड़ा हुआ है। जिले से सामने आए एक सनसनीखेज मामले में अंचल अधिकारी पर बिना बिक्री पत्र (सेल डीड) के ही ज़मीन का म्युटेशन (दाखिल-खारिज) करने का आरोप लगा है। मामला बेहद गंभीर है क्योंकि यह म्युटेशन कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज़ और काल्पनिक नाम के आधार पर किया गया, जिससे असली ज़मीन मालिक को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

कैसे हुआ घोटाला?

मामला नवादा अंचल का है। यहां सीओ (अंचल अधिकारी) द्वारा पवन सिंह, पिता कृष्ण सिंह नामक एक काल्पनिक व्यक्ति के नाम से दाखिल-खारिज की प्रक्रिया पूरी कर दी गई। इस प्रक्रिया में सेल डीड (बिक्री पत्र) की कोई प्रति प्रस्तुत नहीं की गई, फिर भी राजस्व विभाग की DLRS पोर्टल पर दस्तावेज़ अपलोड कर दिए गए। इस म्युटेशन की प्रक्रिया गीता गुप्ता पत्नी ओम प्रकाश गुप्ता के माध्यम से वाद संख्या 3288R27/18-19 के तहत 21 नवंबर 2018 को की गई, जिसके आधार पर 29/87 खाता संख्या में जमाबंदी का सृजन कर दिया गया।

जब असली मालिक को हुआ पता...

असली ज़मीन मालिक को जब इस फर्जीवाड़े की जानकारी हुई, तो उन्होंने जिले से लेकर राज्यस्तरीय विभागों तक इसकी शिकायत की। मामले की गहराई को देखते हुए जिला लोक शिकायत निवारण प्राधिकरण में वाद संख्या 9999901101123425647/2A दर्ज किया गया। दिनांक 12 दिसंबर 2024 को विधिवत सुनवाई हुई, और मामला द्वितीय अपील तक पहुंचा।

राज्य स्तर पर भी खुली पोल

राजस्व विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (ACS) श्री दीपक सिंह ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए नवादा अंचल से रिपोर्ट मांगी। रिपोर्ट में स्वयं अंचल अधिकारी ने स्वीकार किया कि दाखिल-खारिज के लिए कोई भी वैध सेल डीड प्रस्तुत नहीं की गई थी। इस आधार पर श्री सिंह ने आदेश दिया कि दोषी व्यक्ति अथवा कर्मचारी के विरुद्ध पुनरीक्षण वाद संख्या 283/24-25 में अपर समाहर्ता (ADM) द्वारा जांच की जाए और उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मामला पहुंचा उच्च न्यायालय

इतना ही नहीं, पीड़ित द्वारा मामला पटना उच्च न्यायालय में भी प्रस्तुत किया गया है, जहां CWJC 10994/25 के तहत सुनवाई चल रही है। इस मामले में ADM नवादा से कोर्ट ने हलफनामा के माध्यम से जवाब मांगा है।

घर निर्माण को लेकर हुई झड़प में लाठियां और कुदालें चलीं, दोनों पक्षों से एक-एक गिरफ्तार

गर्भवती महिला समेत तीन लोग घायल

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

स्थानीय थाना क्षेत्र के महसई मोहल्ले में बीते शनिवार को घर निर्माण को लेकर उत्पन्न विवाद ने देखते ही देखते उग्र रूप ले लिया। जमीन को लेकर दो पक्षों में हुई कहासुनी जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई, जिसमें लाठी, डंडा और कुदालें चलीं। इस घटना में गर्भवती महिला समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों पक्षों से एक-एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि अन्य पर कार्रवाई जारी है। घटना महसई मोहल्ले की है, जहां रवि कुमार द्वारा अपने जमीन पर घर निर्माण कार्य कराया जा रहा था। रवि कुमार की पत्नी काजल देवी, जो गर्भवती हैं, ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले प्रदीप यादव (पुत्र स्व. प्रयाग यादव) उनके निर्माण स्थल पर पहुंचे और वहाँ रखे बालू को हटाने लगे। विरोध करने पर प्रदीप यादव, उनकी पत्नी पिंकी देवी, पुत्री आशा देवी और अन्य परिजनों ने लाठी-डंडे से हमला कर दिया। हमले में काजल देवी का बायां हाथ और रवि कुमार का दाहिना हाथ टूट गया। उन्होंने आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान आरोपितों ने एक मोबाइल और 20,000 नगद की छिनतई भी की। वहीं दूसरे पक्ष के प्रदीप यादव का कहना है कि रवि कुमार जबरन उनकी जमीन पर निर्माण कर रहे थे। जब उन्होंने इसका विरोध किया, तो रवि कुमार, नीतिश कुमार और काजल देवी ने लाठी और कुदाल से हमला कर दिया। इस हमले में प्रदीप यादव का सिर फट गया और बायां हाथ टूट गया। मारपीट में घायल लोगों को स्थानीय लोगों की मदद से अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए सभी को सदर अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, घायलों में एक पक्ष के रवि कुमार और उनकी पत्नी काजल देवी, जबकि दूसरे पक्ष के प्रदीप यादव शामिल हैं। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है। जांच के बाद प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और दोनों पक्षों से एक-एक आरोपी रवि कुमार और प्रदीप यादव को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

घर में लगी गैस सिलेंडर में आग, बड़ा हादसा टला, मॉक ड्रिल से लोगों में जागी चेतना

निज संवाददाता | रजौली

नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या पांच, जगजीवन नगर में शुक्रवार की रात एक घर में खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर में अचानक आग लग गई, जिससे पूरे मोहल्ले में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। हालांकि समय रहते अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई और बड़ा हादसा टल गया। घटना के संबंध में बताया गया कि स्व. रामप्रसाद राजवंशी के पुत्र छोटू राजवंशी के घर में खाना बनाते समय गैस पाइप में लीकेज हो गई, जिससे सिलेंडर में आग लग गई। आग लगते ही घर के लोगों ने घबराकर सिलेंडर को मोटे कपड़ों – रजाई और कंबल से ढक दिया, ताकि आग बुझ जाए। लेकिन इससे स्थिति और बिगड़ गई और आसपास के लोग भी डर के मारे घर से बाहर निकल आए।

अग्निशमन दल ने बचाई जान, आग पर पाया काबू

स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना की सूचना रजौली अग्निशमन केंद्र को दी। सूचना मिलते ही फायर ऑफिसर राम अवध सिंह अपने दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद सिलेंडर में लगी आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि यदि थोड़ी और देर होती, तो यह घटना एक बड़ी त्रासदी का रूप ले सकती थी। फायर ऑफिसर ने यह भी कहा कि अधिकांश लोग आग बुझाने के सही तरीकों से अनजान होते हैं, यही वजह है कि हादसे और गंभीर हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि घटना स्थल पर बिजली के नंगे तारों की भरमार के कारण बचाव कार्य में भी कई चुनौतियाँ आईं।

मोहल्ले में मॉक ड्रिल, महिलाओं को दी गई ट्रेनिंग

घटना के अगले दिन शनिवार को फायर टीम ने जागरूकता अभियान चलाते हुए मॉक ड्रिल का आयोजन किया। इस दौरान जगजीवन नगर मोहल्ले के छह अलग-अलग स्थानों पर घरेलू सिलेंडर में आग लगने की मॉक सिचुएशन तैयार की गई, जिसमें मोहल्ले की महिलाओं को सिलेंडर में लगी आग बुझाने का अभ्यास कराया गया। मॉक ड्रिल के जरिए महिलाओं को यह सिखाया गया कि अगर गैस सिलेंडर में आग लग जाए, तो क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए। इस मौके पर प्रधान अग्निक मधुरेन्द्र कुमार, चालक टूना कुमार गुप्ता, अग्निक अमरजीत राम, शमशेर अंसारी, राकेश कुमार और धर्मेन्द्र कुमार भी मौजूद रहे।

सिपाही भर्ती परीक्षा का चतुर्थ चरण शांतिपूर्ण वातावरण में हुआ संपन्न

निज संवाददाता | नवादा

केन्द्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती), बिहार, पटना द्वारा आयोजित सिपाही भर्ती परीक्षा 2025 के चतुर्थ चरण का आयोजन आज दिनांक 27 जुलाई 2025 को नवादा जिले के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह परीक्षा एकल पाली में आयोजित की गई, जो दोपहर 12:00 बजे से अपराह्न 02:00 बजे तक चली। परीक्षा के आयोजन हेतु जिले में कुल 23 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। इन केंद्रों पर कुल 8799 परीक्षार्थियों को सम्मिलित होना था, जिनमें से 7111 परीक्षार्थी उपस्थित हुए तथा 1688 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा को कदाचारमुक्त, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई थीं। केंद्रों पर दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति, पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था, बायोमैट्रिक सत्यापन, सघन जांच आदि की व्यवस्था की गई थी। इसके अतिरिक्त परीक्षा केंद्रों के 500 गज की परिधि में भीड़-भाड़ एवं गैर-आवश्यक गतिविधियों पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया था। सभी परीक्षार्थियों को समय पर केंद्र में प्रवेश देने के लिए समुचित मार्गदर्शन व सहयोग उपलब्ध कराया गया। जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश के द्वारा परीक्षा के सफल, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए सभी पदाधिकारियों, पुलिस प्रशासन, शिक्षा विभाग, पर्यवेक्षकों तथा सहयोगी कर्मियों का उत्साहवर्धन किया गया। उन्होंने कहा कि आगे के चरणों में भी इसी प्रकार अनुशासित और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, ताकि सभी अभ्यर्थियों को निष्पक्ष अवसर प्राप्त हो सके।

कौआकोल में विद्यालय के प्रधान शिक्षकों के बीच टेबलेट का वितरण

निज संवाददाता | कौआकोल (नवादा)

प्रखंड संसाधन केंद्र कौआकोल में शिक्षा विभाग के निर्देश पर शनिवार को प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के बीच टेबलेट का वितरण किया गया। प्रभारी बीईओ सह प्रखण्ड सहकारिता पदाधिकारी अजित कुमार ने खुद अपने हाथों से इंटर विद्यालय कौआकोल के प्रभारी प्राचार्य श्याम कुमार वर्मा,आदर्श मध्य विद्यालय लालपुर के प्रमोद कुमार सहित अन्य प्रधान शिक्षक को टेबलेट सौंपे। इस अवसर पर बीईओ ने कहा कि डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह टेबलेट वितरित किए जा रहे हैं। अब प्रधानाध्यापक विद्यालय संचालन, छात्र उपस्थिति, मूल्यांकन एवं विभागीय रिपोर्टिंग को अधिक सुलभ और प्रभावी रूप से समय से कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से शिक्षा व्यवस्था को तकनीकी रूप से सशक्त करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। टेबलेट से स्कूलों के कार्यों में पारदर्शिता आएगी और शिक्षकों का कार्य भी आसान होगा। प्रधानाध्यापकों ने टेबलेट पाकर प्रसन्नता व्यक्त की और इसे स्कूल संचालन में सहायक बताया।

भाजपा कार्यशाला का आयोजन

नि.सं. | कौआकौल (नवादा)। प्रखण्ड के जेपी आश्रम सोखोदेवरा अवस्थित राजेन्द्र भवन में रविवार को भाजपा का विधानसभा स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में गोविंदपुर विधानसभा क्षेत्र के गोविंदपुर, रोह एवं कौआकोल प्रखण्ड के सभी मण्डल के अध्यक्षों सहित अन्य कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद थे। कार्यशाला में आगामी,विधानसभा चुनाव की तैयारी,बूथ स्तर पर पार्टी संगठन को और अधिक सशक्त करने पर जोर दिया गया। बैठक में वक्ताओं ने आगामी विधानसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए हर बूथ को सशक्त करने पर जोर दिया। वक्ताओं ने कहा कि हर बूथ तभी मजबूत हो सकेगा,जब इसके लिए हर कार्यकर्ता को समर्पण और संगठनात्मक अनुशासन के साथ एकजुट होंगे।

कार, बाइक एवं बस से देशी-विदेशी शराब बरामद, दो लोग गिरफ्तार

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

थाना क्षेत्र के चितरकोली स्थित समेकित जांच चौकी पर उत्पाद बलों ने यात्री बस,कार एवं बाइक पर लदे देशी विदेशी शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया।वहीं कार एवं बाइक को जब्त किया गया। उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि बिहार मद्दनिषेध को लेकर जांच चौकी पर उत्पाद बलों के सहयोग से झारखंड की ओर से आनेवाली प्रत्येक वाहनों की सघन जांच की जाती है एवं आसपास के क्षेत्रों में गश्त कर भी शराब सम्बन्धी गतिविधियों पर अंकुश लगाने का काम किया जा रहा है, जिसका नेतृत्व उत्पाद एसआई न्यूटन कर रहे हैं। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि जांच चौकी पर जीवन ज्योति बस संख्या बीआर-27-पी-3191 को जांच किया गया। बस में सफर कर रहे नालन्दा जिले के बिंद थाना क्षेत्र के राजोपुर गांव निवासी के पास से रॉयल चैलेंज के 750 एमएल वाले दो बोतल बरामद किया गया, जिसमें एक बोतल में 650 एमएल शराब था। वहीं बोकारो से पटना जा रहे लग्जरी कार टाटा नेक्सन संख्या बीआर-01-एफई-4959 के जांच के दौरान 6 बोतल बियर और दो बोतल शराब बरामद किया गया। साथ ही कार चालक पटना जिले के कंकड़बाग निवासी याशो वर्धन ओझा के पुत्र अक्षर ओझा को गिरफ्तार किया गया है एवं कार को जब्त किया गया है। गिरफ्तार युवक द्वारा बताया गया कि कार से बरामद शराब व बियर खुद के सेवन के लिए पटना लेकर जा रहा था। वहीं दूसरी ओर धर्मपुर मोड़ के समीप एक होंडा शाइन बाइक पर लदे 120 लीटर चुलाई शराब को जब्त किया गया है,जबकि शराब तस्कर भागने में सफल रहा।

उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि जब्त शराब,बियर,बाइक एवं कार के अलावे गिरफ्तार दोनों लोगों के विरुद्ध बिहार उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। गिरफ्तार दोनों लोगों को रविवार को स्वास्थ्य जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। इस मौके पर उत्पाद एसआई न्यूटन के अलावे उत्पाद एएसआई पंकज कुमार साव व मो. साबिर एवं गृहरक्षक के जवान मौजूद रहे।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 90 छात्राओं को लगाया गया टीका

नि.सं. | रजौली (नवादा)। मुख्यालय स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में मुख्यमंत्री बालिका कैंसर प्रतिरक्षण योजना के तहत पीएचसी प्रभारी डॉ. सौरभ कुमार निराला द्वारा विशेष अभियान चलाकर 90 छात्राओं को टीका लगाया गया।इस योजना का उद्देश्य बच्चेदानी के मुंह के कैंसर से बचाव करना है। यह एचपीवी टीका 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं को निःशुल्क दिया जा रहा है। पीएचसी प्रभारी ने बताया कि ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) कई प्रकार के कैंसर का कारण बन सकता है। यह विशेषकर बच्चेदानी के कैंसर के लिए जिम्मेदार है और मुख्य रूप से महिलाओं को प्रभावित करता है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस एचपीवी टीके का टीकाकरण निःशुल्क कराया जा रहा है। यह टीका बच्चेदानी के मुंह के कैंसर के जोखिम को काफी हद तक कम कर देता है। टीकाकरण कार्यक्रम के दौरान स्कूल की वार्डन रेखा कुमारी,अस्पताल मैनेजर इरशाद अहमद समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मीगण मौजूद रहे।

पत्रकार पेंशन योजना: घोषणाओं का आईना, हकीकत की धूल...

मिथिलेश कुमार

बिहार सरकार द्वारा पत्रकारों के लिए चलाई जा रही पेंशन योजना को लेकर हाल ही में एक बड़ी घोषणा की गई। अब तक दी जा रही 6000 की मासिक पेंशन को बढ़ाकर 15000 कर दिया गया है। इसके अलावा, यदि किसी पत्रकार का निधन हो जाए तो उसके आश्रित को 10000 प्रति माह दिए जाने की भी बात कही गई है।मुख्यमंत्री के किये गए घोषणा के बाद नवादा जिले के वरिष्ठ पत्रकार सह साहित्यकार श्री राम रतन सिँह रत्नाकर ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा की सुनने में यह निर्णय लोकतंत्र के चौथे स्तंभ — पत्रकारों — के सम्मान की दिशा में एक सकारात्मक कदम लगता है। लेकिन जब इस योजना की जमीनी हकीकत देखी जाती है, तो सारा दृश्य एक सरकारी पोस्टर जैसा दिखाई देता है — रंग-बिरंगा, लेकिन पीछे से सादा और बेरंग। बिहार के 38 जिलों में पाँच साल से अधिक समय से यह योजना चल रही है। मगर आश्चर्य की बात यह है कि अब तक महज 30 -32 पत्रकारों को ही इसका लाभ मिल सका है। इतने बड़े प्रदेश में इतनी छोटी संख्या का लाभार्थी आंकड़ा ही इस योजना की विफलता को उजागर कर देता है। असल में समस्या योजना की मंशा में नहीं, बल्कि उसकी पात्रता शर्तों में है। सरकार कहती है कि पत्रकार को पेंशन पाने के लिए ‘पे-स्लिप‘ जैसे दस्तावेज़ देने होंगे। लेकिन विडंबना देखिए कि आज बिहार समेत पूरे देश में अधिकांश पत्रकार मानदेय पर, संविदा पर या पूर्णतः अवैतनिक रूप से कार्य कर रहे हैं। वेतन का तो प्रश्न ही नहीं, संस्थान उनकी नियुक्ति तक मान्यता नहीं देते। ऐसे में ‘पे-स्लिप’ की अनिवार्यता इस योजना को आम पत्रकारों की पहुँच से दूर कर देती है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि यह योजना एक आकर्षक सरकारी घोषणा बनकर रह गई है — जैसे बिना पटाखे की दिवाली या बिना खबर के अखबार। सरकार चाहती है कि पत्रकार अपने 20-25 साल के अनुभव और संघर्ष को सिर्फ एक कागजी पर्ची से सिद्ध करें, जो शायद उन्होंने कभी देखी ही नहीं। इस योजना को सार्थक बनाने के लिए सरकार को चाहिए कि वह पत्रकारों की वास्तविक स्थिति को समझे और पात्रता की शर्तों को लचीला बनाए। यदि पत्रकार को पे-स्लिप नहीं है, तो जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, संबंधित मीडिया संस्थान की अनुशंसा, प्रेस कार्ड, अथवा वर्षों की रिपोर्टिंग का रिकार्ड आदि को प्रमाण मानकर भी उसे योजना का लाभ दिया जाना चाहिए। सरकार को एक पारदर्शी और डिजिटल आवेदन प्रक्रिया बनानी चाहिए जहाँ पत्रकार खुद को ऑनलाइन पंजीकृत कर सकें, और स्थानीय स्तर पर उसकी सच्चाई की पुष्टि की जा सके। साथ ही, पत्रकार संगठनों और मीडिया संस्थानों को भी इस प्रक्रिया में भागीदार बनाया जाना चाहिए। पत्रकारों को पेंशन देना केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि उनके कार्य की मान्यता और सम्मान है। जो पत्रकार हर रोज़ समाज की सच्चाई सरकार तक पहुँचाता है, उसे अपने लिए ‘सत्यापन‘ के नाम पर अपमानित न किया जाए। घोषणाएँ तब तक सार्थक नहीं होतीं जब तक उनका लाभ ज़मीन पर दिखाई न दे।मैंने अब तक चार बार पेंशन योजना के लिये फॉर्म भरा लेकिन रद्द कर दी गयी। इसकी पात्रता और मापदंड को कैसे पूरा किया जायेगा यह सरकार को भी पता नही हैं क्योंकि हकीकत से वाकिफ नही हैं. सिर्फ घोषणाएं करने से पत्रकारिता करने बाले पत्रकारों को इसका लाभ मिलने बाला नही हैं। जिले में कई पत्रकार 60बर्ष की आयु को कब पूरा कर चुके हैं कई दिवगन्त भी हो गए लेकिन पेंशन मयसर नही हुआ है। समय की मांग है कि सरकार इस योजना की समीक्षा करे, ज़मीनी हकीकत से जुड़ी पात्रता तय करे और इस पहल को एक जनहित योजना बनाए — न कि केवल कागज़ी उपलब्धि।

आल्हा बहादुर सिंह बनाए गए सनातन रक्षक सेना के प्रदेश अध्यक्ष, क्षेत्रवासियों में उत्साह

निज संवाददाता | वारिसलीगंज (नवादा)

प्रखंड के कोचगांव ग्राम निवासी आल्हा बहादूर सिंह को सनातन रक्षक सेना का बिहार प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति से क्षेत्र में उत्साह का वातावरण है। शिक्षा, संस्कार और स्वावलंबन को समर्पित सेना की संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्षा अनुरमा सिंह ने श्री सिंह को नियुक्ति पत्र देते हुए कहा है कि आल्हा बहादूर सिंह पूर्ण ईमानदारी एवं समर्पण भाव से सनातन रक्षक सेना का सम्पूर्ण विस्तार करेंगे। साथ ही, बिना किसी भेदभाव के सभी जाति, धर्म एवं संप्रदाय के लोगों को श्री सिंह सेना के उद्देश्यों के बारे में बताएंगे तथा लोगों को अधिक से अधिक साथ जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगे। 25 जुलाई 025 को जारी नियुक्ति पत्र के माध्यम से सेना की राष्ट्रीय अध्यक्षा ने श्री बहादुर के उज्वल भविष्य की कामना भी की है। बता दें कि आल्हा बहादुर सिंह BJP के वरिष्ठ नेता हैं. श्री सिंह भाजपा के संगठन एवं मंच-मोर्चा में जिला, प्रमंडल तथा प्रदेश स्तर का दायित्व संभाल चुके हैं। सामाजिक कार्यकर्ता, किसान नेता एवं मगही हितैषी के रूप में जिले में इनकी पहचान है. फिलवक्त श्री सिंह नवादा जिला 20-सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के सदस्य हैं। आल्हा बहादुर सिंह को सनातन रक्षक सेना का बिहार प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की धर्मजागरण समन्वय गतिविधि के द. बिहार प्रांत ब्रह्मभट्ट परियोजना प्रमुख सह नवादा जिला जनता दल (यूनाइटेड) के जिला महासचिव ऐडवोकेट चंद्रमौलि शर्मा, आरएसएस खंड संघचालक श्रवण कुमार गुप्ता, नवादा विधि महाविद्यालय के संस्थापक सचिव सह मगध विश्वविद्यालय की विधि संकाय के डीन डा.डी.एन.मिश्रा, बिहार प्रदेश धानुक महासभा उपाध्यक्ष विजय कुमार राय, कोचगाँव पंचायत मुखिया प्रतिनिधि सामाजिक कार्यकर्ता कुमुद सिंह महात्मा जी, रविंद्र शर्मा बाबा, दिनेश चौरसिया आदि ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

संस्कृत व संस्कृति एक-दूसरे के पूरक

कोईलवर| रामस्वरूप रामलहर त्रिपाठी संस्कृत उच्च विद्यालय, कायमनगर में शनिवार को अभिनंदन व प्रतिमा अनावरण समारोह हुआ। कार्यक्रम में संस्कृत शिक्षा बोर्ड, पटना के अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार झा को पुष्पगुच्छ देकर व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में प्रतिमा का अनावरण भी किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए श्री झा ने कहा कि वर्तमान समय में समाज में नैतिक मूल्यों का क्षरण हो रहा है, जिसका सीधा प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ रहा है। उन्होंने संस्कृत को सभी भाषाओं की जननी बताते हुए कहा कि संस्कृत और संस्कृति एक-दूसरे के पूरक हैं और इनका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है।

सेमीफाइनल में पहुंची ज्ञान ज्योति

आरा| प्रथम अंतर विद्यालय सॉफ्टबॉल क्रिकेट टूर्नामेंट के रोमांचक मुकाबले में ज्ञान ज्योति आवासीय विद्यालय की टीम ने एचडी ब्लू बेल्स को 18 रन से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। यह मुकाबला वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में हुआ। उद्घाटन भोजपुर जिला सॉफ्टबॉल क्रिकेट संघ के सचिव कुंदन राज सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ज्ञान ज्योति की टीम ने निर्धारित 10 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 74 रन बनाए। जवाब में उतरी एचडी ब्लू बेल्स की टीम 9 ओवर में 58 रन पर सिमट गई। उनकी तरफ से आर्यन ने 19 और कप्तान निशांत ने 10 रन बनाए।

कॅरियर के अवसर व चुनौतियां विषय पर होगा व्याख्यान

आरा। महाराजा कॉलेज, आरा के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आइक्यूएसी) के तत्वावधान में आगामी 28 जुलाई को एक व्याख्यान होगा। कार्यक्रम का विषय "वैश्विक वित्तीय क्षेत्र में कैरियर के अवसर और चुनौतियाँ" है। मुख्य वक्ता नीरज कुमार, जो वर्तमान में दक्षिण फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के मुमा कॉलेज ऑफ बिजनेस एवं फिडेलिटी इन्वेस्टमेंट्स, लिथिया, फ्लोरिडा (संयुक्त राज्य अमेरिका) से संबद्ध हैं, अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। श्री कुमार वैश्विक वित्तीय डोमेन एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता में अपनी गहन विशेषज्ञता के लिए जाने जाते हैं। इस व्याख्यान में वे छात्रों को वित्तीय क्षेत्र में उपलब्ध करियर संभावनाओं, आवश्यक कौशल, वैश्विक रुझानों और पेशेवर चुनौतियों के बारे में सम्यक् जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। कार्यक्रम का संचालन कॉलेज की प्राचार्या प्रो. कनक लता कुमारी के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह व्याख्यान वाणिज्य, अर्थशास्त्र तथा संबंधित विषयों के स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। साथ ही यह उन पेशेवरों के लिए भी प्रेरणादायक रहेगा जो अंतरराष्ट्रीय वित्तीय क्षेत्र में करियर की संभावनाएं तलाश रहे हैं। कॉलेज के इस प्रयास का उद्देश्य अपने छात्र समुदाय को वैश्विक , शैक्षणिक संवर्धन एवं कैरियर उन्मुख मार्गदर्शन प्रदान करना है।

विश्व कल्याण के लिए थे स्वामी करपात्री जी महाराज

आरा। आरा महान संन्यासी, दार्शनिक और वैदिक परंपरा के प्रवर्तक धर्मसम्राट् स्वामी करपात्री जी महाराज की 118वीं जयंती पर श्री सनातन शक्तिपीठ संस्थानम् द्वारा विशेष आयोजन किए गए। फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित कार्यालय में पूजन-अर्चन तथा टीचर्स कॉलोनी, कतीरा स्थित श्रीमद्भागवत कथा स्थल पर संगोष्ठी हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष और स्वामी करपात्री जी के प्रशिष्य आचार्य डॉ भारतभूषण पांडेय ने की। उन्होंने कहा कि स्वामी करपात्री जी ने अपना जीवन प्राणी मात्र के उत्थान और विश्व कल्याण को समर्पित किया। वे केवल संत ही नहीं, बल्कि महान दार्शनिक और संगठक भी थे। स्वतंत्रता पूर्व काल में उन्होंने धर्मसंघ, यज्ञानुष्ठानों और सामाजिक आंदोलनों के माध्यम से राष्ट्र, धर्म और वैदिक संस्कृति को नई ऊर्जा दी। आचार्य पांडेय ने कहा कि एक समय उत्तर भारत में यज्ञ परंपरा लुप्तप्राय हो रही थी, लेकिन स्वामी करपात्री जी ने मुंबई, दिल्ली जैसे महानगरों में वैदिक यज्ञों का भव्य आयोजन कर देशवासियों को वैदिक दिव्यता से परिचित कराया। उन्होंने यह भी बताया कि महामना मदनमोहन मालवीय और महात्मा गांधी के रामराज्य के आदर्श भी पूज्य स्वामी जी से ही प्रेरित थे। 14 अगस्त 1947 को देश विभाजन के विरोध में वायसराय भवन के बाहर उनका प्रदर्शन इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय है। भारतीय मनीषा का मार्ग प्रशस्त स्वामी जी ने किया स्वामी जी द्वारा लिखित ग्रंथ रामराज्य और मार्क्सवाद को भारतीय दर्शन की विशेष उपलब्धि बताते हुए कहा कि इस ग्रंथ के माध्यम से स्वामी जी ने पाश्चात्य विचारधाराओं की सीमाओं को उजागर कर भारतीय मनीषा का मार्ग प्रशस्त किया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि प्रो. बलिराज ठाकुर थे।

बाढ़ पीड़ितों में चला रहे राहत अभियान

आरा| शाहपुर प्रखंड के जवईनियां और दामोदरपुर गांवों में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए 'टीम रविकांत पांडेय' लगातार पांच दिनों से सेवा कार्य में जुटी है। टीम का नेतृत्व पटना हाईकोर्ट के अधिवक्ता रविकांत पांडेय कर रहे हैं। यह भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख नेता क्षेत्रीय नेता भी हैं। उन्होंने बताया कि यह सेवा भाव अपने अधिवक्ता पिता नित्यानंद पांडेय से विरासत में मिला है। टीम के सदस्य बाढ़ पीड़ितों को खाद्य सामग्री, साबुन, माचिस, दवाइयां और अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं उपलब्ध करा रहे हैं। टीम के सदस्य धर्मवीर ने बताया कि पीड़ितों की मुस्कान ही हमारी ताकत है। राकेश मिश्रा ने कहा कि पीड़ितों की सेवा करना मानव धर्म है। राहत कार्य में राजेश यादव, राहुल मिश्रा, नंदकिशोर ओझा, सन्नी, अंकित सहित कई युवक सक्रिय हैं।

विश्व कल्याण के आधुनिक शिल्पी रहे हैं स्वामी करपात्री जी : डॉ भारतभूषण

आरा। महान संन्यासी, दार्शनिक और वैदिक परंपरा के प्रवर्तक धर्मसम्राट् स्वामी करपात्री जी महाराज की 118वीं जयंती पर श्री सनातन शक्तिपीठ संस्थानम् द्वारा विशेष आयोजन किए गए। फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित कार्यालय में पूजन-अर्चन तथा टीचर्स कॉलोनी, कतीरा स्थित श्रीमद्भागवत कथा स्थल पर संगोष्ठी हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष और स्वामी करपात्री जी के प्रशिष्य आचार्य डॉ भारतभूषण पांडेय ने की। उन्होंने कहा कि स्वामी करपात्री जी ने अपना जीवन प्राणी मात्र के उत्थान और विश्व कल्याण को समर्पित किया। वे केवल संत ही नहीं, बल्कि महान दार्शनिक और संगठक भी थे। स्वतंत्रता पूर्व काल में उन्होंने धर्मसंघ, यज्ञानुष्ठानों और सामाजिक आंदोलनों के माध्यम से राष्ट्र, धर्म और वैदिक संस्कृति को नई ऊर्जा दी। आचार्य पांडेय ने कहा कि एक समय उत्तर भारत में यज्ञ परंपरा लुप्तप्राय हो रही थी, लेकिन स्वामी करपात्री जी ने मुंबई, दिल्ली जैसे महानगरों में वैदिक यज्ञों का भव्य आयोजन कर देशवासियों को वैदिक दिव्यता से परिचित कराया। उन्होंने यह भी बताया कि महामना मदनमोहन मालवीय और महात्मा गांधी के रामराज्य के आदर्श भी पूज्य स्वामी जी से ही प्रेरित थे। 14 अगस्त 1947 को देश विभाजन के विरोध में वायसराय भवन के बाहर उनका प्रदर्शन इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय है। स्वामी जी द्वारा लिखित ग्रंथ रामराज्य और मार्क्सवाद को भारतीय दर्शन की विशेष उपलब्धि बताते हुए उन्होंने कहा कि इस ग्रंथ के माध्यम से स्वामी जी ने पाश्चात्य विचारधाराओं की सीमाओं को उजागर कर भारतीय मनीषा का मार्ग प्रशस्त किया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि प्रो. बलिराज ठाकुर ने कहा कि स्वामी करपात्री जी त्याग, तप और विद्वत्ता की प्रतिमूर्ति थे। कार्यक्रम का संचालन मधेश्वर नाथ पांडेय ने किया। स्वागत भाषण डॉ चक्रपाणि मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन सत्येन्द्र नारायण सिंह ने किया।

यूजीसी नेट परीक्षा में अस्मिता सफल

बक्सर| जननायक कर्पूरी ठाकुर विधि महाविद्यालय, बक्सर के संस्थापक व बक्सर सिविल कोर्ट के वरीय अधिवक्ता गणपति मंडल की दो पोतियां रिशिता और अस्मिता ने शिक्षा जगत की प्रतिष्ठित यूजीसी नेट परीक्षा 2025 में अच्छे स्कोर के साथ उत्तीर्ण होकर बक्सर जिले का नाम रौशन किया है। अस्मिता ने 75.25 परसेंटाइल के साथ नेट पीएचडी किया है, तो उसकी छोटी बहन रिशिता ने 99.23 परसेंटाइल के साथ जेआरएफ क्वालिफाई किया है। रिशिता ने पिछले वर्ष भी नेट क्वालीफाई किया था। दोनों बहने बक्सर के वुड स्टॉक की छात्रा रही है और पटना विश्वविद्यालय से एमए पॉलिटिकल साइंस से अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हैं।

पूजा-पाठ कर 80 साल पुराना घर गंगा को किया समर्पित

निज संवाददाता | आरा

भोजपुर का जवइनिया गांव, जहां गंगा तेजी से कटाव कर रही है। अब तक करीब 36 से ज्यादा घर नदी में बह चुके हैं। गांव में 2 कट्ठा में बना एक 2 मंजिल का मकान है। ये भी नदी में समाने वाला है। कुछ हिस्सा पानी में बह भी चुका है। मकान मालिक समझ गए कि अब मेरा घर नहीं बचेगा। घर पूरा नदी में समा जाए, इससे पहले मकान मालिक ने अपने घर को गंगा मइया को समर्पित कर दिया। पशुपति नाथ पांडे (80) ने कहा, 'मैं अपने घर के गंगा मइया को समर्पित इसलिए कर रहा क्योंकि माता से बढ़कर कोई नहीं होता। एक साड़ी के साथ मैंने अपने 80 साल पुराने घर को गंगा को सौंप दिया। घर को हाथ से जाता देख बहुत दुख हो रहा है। मेरे दर्द की अभी कोई सीमा नहीं है। मैंने माता से कह दिया कि मैं जीवन भर की कमाई तुम्हारे हवाले कर रहा हूं। अब घर धीरे-धीरे गंगा में समाहित हो जाएगा '

15 साल पहले 1 मंजिल का था घर, पाई-पाई जोड़ 2 मंजिल का बनाया: पशुपति नाथ पांडे बहोरनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत जवइनिया गांव निवासी हैं। खेतीबाड़ी करके घर बनाया था। 15 साल पहले 1 मंजिला घर तैयार हुआ था। जिसके बाद 5 साल पाई-पाई जोड़कर दूसरी मंजिल बनाई थी। पिछले 6 महीने से ये आरा में किराए के घर में रह हैं। 5 हजार रेंट देना पड़ता है। जब इन्हें पता चला कि गंगा का पानी घर तक पहुंच गया, तब इन्होंने फैसला लिया कि घर ये ऐसे ही बहने नहीं देंगे। पूजा-पाठ कर घर को गंगा मइया को समर्पित करना है। पशुपति गांव के सबसे वरिष्ठ और सम्मानित नागरिकों में गिने जाते हैं। ऐसी आपदा के समय भी वे काफी शांत नजर आएं। उनकी आंखों में आंसू थे, पर शिकायत नहीं। उन्होंने मान लिया कि घर गंगा मइया को हो गया।

घर से जुड़ी है सुख-दुख और कई यादें: पशुपति नाथ पांडेय का घर न केवल एक मकान था, बल्कि उनके जीवन का इतिहास भी उसमें बसता था। उसी आंगन में उन्होंने अपने बच्चों का लालन-पालन किया, जीवन के सुख-दुख के अनगिनत क्षण वहीं बीते थे। घर गंगा की धारा में बह रहा है, तो उन्होंने 'ईश्वरीय समर्पण' मानकर स्वीकार किया। पशुपति नाथ अपनी पत्नी लीलावती देवी 4 बेटे, तीन बहू और सात बच्चों के साथ गांव पर ही रहते थे। घर में 16 परिवार खुशी के साथ रहता था। घर के आंगन में पूजा-पाठ होता था। परिवार हंसता बोलता था, लेकिन आज वही घर गंगा में बह रहा है। अब पशुपति नाथ अपने 16 सदस्य परिवार के साथ आरा शहर के रामनगर मुहल्ले में किराए के मकान में रहने को मजबूर हैं।

घर में घूमकर बिताए गए लम्हों को याद कर मायूस हुए: घर को गंगा में समर्पित करने के बाद पशुपति नाथ कभी छत पर जा कर देखते, तो कभी सीढ़ियों के रास्ते पुराने लम्हों को याद कर रहे थे। छत पर टहलते हुए गंगा के विकराल रूप को देख रहे थे कि शायद अब भी गंगा मइया शांत हो जाए और घर ढहने से बच जाए ।

भोजपुर जिले में दुकानदार की लाठी-डंडे से पिटाई

निज संवाददाता | आरा

भोजपुर में बदमाशों ने घर से बुलाकर बगीचे में एक दुकानदार की लाठी-डंडे से पिटाई कर दी। अधमरा कर खेत में फेंक दिया। गंभीर हालत में परिजनों बिहियां पीएचसी में एडमिट कराया। जहां से डॉक्टरों ने आरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घायल की पहचान बक्सर जिले के परमानपुर निवासी रितेश कुमार(25) के तौर पर हुई है। समरदाह गांव में दुकान चलाता था। घटना बिहियां थाना क्षेत्र के समरदाह गांव की है।

घात लगाकर बदमाशों ने किया हमला: पीड़ित की बुआ पिंकी देवी ने बताया कि रितेश पिछले आठ साल से मेरे पास ही रह रहा है। पिछले दो-तीन दिनों से कुछ लोग उसे परेशान कर रहा था। गांव से बाहर बुला रहा था, लेकिन वो जा नहीं रहा था। शनिवार को युवकों ने फोन करके बगीचे में बुलाया। जहां पहले से घात लगाकर बैठे बदमाशों ने लाठी-डंडे से हमला कर दिया।

इमरजेंसी वार्ड में एडमिट: मारपीट का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। परिजनों के बयान के आधार पर पुलिस छानबीन में जुट गई है। आरोपियों की पहचान की कोशिश की जा रही है। सदर अस्पताल में ऑन ड्यूटी डॉक्टर ने बताया कि युवक के सिर, चेस्ट और हाथ में काफी चोटें आई हैं। इमरजेंसी वार्ड में इलाज चल रहा है। एक्सरे और सी.टी स्कैन किया गया है।

बक्सर जिले में दहेज-हत्या मामले में पति गिरफ्तार

निज संवाददाता | बक्सर

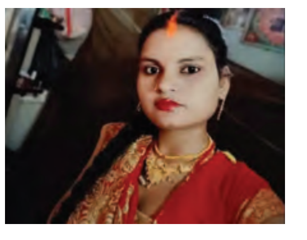

बक्सर के इटाढ़ी थाना क्षेत्र के बरहना गांव में नवविवाहिता शोभा देवी की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। मृतका के पति चंदन यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। मृतका के पिता पप्पू यादव ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाते हुए इटाढ़ी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। एफआईआर के अनुसार, शोभा की शादी दो साल पहले चंदन यादव से हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष उस पर दहेज के लिए दबाव बना रहा था। उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। शुक्रवार को शोभा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायके पक्ष का आरोप है कि यह हत्या है। उन्होंने कहा कि इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई। मामले में शोभा के ससुर गोरख यादव, देवर रंजन यादव, सास और ननद को नामजद किया गया है।

फरार आरोपी की तलाश जारी: इटाढ़ी थानाध्यक्ष सोनू कुमार ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। गांव और आसपास के संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। मृतका के परिजनों ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

केदारनाथ यात्रा के नाम पर 1.76 लाख की ठगी

निज संवाददाता | बक्सर

♦ पटना से अपराधी गिरफ्तार, फर्जी वेबसाइट बनाकर करवाते थे टिकट बुकिंग

बक्सर में केदारनाथ धाम और चार धाम यात्रा के नाम पर फर्जी वेबसाइट बनाकर टिकट बुकिंग के जरिए लाखों रुपए की ठगी करने वाले एक साइबर अपराधी को बक्सर साइबर थाना की पुलिस ने पटना से गिरफ्तार किया है। डीएसपी, साइबर थाना, अविनाश कुमार कश्यप ने शनिवार रात लगभग 9 बजे बताया कि चार धाम यात्रा के नाम पर बक्सर जिले के कई लोगों को ठगी का शिकार बनाया गया था। पीड़ितों से कुल 1.76 लाख रुपए वसूले गए थे। जब लोग यात्रा पर जाने की तैयारी कर रहे थे, तब उन्हें पता चला कि उनके टिकट फर्जी हैं। इसके बाद पीड़ितों ने बक्सर साइबर थाना में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने पर पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। जांच के दौरान जिस बैंक खाते में ठगी की राशि ट्रांसफर की गई थी, उसके आधार पर खाते के मालिक को ट्रैक किया गया। आरोपी की पहचान अमन कुमार (पिता – अरुण कुमार), ग्राम – मधुबन कॉलोनी, थाना – रामकृष्णा नगर, पटना के रूप में हुई है। अमन के खाते में करीब 93 हजार रुपए ट्रांसफर किए गए थे। शेष राशि अन्य बैंक खातों में भेजी गई थी। पुलिस अब बाकी खातों और ठगी में शामिल अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

कई राज्यों तक फैला नेटवर्क: डीएसपी ने बताया कि साइबर अपराधियों का यह नेटवर्क कई राज्यों तक फैला हो सकता है। अन्य सहयोगियों की पहचान कर जल्द कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान में पुलिस निरीक्षक विजय कुमार तिवारी और अवर निरीक्षक श्रीकांत की अहम भूमिका रही। उन्होंने तकनीकी विश्लेषण और बैंक ट्रांजैक्शन की मदद से आरोपी तक पहुंचने में योगदान दिया। यह साइबर ठगी तब उजागर हुई जब पीड़ित लोग यात्रा की तारीख करीब आने पर वास्तविक टिकट की पुष्टि कराने लगे। जांच में पता चला कि वेबसाइट पूरी तरह फर्जी थी और सभी बुकिंग धोखाधड़ी से की गई थीं।

भोजपुर में रुपए के लेनदेन में दोस्त को मारी गोली

♦ 2 लाख रुपए कर्ज दिए थे, पंचायती में पैसे के बदले घायल को जमीन मिली थी

निज संवाददाता | आरा

भोजपुर में शनिवार को रुपयों के विवाद में बदमाश ने एक शख्स को गोली मार दी। बुलेट बाएं हाथ में लगी, वो घायल हो गया। परिजन ने इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल पहुंचाया। घायल चांदी थाना क्षेत्र के रामनगर कुंजल टोला निवासी संतोष कुमार सिंह है। मुंबई में प्राइवेट कंपनी में काम करता है। घायल ने कहा कि 10 साल पहले गांव के ही अंगद उर्फ जदु को दोस्ती में 2 लाख रुपए कर्ज दिया था। 5 साल बीत जाने के बाद जब मैंने अपना पैसा मांगा तो उसने पैसा देने से इनकार कर दिया। पंचायती भी हुई थी और पंचायती में उसके 9 कट्ठा खेत को मुझे दे दिया गया था। कहा गया था कि जब अंगद उर्फ जदू पैसा दे देगा तो वो अपना खेत ले लेगा। पंचायती के एक साल बाद अंगद खेत जोतने लगा। शनिवार को मैंने मना किया तो अंगद ने गोली मार दी। घटना चांदी थाना क्षेत्र के रामनगर कुंजन टोला की है।

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है: सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में मौजूद ऑन ड्यूटी चिकित्सक ऑर्थो सर्जन डॉ.आनंद कुमार ने ऑपरेशन कर बुलेट को निकाल दिया है। मरीज की स्थिति स्टेबल है। चांदी थानाध्यक्ष ने बताया कि जख्मी संतोष कुमार सिंह ने एक साल पहले अंगद को 15 हजार रुपया कर्ज दिया गया था। शनिवार की दोपहर जब संतोष कुमार सिंह ने अंगद से 15 हजार रुपया बकाया मांगा तो उनके बीच झगड़ा हुआ। जिसके बाद अंगद ने उसे गोली मार दी। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापेमारी कर रही है।

रमना मैदान में जलपरी डिज्नीलैंड मेला लगा, बच्चों में दिखा उत्साह

आरा। रमना मैदान में शनिवार को जलपरी डिज्नीलैंड मेला का उद्घाटन बिहार विधान परिषद सदस्य भगवान सिंह कुशवाहा एवं आरा नगर निगम की मेयर इंदु देवी ने किया। इस अवसर पर मेले के आयोजकों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और आम लोगों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। मेले में कुल 22 प्रकार के आधुनिक झूलों की व्यवस्था की गई है, जिसमें सुनामी झूला, रशियन झूला समेत अन्य रोमांचक झूले लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। इस बार मेला का मुख्य आकर्षण जलपरी है, जिसे देखने के लिए बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह देखा गया। इसके अलावा, पान म्यूजिक धुआं जैसे मनोरंजक झांकी भी लोगों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। मेला परिसर में 45 स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें विभिन्न प्रकार के खान-पान, खेल-खिलौने, घरेलू सामान और मनोरंजन की चीजें उपलब्ध हैं।

भोजपुर में लूटपाट मामले में 2 अपराधी गिरफ्तार

निज संवाददाता | आरा

भोजपुर पुलिस ने पेट्रोल पंप से लूट मामले में 2 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान पीरो के लहराबाद निवासी अनिल यादव और अजय राज के तौर पर हुई है। लूट में इस्तेमाल बाइक, 2 मोबाइल और 1750 रुपए कैश बरामद हुआ है। अनिल यादव का लंबा क्रिमिनल रिकॉर्ड रहा है। आठ मामले दर्ज हैं। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी सूत्र के आधार पर गिरफ्तारी हुई है। 25 जुलाई को पीरो थाना क्षेत्र में इब्राहिमपुर चौक के पास पेट्रोल पंप पर बदमाशों ने गाड़ी में 1300 रुपए का पेट्रोल भरवाया। पैसा मांगने पर स्टाफ से मारपीट कर 8500 रुपए छीन लिया। मैनेजर नंद किशोर शर्मा ने अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

CCTV फुटेज से हुई पहचान: पीरो थानाध्यक्ष सुबोध कुमार के नेतृत्व में जांच के लिए टीम बनाया गया। गठित टीम ने सीसीटीवी फुटेज के जरिए बदमाशों को चिह्नित किया। इसके बाद दोनों को धर दबोचा। अनिल यादव ने अक्टूबर 2024 में चाकू से हमला कर एक शख्स को घायल कर दिया था। इस मामले में भी पुलिस उसे तलाश कर रही है। 2012 से ही पुलिस रिकॉर्ड में चार्जशीटेड रहा है।

रोटरी क्लब ने शहीदों को किया नमन

निज संवाददाता | बक्सर

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर रोटरी बक्सर के सदस्यों ने कवलदह पोखरा स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पगुच्छ अर्पित करते हुए शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा में रोटरी अध्यक्ष डॉ दिलशाद आलम ने कहा कि कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और वो सभी वीर आज भी अमर हैं। निर्मल कुमार सिंह ने कहा कि कारगिल विजय दिवस शहीदों को याद करने का दिन है। वही दीपक अग्रवाल ने कहा कि आज का दिन वीरों के पराक्रम की गाथा सुनाती है। शत शत नमन है। कार्यक्रम में रोटरी सचिव एसएम साहिल व राजेश केसरी ने कहा कि आज का दिन शहीदों को याद करने का दिन है। प्रोजेक्ट चेयर गोपाल केशरी, दीपक अग्रवाल, सुनील कुमार, परशुराम वर्मा, मनोज वर्मा, मंजेश केशरी, रामाशंकर सिंह, अनिल केशरी, शिवाधर तिवारी, प्रभुनाथ प्रसाद, रोट्रैक्ट से सोनू वर्मा, सुजीत गुप्ता, प्रिंस जयसवाल, राज गुप्ता, रोटरी मित्र मुमताज हुसैन, अरविंद वर्मा और मनीष उपाध्याय उपस्थित थे। कवलदह पार्क परिसर पौधरोपण भी किया गया।

राजू हत्याकांड में तीन आरोपी गिरफ्तार

निज संवाददाता | बक्सर

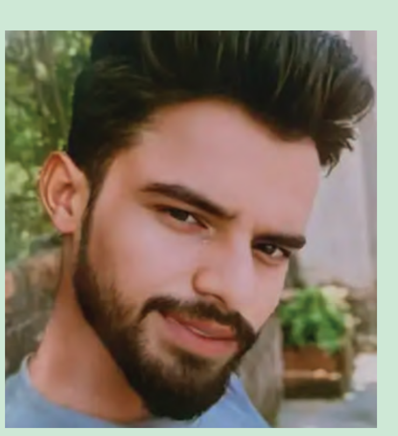

♦ बक्सर में हथियार की तलाश जारी, सड़क जाम करने पर 1000 अज्ञात लोगों पर एफआईआर

बक्सर के नई बाजार स्थित मठिया मोड़ पर 24 जुलाई की रात एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मृतक की पहचान राजू कुमार के रूप में हुई थी। मामले में पुलिस की कार्रवाई जारी है। नगर थाना पुलिस ने मृतक के पिता बीरबल यादव के आवेदन पर 14 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इसमें चार नामजद और दस अज्ञात शामिल हैं। अब तक तीन आरोपियों – राहुल कुमार, गुड्डु कुमार और पिंटू कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। एक नाबालिग को बाल सुधार गृह भेजा गया है। हत्या में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

पार्टी के दौरान पिस्टल से चली थी गोली: जांच में पता चला है कि राजू यादव अपने दोस्तों के साथ पार्टी कर रहा था। इसी दौरान गुड्डू कुमार की पिस्टल लेकर राहुल कुमार लहराने लगा। पिस्टल के ट्रिगर दबने से गोली चल गई। गोली सीधे राजू को लगी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए। लेकिन मुख्य आरोपी बाद में स्वयं थाना पहुंचा और पुलिस को घटना की जानकारी दी। जिसके बाद पुलिस ने राजू को अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हत्या की जानकारी मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। 25 जुलाई की सुबह उन्होंने मठिया मोड़ पर चौसा-बक्सर स्टेट हाइवे को बांस और लकड़ियों से जाम कर दिया। जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। कई स्कूल बसें भी फंस गईं। इस जाम और उपद्रव को लेकर बक्सर सदर सीओ प्रशांत शांडिल्य ने नगर थाना में 1000 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। आवेदन में बताया गया कि पुलिस और प्रशासन के समझाने के बावजूद लोग मानने को तैयार नहीं थे और उपद्रव करने लगे।

हत्या और सड़क जाम मामले FIR: नगर अपर थानाध्यक्ष रमण रावत ने बताया कि हत्या और जाम, दोनों मामलों में अलग-अलग एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। हथियार बरामदगी और घटना में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

अटल मोहल्ला क्लीनिक का नाम बदलने पर भाजपाइयों का फूटा गुस्सा

धनबाद, एजेंसी। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर स्थापित अटल मुहल्ला क्लीनिक का नाम हेमंत सोरेन सरकार द्वारा बदले जाने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को जोरदार प्रदर्शन किया। शहर के कंबाइंड बिल्डिंग चौक से रणधीर वर्मा चौक तक आक्रोश मार्च निकाला गया। इसके अंत में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन कर सरकार के निर्णय का तीव्र विरोध किया। पूरे मार्च के दौरान भाजपा कार्यकर्ता 'हेमंत सोरेन मुर्दाबाद', 'अटल जी का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान', और 'अटल बिहारी वाजपेयी अमर रहें' जैसे नारे लगाते हुए चल रहे थे। विरोध मार्च का नेतृत्व करते हुए तथा आयोजित सभा को संबोधित करते हुए धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि हेमंत सरकार का यह निर्णय राजनीतिक संकीर्णता और जन भावनाओं के प्रति असंवेदनशीलता का प्रतीक है। यह न सिर्फ अटल जी का अपमान है, बल्कि झारखंड की जनता की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कदम है। हम सरकार से मांग करते हैं कि अटल मोहल्ला क्लीनिक का नाम पुन: बहाल किया जाये। उन्होंने कहा कि झारखंड को अलग राज्य का दर्जा देने वाले अटल जी जैसे महान नेता के नाम को मिटाने का प्रयास, महज मिशनरियों के वोट बैंक के लिए किया जा रहा एक षड्यंत्र है। इसे भाजपा बर्दाश्त नहीं करेगी। विरोध प्रदर्शन में जिला उपाध्यक्ष बीरेंद्र हांसदा, जिला मंत्री नरेंद्र त्रिवेदी, मुकेश पांडेय, रीता प्रसाद, पंकज सिन्हा, पुरुषोत्तम रंजन, किशोर मंडल, राजाराम दत्ता, संजय कुशवाहा, सन्नी रवानी, निर्मल प्रधान, मौसम सिंह, जगबंधु मंडल, शंभु सिंह, उमेश सिंह, अरुण सिंह, मनोज सिंह भवानी, बेबी यादव, चनेश्वर यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए।

हाईकोर्ट ने आईएएस विनय चौबे के मामले में एसीबी से मांगा जवाब

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को शराब घोटाले के आरोपी आईएएस विनय चौबे की याचिका पर सुनवाई हुई। जस्टिस एसके द्विवेदी की अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए एसीबी को पूरक शपथपत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान एसीबी की ओर से पूर्व में दाखिल जवाब को वापस लेने के लिए हस्तक्षेप याचिका दाखिल की गई, लेकिन अदालत ने इसे खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि यदि एसीबी के पास कोई अतिरिक्त जानकारी है तो वह 30 जुलाई तक पूरक शपथ पत्र दाखिल करे। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई एक अगस्त को निर्धारित की है। दरअसल, शराब घोटाला मामले में जेल में बंद आईएएस विनय चौबे ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। इसमें उन्होंने खुद को निर्दोष बताते हुए एसीबी की कार्रवाई को गलत बताया है। सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता देवेश आजमानी ने अदालत को बताया कि प्रार्थी की गिरफ्तारी से पहले जो प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए थी, एसीबी ने उसका पालन नहीं किया। आरोपी को गिरफ्तारी से पहले कारण बताना होता है, लेकिन एसीबी ने ऐसा नहीं किया। उनकी गिरफ्तारी में सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का भी पालन नहीं किया गया। इसलिए गिरफ्तारी को रद्द करने का निर्देश दिया जाए। एसीबी की ओर से इसका विरोध किया गया। मालूम हो कि छत्तीसगढ़ में शराब घोटाला मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद रांची एसीबी ने वर्ष 2024 में प्रारंभिक जांच की थी। इस मामले में विनय चौबे सहित अन्य पर आरोप सही पाए जाने के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई। 20 मई को एसीबी ने विनय चौबे और तत्कालीन संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र सिंह को पूछताछ के लिए बुलाया था। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इसके खिलाफ चौबे ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है।

पावर हाउस से स्क्रैप चोरी करने वाले चोर गिरोह का खुलासा, आठ अपराधी गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। शहर के पावर हाउस में स्क्रैप की चोरी करने वाले एक बड़े गिरोह का रांची पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में चोर गिरोह के आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास भारी मात्रा में बिजली विभाग से जुड़े स्क्रैप भी बरामद किए गए हैं। राजधानी रांची के कुछ इलाकों में संगठित तरीके से पावर हाउस में चोरी की वारदातों को अंजाम दिया जा रहा था। रांची के चुटिया थाना क्षेत्र स्थित पावर हाउस से भी चार जुलाई को चोरी की बड़ी घटना हुई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीआईजी सह एसएसपी ने सिटी एसपी के नेतृत्व में एक टीम गठित कर चोर गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार करने का टास्क दिया था। गठित टीम ने तत्परतापूर्वक अनुसंधान करते हुए चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया और आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर कुल 40 बंडल स्क्रैप तार, घटना में प्रयुक्त स्कूटी और छह मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। डीआईजी सह रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि अनुसंधान के क्रम में यह बात प्रकाश में आई है कि स्थानीय तौर पर ये लोग संगठित गिरोह बनाकर चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे।

खूंटी में बारिश का कहर, दो नदियों पर बना डायवर्सन बहा, एक पुलिया भी टूटी, कई गांवों का आवागमन बाधित

खूंटी, एजेंसी। बारिश ने खूंटी जिले के लिए फिर मुसीबतें बढ़ा दी हैं। पिछली बारिश में पेलोल गांव में बनई नदी पर बना पुल बह गया था। इस बार नदी पर बना अस्थायी डायवर्सन भी शुक्रवार रात हुई बारिश में बह गया। इसके अलावा, खूंटी-सिमडेगा मुख्य मार्ग से डोड़मा गोविंदपुर मार्ग पर छाता नदी पर बना डायवर्सन इस बरसात में तीसरी बार बह गया। जबकि रनिया प्रखंड के खटखुरा पंचायत अंतर्गत जरागुट्ट गांव के पास बना एकमात्र पुलिया भी भारी बारिश के कारण दो टुकड़ों में टूट गया। इससे आसपास रहने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

बनई नदी पर बना डायवर्सन बहा : दरअसल, 19 जून को खूंटी-सिमडेगा मुख्य मार्ग पर पेलोल गांव के पास बनई नदी पर बना पुल भारी बारिश में टूट गया था। जिसके बाद श्रावणी मेले को देखते हुए आनन-फानन में डायवर्सन तैयार किया गया था। पुल टूटने के बाद स्थानीय नेताओं और अधिकारियों के निर्देश पर एसकेएस कंस्ट्रक्शन कंपनी ने स्कूली बच्चों, श्रद्धालुओं, किसानों और आम लोगों की सुविधा के लिए इस कच्चे डायवर्सन का निर्माण किया था, लेकिन उसके बाद हुई पहली भारी बारिश में यह भी बह गया।

भाजपा नेता मनोज कुमार ने बताया कि शुक्रवार की रात हुई बारिश के कारण अस्थायी डायवर्सन भी अब उपयोग लायक नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि बारिश के बीच बनाया गया डायवर्सन बह गया और बरसात में स्थायी या स्थायी डायवर्सन बनाना संभव नहीं है।

छाता नदी पर बना डायवर्सन तीसरी बार बहा : इसके अलावा खूंटी सिमडेगा मुख्य मार्ग से डोड़मा गोविंदपुर सड़क पथ पर छाता नदी पर बना डायवर्सन इस बरसात में तीसरी बार बह गया। डोड़मा गोविंदपुर सड़क पथ पर बने डायवर्सन के टूटने से डोड़मा, जम्हार, गोविंदपुर रोड रेलवे स्टेशन और गोविंदपुर को जिले से जोड़ने वाला यह पथ अवरुद्ध होने से बड़ी आबादी प्रभावित हुई है। गौरलतब है कि लगभग दो दशक पहले बना यह पुल खूंटी और गुमला जिलों को जोड़ने वाला एकमात्र मार्ग है, जो रांची जिले के लापुंग से होकर गुजरता है। खूंटी को गुमला जिला मुख्यालय और लापुंग से जोड़ने वाले इस मार्ग से सौ से अधिक गाँव प्रभावित होंगे।

आपको बता दें कि पहली बार डायवर्सन 19 जून को टूटकर बह गया था, दूसरी बार 8 जुलाई को टूटा था। बार-बार डायवर्सन टूटने से लोग इसकी गुणवत्ता पर सवाल उठा रहे हैं। डायवर्सन टूटने से इस पर आवागमन अवरुद्ध हो गया है। लोगों, खासकर स्कूली छात्रों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई लोग जान जोखिम में डालकर मोटरसाइकिल और साइकिल को धक्का देकर डायवर्सन पार कर रहे हैं। चार पहिया वाहनों का आवागमन ठप हो गया है। लोगों को डोड़मा जाने के लिए वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे लोगों को आठ से दस किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है।

इस संबंध में पूछे जाने पर पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता रामेश्वर साह ने बताया कि अत्यधिक बारिश और पानी के तेज बहाव के कारण डायवर्सन टूटा है। अत्यधिक बारिश के कारण इस डायवर्सन से पांच से छह फीट ऊपर पानी बह रहा है, जिसके कारण डायवर्सन टूटा है। जलस्तर कम होने के बाद जल्द ही इसकी मरम्मत की जाएगी।

खूंटी, चाईबासा और सिमडेगा को जोड़ने वाली पुलिया टूटी

जिले के रनिया प्रखंड के खटखुरा पंचायत अंतर्गत जरागुट्ट गांव के पास बनी एकमात्र पुलिया भारी बारिश का कहर नहीं झेल सकी और ध्वस्त हो गई। यह पुलिया न सिर्फ खटखुरा पंचायत के लोगों के लिए जीवन रेखा थी, बल्कि रनिया प्रखंड मुख्यालय को पश्चिमी सिंहभूम जिले के दर्जनों गांवों से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण सड़क पर भी स्थित थी। इसके टूटने से खूंटी, चाईबासा और सिमडेगा का इस मार्ग से संपर्क टूट गया है।

पिछले कई दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने इलाके की जलनिकासी व्यवस्था को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया है। जरागुट्ट गांव के पास बना यह पुल पानी के तेज बहाव में बह गया, जिससे इस इलाके के करीब 30 गांवों का संपर्क पूरी तरह से टूट गया है। ग्रामीणों का कहना है कि इस पुलिया के ध्वस्त होने से न सिर्फ लोगों का दैनिक आवागमन ठप हो गया है, बल्कि बच्चों की पढ़ाई, मरीजों का अस्पताल पहुंचना और जरूरी सामानों की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है।

अंग विफलता पूरे परिवार को मानसिक व आर्थिक रूप से झकझोर देती है : डॉ. हीरेंद्र

रांची, एजेंसी। राज्य अंग व उत्तक प्रत्यारोपण संगठन झारखंड और रिम्स स्थित डायलिसिस केंद्र नेफ्रोप्लस ने अंगदान जागरूकता सत्र का आयोजन शनिवार को किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य डायलिसिस पर आश्रित मरीजों और उनके परिजनों को अंगदान के महत्व के प्रति जागरूक करना था। यह आयोजन अंगदान-जीवन संजीवनी अभियान' के अंतर्गत किया गया, जो कि वर्ष 2025-26 के दौरान एक वर्ष तक चलाया जाने वाला जनजागरूकता अभियान है।

कार्यक्रम चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डॉ. हीरेंद्र बिरुआ, नेफ्रोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. प्रज्ञापंत घोष और संगठन के नोडल पदाधिकारी डॉ. राजीव रंजन मौजूद थे। डॉ. हीरेंद्र बिरुआ ने कार्यक्रम में मौजूद मरीजों और उनके परिजनों से कहा कि अंग विफलता न केवल व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करती है, बल्कि पूरे परिवार को मानसिक, भावनात्मक और आर्थिक रूप से झकझोर देती है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी अंगदान को समर्थन दें और समाज में इसके महत्व को दूसरों तक पहुंचाएं।

डॉ. प्रज्ञापंत ने किडनी ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया और यह किन मरीजों के लिए जरूरी है, इस पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समय पर ट्रांसप्लांट से न केवल मरीज का जीवन लंबा होता है, बल्कि जीवन की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। उन्होंने कहा कि डायलिसिस एक अस्थायी समाधान है, जो जीवन को बनाए रखता है, पर साथ ही उसे सीमित भी करता है। अंततः एक स्वस्थ, स्वतंत्र और बेहतर जीवन के लिए किडनी प्रत्यारोपण सबसे अच्छा समाधान है। डॉ. राजीव रंजन ने अंगदान की आवश्यकता व प्रक्रिया की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अंगदान के सामाजिक और आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित किया।

सहेली के घर से ही गायब कर दिया था 30 लाख का गहना, पति के साथ हुई गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। सीएमपीडीआई कर्मचारी रानी कुमारी के घर पर हुए चोरी का खुलासा हो गया है। चोरी का खुलासा भी बेहद चौंकाने वाला है। रानी के यहां चोरी उनकी सबसे विश्वस्त सहेली ने ही की थी।रांची के सीएमपीडीआई में कार्यरत महिला क्लर्क रानी कुमारी के घर से 30 लाख रुपये से अधिक के आभूषण चोरी का रांची पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने रानी कुमारी की करीबी दोस्त कविता शर्मा को इस चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है। साथ ही उसके पति विकास बहादुर को भी गिरफ्तार किया गया है।

कविता ने चोरी के आभूषण अपने ही ऑफिस में छिपा कर रखे थे। जांच के दौरान पुलिस ने कविता के कार्यालय सीएमपीडीआई के फाइनेंस डिपार्टमेंट से 22 तोला सोना और हीरे के जेवरात बरामद किए हैं। आठ तोला सोना उसने अपने पति के पास हैदराबाद भेज दिया था, जिसे पति ने मुथूट फाइनेंस में गिरवी रखकर पांच लाख रुपये का लोन भी ले लिया। चोरी की आरोपी कविता शर्मा सीएमपीडीआई में चपरासी के पद पर कार्यरत है। जबकि उसका पति विकास बहादुर हैदराबाद के एक होटल में काम करता है। डीआईजी सह एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि इसी साल पांच मई को गोंदा थाना अतंर्गत कांके रोड स्थित सीएमपीडीआई कॉलोनी में चोरी की घटना हुई थी। इस संदर्भ में पीड़ित रानी कुमारी ने रांची के गोंदा थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। आवेदन के आधार पर अज्ञात के विरुद्ध करीब 298 ग्राम सोने के गहने चोरी किये जाने के आरोप में गोंदा थाना कांड सं0 58/25, धारा 331(4)/305 दर्ज किय गया था। इस कांड के उद्भेदन हेतु पुलिस उपाधीक्षक सदर रांची के दिशा निर्देश पर पु0नि0 सह थाना प्रभारी गोंदा के नेतृत्व में गठित टीम के द्वारा कांड का उद्भेदन किया गया है।

एसएसपी ने बताया कि अनुसंधान के क्रम में यह ज्ञात हुआ कि इस कांड मे चोरी किये गये गहनों को हैदराबाद के मुथुट फाईनेंस की शाखा में गिरवी रखकर करीब 5 लाख 43 हजार रुपये का लोन लिया गया है। जिसे अनुसंधान के क्रम में हैदराबाद से बरामद किया गया तथा विकास बहादुर की निशानदेही पर बाद में रांची मे पुनः छापेमारी के क्रम में पीड़ित की सहेली कविता शर्मा के द्वारा कांके रोड स्थित सीएमपीडीआई के कार्यालय के अलमारी से बरामद किया गया है। जिसे कविता शर्मा ने चोरी करने के बाद अपने कार्यालय के अलमारी में छिपाकर रख दिया था।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को मिली धमकी: 2 अलग-अलग नंबरों से 5 बार किया फोन

रांची, एजेंसी। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को एक बार फिर जान से मारने की धमकी गई है। अपराधियों ने दो अलग-अलग नंबरों से पांच बार फोन कर उन्हें मारने की धमकी दी। मंत्री की शिकायत के बाद दिल्ली और रांची पुलिस अपराधियों की पहचान में जुट गई है। संजय सेठ ने बताया कि करगिल दिवस पर भाग लेने वे शुक्रवार को द्रास गए थे। वहीं उनके नंबर पर फोन आया। पीए जीतेंद्र महतो के फोन उठाते ही उधर से जान से मारने की धमकी दी गई। इसके बाद दो अलग-अलग नंबरों से चार बार फिर फोन कर धमकाया।

फोन करने वाला बार-बार कह रहा था कि उन्होंने कई लोगों की हत्या की है। अब मंत्री की बारी है। संजय सेठ ने बताया कि उन्होंने तत्काल रांची और दिल्ली पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने उन्हें उन फोन नंबरों को सार्वजनिक न करने को कहा है। जांच में पुलिस को अब तक क्या मिला है, इसकी जानकारी उन्हें नहीं मिली है। पुलिस जांच कर रही है कि किसने और कहां से फोन कर उन्हें धमकी दी है। संजय सेठ ने कहा कि पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। वे अपना काम कर रहे हैं।केंद्रीय मंत्री के अतिरिक्त निजी सचिव जितेंद्र नाथ महतो ने शनिवार को दिल्ली में एफआईआर दर्ज कराई है।

उन्होंने कहा कि है कि केंद्रीय मंत्री के मोबाइल पर अज्ञात नंबर से कॉल आया, जिसमें उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। बाद में अपराधियों ने मैसेज भेजा, जिसमें लिखा था कि आप पर गोली चलेगी।शनिवार शाम दिल्ली पुलिस के वरीय अधिकारियों ने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात की और सारी स्थितियों की जानकारी ली। पुलिस अधिकारियों ने मंत्री के निजी सचिव से भी बात की। मंत्री ने बताया कि उन्होंने शुक्रवार को ही झारखंड के डीजीपी को बता दिया था। अपराधियों की मांग क्या है, वे क्यों धमकी दे रहे हैं, इस सवाल पर मंत्री ने कहा कि यह तो वे जानें।

संजय सेठ को पिछले साल दिसंबर में भी फोन पर धमकी मिली थी। फोन करने वालों ने उनसे 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगी थी। पैसे न देने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी थी। इस मामले में दिल्ली और रांची पुलिस ने टेक्निकल सेल की मदद से कांके के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। जांच में पता चला था कि आरोपी ने यह साजिश अपनी बेटी के प्रेमी को फंसाने के लिए रची थी। इसीलिए मंत्री को फोन पर धमकी दी थी। सात महीने में दूसरी बार धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं।

मदर टेरेसा के नाम पर मोहल्ला क्लीनिक का विरोध, कांग्रेस ने बताया क्यूं छटपटा रहा विपक्ष ?

रांची, एजेंसी। झारखंड में नेता प्रतिपक्ष रहे अमर बाउरी पर तंज कसते हुए प्रदेश कांग्रेस महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि करुणा और मानव सेवा की प्रतीक मदर टेरेसा के नाम पर अगर मोहल्ला क्लीनिक का नाम रखा गया है, तो भारतीय जनता पार्टी क्यों शोर मचा रही है।

मदर टेरेसा त्याग, तपस्या और संघर्ष की प्रतिमूर्ति हैं। उन्होंने अपना पूरा जीवन कुष्ठ रोगियों, अनाथों और बेसहारा लोगों की निस्वार्थ भाव से सेवा में लगा दिया। मदर टेरेसा को नोबेल शांति पुरस्कार और भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

ऐसे में उन पर धर्मांतरण का आरोप लगाकर भाजपा अपनी ओछी मानसिकता का परिचय दे रही है। सिन्हा ने कहा कि राज्य गठन के बाद से भाजपा सबसे लंबे समय तक सत्ता के शीर्ष पर रही है। अमर बाउरी बताएं कि उनके कार्यकाल में अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर एक भी योजना क्यों नहीं शुरू की गई। क्या वेंडर मार्केट का नाम स्वर्गीय अटल जी के नाम पर रखना अटल जी के प्रति सम्मान है, भाजपा बताए।

उन्होंने पूछा कि आज तक देश के प्रधानमंत्री ने देश में कितनी योजनाओं का नाम बदला है जो देश के पूर्व प्रधानमंत्रियों के नाम पर थीं।

इस देश के महापुरुषों के नाम पर बनी कई सड़कों के नाम बदले गए। यहां तक कि सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम पर राजनीति करने वाली भाजपा ने पटेल स्टेडियम का नाम बदलकर नरेंद्र मोदी स्टेडियम क्यों कर दिया? क्या सरदार पटेल का सम्मान भाजपा की नज़र में सिर्फ़ वोट बैंक के लिए है?

उन्होंने कहा कि अगर राज्य की जनता ने महागठबंधन को वोट देकर जिताया है, तो उन्हीं वोटों के ज़रिए उनके कुछ लोग विधायक बनकर सदन में भी पहुंचे हैं, तो कम से कम जनमत से मिले वोट का तो सम्मान करें। घुसपैठियों और धर्मांतरण के नाम पर कब तक अपनी राजनीतिक रोटियां सेकेंगे।

कांग्रेस के कार्यक्रम में उठा महिला आयोग को क्रियाशील बनाने का मुद्दा, मंत्री बोलीं- जल्द सीएम तक पहुंचेगी यह मांग

रांची, एजेंसी। झारखंड महिला कांग्रेस की ओर से शनिवार को रांची के प्रेस क्लब सभागार में संगठन सृजन कार्यक्रम सह सावन मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन सिंह के साथ-साथ मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस कोटे के मंत्री दीपिका पांडेय सिंह और शिल्पी नेहा तिर्की भी शामिल हुईं।

कार्यक्रम के बाद राज्य की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि आज महिला कांग्रेस की ओर से संगठन सृजन कार्यक्रम में राज्य महिला आयोग के वर्षों से क्रियाशील नहीं होने का भी मुद्दा उठा है। उन्होंने कहा कि जल्द वह अपने स्तर से महिला आयोग के अध्यक्ष पद को भरने और आयोग को क्रियाशील बनाने के लिए पहल करेंगी। वहीं, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि सावन का महीना महिलाओं के लिए बेहद खास होता है। आज महिला कांग्रेस की ओर से सभी को मेंहदी, हरी चूड़ियां मिली हैं। कार्यक्रम के दौरान दोनों मंत्रियों ने एक दूसरे और फिर प्रदेश अध्यक्ष की हाथों में मेंहदी लगाकर शुभ सावन महीने की शुभकामनाएं दी। कृषि मंत्री ने कहा कि जब भी आधी आबादी को सम्मान देने की बात होती है, कांग्रेस का नाम सबसे पहले लिया जाता है। कांग्रेस ने हमेशा से ही महिलाओं का सम्मान किया है। झारखंड में कांग्रेस कोटे के चार मंत्री पद में से दो महिला मंत्री का होना इसका सबसे बड़ा प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि जब महिलाएं पुरुषों से बराबरी की बात करती हैं। जब-जब पुरुषों के साथ कदम ताल करने का दंभ भरती है, तो उन्हें संगठन के मोर्चे पर भी अपनी ताकत का अहसास कराना होगा। राज्य में इस वक्त कांग्रेस का संगठन सृजन का कार्यक्रम चल रहा है। जब प्रदेश से लेकर ग्राम स्तर तक संगठन की मजबूती की कवायद चल रही है, तब महिलाओं को संगठन में अपनी भागीदारी बढ़ानी होगी।उन्होंने कहा कि महिलाओं की संगठन में भागीदारी से राजनीति में हिस्सेदारी भी बढ़ेगी। शिल्पी नेहा ने कहा कि समाज में महिलाओं के साथ हो रहे अन्याय, अत्याचार और दुर्व्यवहार के खिलाफ महिलाओं को ही आवाज बुलंद करनी होगी। एक महिला ही दूसरी महिला की ताकत है और हमें इस बात को समझना होगा। आज राज्य में महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए सरकार की कई योजनाएं चल रही है। महिला समूह को भूमि संरक्षण विभाग से ट्रैक्टर का वितरण किया जा रहा है। इसका लाभ लेने के लिए महिलाओं को आगे बढ़कर पहल करने की जरूरत है।

भाजपा में 30 प्रतिशत लोग हमारे, कोई आना चाहता है तो लिया जाएगा निर्णय- राजेश ठाकुर

पलामू, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी में 30 प्रतिशत लोग हमारे हैं, इनसे ही भारतीय जनता पार्टी का काम चल रहा है। कोई वापस आना चाहता है और कांग्रेस पार्टी से जुड़ना चाहता है तो कई बार पार्टी इस बारे में निर्णय लेगी। यह बात कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह नगर निकाय के प्रदेश पर्यवेक्षक राजेश ठाकुर ने पलामू में मीडिया से बातचीत करते हुए कही है।

दरअसल नगर निकाय चुनाव को लेकर राजेश ठाकुर पलामू में कांग्रेस पार्टी की कमेटी की समीक्षा के लिए जिला ईकाई के पार्टी नेताओं के साथ मिले और बैठक की। इसी दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव वर्ष के अंत तक होंगे। कांग्रेस पार्टी सभी निकायों में अपनी कमेटी बना रही है ताकि समर्थित प्रत्याशी को मदद पहुंचाया जा सके। मीडिया की तरफ से यह सवाल पूछा गया कि निकाय चुनाव के दौरान बौरो प्रत्याशी को कांग्रेस मदद करेगी क्या इसके जवाब में राजेश ठाकुर ने कहा कि यह सवाल भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से नहीं पूछा जा सकता है। वह सर्व सुलभ है इसलिए यह सवाल पूछा गया है, प्रधानमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से यह सवाल पूछा जाए तो क्या हो सकता है सबको पता है। भारतीय जनता पार्टी में 30 प्रतिशत उनके लोग।

प्रदेशभर में आरओ-एआरओ की परीक्षा संपन्न

2382 केंद्रों में सिर्फ एक पाली में कराया गया एग्जाम

लखनऊ , एजेंसी। यूपी के सभी जिलों में रविवार को आरओ-एआरओ परीक्षा एक साथ आयोजित की गई। यह पहली बार है कि यह परीक्षा सिर्फ एक पाली में कराई गई। हर परीक्षा केंद्र में केंद्र व्यवस्थापक के अलावा दो मजिस्ट्रेट तैनात किए गए। परीक्षा सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक चली। इसके लिए प्रदेश के सभी 75 जिलों में 2382 केंद्र बनाए गए थे।

परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे परीक्षार्थी: इससे पहले परीक्षार्थी तय समय पर परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे। 9.30 बजे की परीक्षा के लिए गेट से एंट्री 8.30 बजे से शुरू की गई। सभी केंद्रों पर फेस रिकग्नीशन, बायोमेट्रिक सत्यापन और कड़ी तलाशी के बाद ही परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया।

अमेठी में 5376 परीक्षार्थी देंगे परीक्षा: उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की समीक्षा अधिकारी (आरओ) और सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) परीक्षा रविवार सुबह से जिले के 13 केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हो गई है। एक पाली में हो रही इस परीक्षा के लिए अभ्यर्थी सुबह 8 बजे से ही केंद्रों पर जुटने लगे। सभी केंद्रों पर फेस रिकग्नीशन, बायोमेट्रिक सत्यापन और कड़ी तलाशी के बाद ही परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया जा रहा है।

जिले भर के 13 परीक्षा केंद्रों पर 5376 अभ्यर्थियों की बैठने की व्यवस्था की गई है। केंद्रों के बाहर महिला और पुरुष कांस्टेबलों की अलग-अलग टीमें तैनात हैं। परीक्षार्थियों के सामान के लिए काउंटर बनाए गए हैं और फोटोस्टेट की दुकानें बंद रखी गई हैं। प्रवेश से पहले सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में गहन तलाशी ली जा रही है।

डीआईओएस डॉ. राजेश कुमार द्विवेदी ने बताया कि सभी केंद्रों पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, प्रशिक्षित कक्ष निरीक्षक, पुलिस बल और मोबाइल सचल दल की तैनाती की गई है। हर गतिविधि पर जिला मुख्यालय स्थित मॉनिटरिंग सेल से लाइव नजर रखी जा रही है।

परीक्षार्थी भी पूरी सजगता के साथ केंद्रों पर पहुंचे। लाइन में लगे अभ्यर्थी हाथ में प्रवेश पत्र और आईडी लेकर शांतिपूर्वक प्रवेश की प्रक्रिया से गुजरते रहे। कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मोबाइल या ब्लूटूथ आदि केंद्र में नहीं ले जाने दिया जा रहा है।

बाराबंकी के 23 केंद्रों में हो रही है परीक्षा प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित आरओ-एआरओ (समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी) परीक्षा रविवार को जिले के 23 परीक्षा केंद्रों पर सकुशल प्रारंभ हुई। परीक्षा केंद्रों पर सुबह 8:00 बजे से परीक्षार्थियों का प्रवेश प्रारंभ हुआ, जिसमें बायोमेट्रिक फिंगरप्रिंट जांच के बाद ही उन्हें अंदर प्रवेश दिया गया।

शहर स्थित जीआईसी, जीजीआईसी समेत कुल 23 केंद्रों पर यह परीक्षा आयोजित की जा रही है। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर दो-दो मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल भी तैनात है, परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और सभी केंद्रों पर निगरानी रखी जा रही है।

लखनऊ के 129 केंद्रों पर हुई परीक्षा: उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) परीक्षा 2023 रविवार को आयोजित की जाएगी। परीक्षा सुबह 9:30 बजे से 12:30 बजे तक चलेगी। इससे पूर्व डीएम विशाख जी एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त बबलू कुमार ने शहर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों और चारबाग रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। बता दें कि 129 केंद्रों पर 61,512 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा।

निरीक्षण के दौरान अधिकारी बप्पा श्री नारायण वोकेशनल गर्ल्स इंटर कॉलेज, एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स पीजी कॉलेज और एमजी कॉन्वेंट स्कूल पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि प्रत्येक केंद्र पर करीब 480 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। डीएम ने केंद्रों पर स्थापित कंट्रोल रूम और सीसीटीवी कैमरों की जांच की और निगरानी एवं रिकॉर्डिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

डीएम ने चारबाग रेलवे स्टेशन पर बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों की सुविधा हेतु मोबाइल टॉयलेट, हेल्पडेस्क और भीड़ नियंत्रण की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि स्टेशन और बस अड्डों पर ट्रेनों की समय सारणी, परीक्षा केंद्रों की जानकारी और रैन बसेरों की लोकेशन स्पष्ट रूप से उपलब्ध कराई जाए। एआरएम रोडवेज को निर्देशित किया गया कि पीए सिस्टम के माध्यम से बसों की रूटवार जानकारी का नियमित अनाउंसमेंट कराया जाए। रैन बसेरों और शेल्टर होम का भी निरीक्षण किया। परीक्षा की तैयारियों के मद्देनजर मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने आयुक्त सभाकक्ष में डीएम, संयुक्त पुलिस आयुक्त बबलू कुमार समेत केंद्र व्यवस्थापकों व नोडल अफसरों संग बैठक की। उन्होंने कहा कि बस व रेलवे स्टेशनों पर हेल्प डेस्क बनाते हुए मेडिकल व एंबुलेंस की व्यवस्था की जाए।

सुल्तानपुर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हुई आरओ-एआरओ परीक्षा

जिले में रविवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आरओ-एआरओ (समीक्षा अधिकारी व सहायक समीक्षा अधिकारी) परीक्षा का आयोजन शुरू हुआ। सुबह 9 बजे से पहले ही 34 परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की लंबी कतारें लग गईं। अभ्यर्थी समय से पहले पहुंचकर अपनी बायोमेट्रिक जांच और सत्यापन प्रक्रिया में लगे रहे। परीक्षा में 15384 अभ्यर्थी हिस्सा ले रहे हैं। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। प्रत्येक केंद्र पर पुलिसकर्मी, महिला पुलिस, टीचिंग स्टाफ व मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई थी। गेट पर प्रवेश से पहले छात्रों की गहन तलाशी ली गई। किसी को भी केंद्र के भीतर मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच या किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ले जाने की अनुमति नहीं दी गई। परीक्षा केंद्रों के आसपास धारा 144 लागू रही। डीएम कुमार हर्ष व एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने कई केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और अधिकारियों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में परीक्षा कराई जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो सके। परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से चल रही है। जिला प्रशासन की निगरानी में आरओ-एआरओ परीक्षा को पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने की कोशिश की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

मोबाइल टार्च की रोशनी में इलाज, मरीजों को लगाए टांके

सीतापुर , एजेंसी। जिला अस्पताल में शनिवार को करीब एक घंटे तक बिजली सप्लाई बाधित रही। इस दौरान अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचे मरीजों को काफी परेशानी उठाना पड़ी। बत्ती न होने के कारण ओपीडी कक्ष में छाए अंधेरे के बीच चिकित्सकों ने मोबाइल फोन की टार्च जलाकर उसकी रोशनी में मरीजों का परीक्षण कर परचे पर दवा लिखी। इमरजेंसी में भी मोबाइल टार्च की रोशनी में मरीज को टांके लगाने पड़े।

अंधेरे के कारण दवा वितरण काउंटरों पर भी लोगों को खूब परेशानी उठाना पड़ी। जिला अस्पताल में इमरजेंसी सेवाओं के लिए लगा जनरेटर भी शनिवार को मौके पर दगा दे गया। अस्पताल की ओपीडी से लेकर पैथालॉजी तक में सुबह 11 बजे जब मरीजों की भीड़ जुटी थी, उसी दौरान अचानक बिजली गुल हो गई। इससे हर तरफ अंधेरा पसर गया।

सबसे अधिक दिक्कत वार्ड में भर्ती मरीजों को उठाना पड़ी। राहत के लिए कई मरीज वार्ड से बाहर निकल कर टहलते व पेड़ की छांव के नीचे बैठकर गर्मी से राहत लेते दिखे। सबसे ज्यादा परेशानी इमरजेंसी कक्ष में आए मरीज व चिकित्सकों को हुई। उन्हें मोबाइल टार्च की रोशनी में मरीजों को टांगे लगवाने पड़े। सीएमएस डॉ. इंदर सिंह ने बताया कि सप्लाई लाइन में आई फाल्ट के कारण बाधित हुई बिजली के कारण लोगों को परेशानी उठाना पड़ी।

बंद रेलवे क्रासिंग से परीक्षा छूटते देख छात्रा ने लगाई दौड़, एसओ ने सरकारी वाहन से पहुंचाया केंद्र

उन्नाव, एजेंसी। उन्नाव जिले के सफीपुर में लखनऊ निवासी मुरारी सिंह अपनी बेटी इशिका को आरओ-एआरओ परीक्षा दिलाने ओला बुक करके गूगल के सहारे हसनगंज पहुंच गए। वहां से परीक्षा केंद्र सफीपुर के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज होने की जानकारी हुई, तो आनन फानन गाड़ी उधर मोड़ दी। यहां पहुंचे तो रेलवे क्रासिंग बंद मिली।

परीक्षा शुरू होने में मात्र दो से तीन मिनट का समय देख और क्रासिंग से केंद्र की दूरी 500 मीटर होने की जानकारी मिलते ही छात्रा ने गाड़ी से उतरकर दौड़ना शुरू कर दिया। इसी दौरान केंद्र भ्रमण कर वापस लौट रहे क्रासिंग की दूसरी तरफ खड़े सफीपुर थाना प्रभारी एसएन त्रिपाठी ने छात्रा को दौड़ते देखा, तो तुरंत अपनी सरकारी गाड़ी मोड़ी और उसे केंद्र पहुंचाया और अंदर प्रवेश भी कराया। इस पर पिता ने राहत की सांस ली।

समाधान दिवस में 47 मामलों में से छह का हुआ निस्तारण

जौनपुर, एजेंसी। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान 47 शिकायतों में से छह का निस्तारण किया गया। तेजीबाजार : थानाध्यक्ष सत्येंद्र भाई पटेल की अध्यक्षता में थाना पर सात प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए लेकिन एक का भी मौके पर निस्तारण नहीं हुआ। बदलापुर : कोतवाली परिसर में अपराध निरीक्षक मुन्नाराम घुसिया की अध्यक्षता में कुल 11 जरूरतमंदों ने प्रार्थना पत्र दिया जिसमें मौके पर एक का निस्तारण किया गया। मड़ियाहूं : कोतवाली परिसर में प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह की अध्यक्षता में पांच प्रार्थना पत्रों में से एक का भी निस्तारण नहीं हुआ। शाहगंज : नायब तहसीलदार पीयूष सिंह की अध्यक्षता में आठ प्रार्थना पत्र में से एक का निस्तारण हुआ। सुजानगंज : सुजानगंज थाना परिसर में तहसीलदार रवि रंजन कश्यप, नायब तहसीलदार विवेक श्रीवास्तव की उपस्थिति में 16 प्रार्थना पत्र में चार का निपटारा हुआ।

आरोप, एडवांस रुपये लेने के बाद काम छोड़कर भागा ठेकेदार

उन्नाव, एजेंसी। निर्माणाधीन गंगाएक्सप्रेसवे में कार्यदायी संस्था के साथ जुड़े ठेकेदार ने एडवांस में 17 लाख से अधिक रुपये लेने के बाद काम छोड़कर भाग गया। निर्माण एजेंसी के कर्मचारी ने ठेकेदार पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। अमेठी जिले के अंग्रेसर त्रिसुंडी निवासी रणबहादुर सिंह ने थाने में तहरीर दी है कि वह वर्तमान समय में पटेल इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड कंपनी में सहायक संपर्क के पद पर कार्यरत है। कंपनी का कार्यालय कार्यालय रानीपुर ग्रंट गांव में बना है।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत, हत्या या आत्महत्या में उलझी पुलिस-परिजनों का ये आरोप

बस्ती , एजेंसी। हर्रैया थाना क्षेत्र लबदहा गांव की एक 25 वर्षीय नवविवाहिता महिला की रविवार को सुबह सात बजे संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। वहीं, सूचना पर पहुंची हर्रैया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर छानबीन करने में जुट गई। फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस महिला की हत्या व आत्महत्या को लेकर खुद ही उलझ गई है। हर्रैया थाना क्षेत्र के लबदहा गांव नवविवाहिता महिला नेहा पत्नी दीप चंद्र गुप्ता (25) वर्ष शनिवार की रात में पति पत्नी में आपसी विवाद हो गया। रात में ही महिला ने अपने पिता राम अवतार से विवाद की बात सुनाई, जिसपर पिता ने बेटी से सुबह घर आने का आश्वासन दिया था।

रविवार को सुबह महिला की घर पर संदिग्ध परिस्थितियों मौत हो गई। घटना सुन वहां ग्रामीणों की भारी भीड़ जुड़ गई। सूचना पर पहुंचे हर्रैया प्रभारी निरीक्षक तहसीलदार सिंह पुलिस टीम के साथ घटना की छानबीन में जुट गए। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पूरे मामले की गहनता से छानबीन कर रही है।

मृतका की मौत की सूचना पर मायके (महुआ लखनपुर) वाले भी भारी संख्या में मौके पर पहुंच गए। मृतका के ससुरालियों का कहना है कि नेहा ने छत की कुंडी में साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। जबकि मायके वालों ने उसकी लड़की को दहेज उत्पीड़न साथ हत्या करने का आरोप लगाया है, जिससे पुलिस हत्या व आत्महत्या को लेकर खुद उलझ गई है।

वहीं, गांव में मौत को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। महिला कि बीते वर्ष नवंबर को शादी हुई थी। पुलिस ने महिला पति व सास को हिरासत में ले लिया है। सीओ संजय सिंह ने घटनास्थल पहुंचे। घटना जानकारी लिया।

पिता ने रुपये नहीं भेजे तो..., धर्मातरण का घिनौना खेल

ऐसे उठाया मजबूरी का फायदा; युवतियों का दर्द

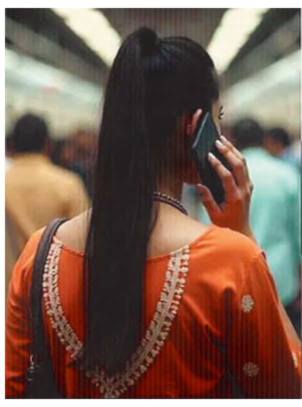

आगरा, एजेंसी। 16 से 25 साल की उम्र, आर्थिक रूप से कमजोरी, परिवार का साथ न मिलना और नौकरी की जरूरत...। अवैध कराने वाले गिरोह के निशाने पर जरूरतमंद से लेकर परेशान, उच्च शिक्षित से लेकर मजदूर वर्ग तक के लोग थे। उन्हें कहीं न कहीं मदद का भरोसा देकर जाल में फंसा लिया जाता था। फिर हिंदू धर्म के बारे में भड़काया जाता था।

पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने बताया कि गिरोह में छह लोग ऐसे हैं, जिन्होंने पूर्व में अपना धर्म परिवर्तन किया था। इसके बाद वह अन्य लोगों का भी धर्म परिवर्तन करा रहे थे। मुक्त कराई सात युवतियों से पुलिस ने पूछताछ की। एक युवती ऐसी थी, जिसने बताया कि वो पढ़ाई करने घर से बाहर गई थी। एग्जाम पास करने के बाद प्रवेश तो मिल गया, मगर अन्य खर्चों के लिए उसे रुपयों की जरूरत थी।

पिता के पास दो बीघा ही जमीन थी। इससे घर का खर्च मुश्किल से चल पाता था। बेटी की पढ़ाई के लिए वह पैसा नहीं भेज पा रहे थे। एक महीने के बाद उन्होंने खर्च के लिए रकम भेजना बंद कर दिया। इससे युवती को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। तभी वह गिरोह के संपर्क में आ गई। उसे मदद दी जाने लगी। इससे उसे उनके धर्म में विश्वास होने लगा। वह जाल में फंस गई। इसी तरह बरेली और देहरादून की युवतियां भी गिरोह के संपर्क में आई थीं।

इस तरह से ही गिरोह के निशाने पर कम उम्र के युवक-युवतियां रहते थे। जिनकी कोई न कोई मजबूरी होती। गिरोह के सक्रिय सदस्य इन लोगों को अपनी बातों में फंसा लेते। ग्रुपों में जोड़कर मुस्लिम धर्म का प्रचार करते। कश्मीर भी ले जाते। मजदूरी और सफाई कार्य से जुड़े लोग जल्दी उनकी बातों में आ जाते हैं। पैसा मिलने की वजह से आसानी से धर्म परिवर्तन कर लेते हैं। 16 साल की उम्र में जिन लोगों को फंसाया जाता है, उनके बालिग होने का इंतजार किया जाता है। इसके बाद ही घर छोड़ने के लिए बोला जाता है। इस बात की भनक उनके परिजन को भी नहीं लगने दी जाती, जिससे एक बार कोई घर छोड़ आए तो वापस नहीं जा सके। उनके परिजन उनको ढूंढ भी न सकें।

अब तक 14 आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने आयशा उर्फ एस.बी. कृष्णा (गोवा), शेखर रॉय उर्फ अली हसन (कोलकाता), ओसामा (कोलकाता), रहमान कुरैशी (आगरा), अब्बू तालीब (खालापार, मुजफ्फरनगर), अबुर रहमान (देहरादून), रित बानिक उर्फ इब्राहिम (कोलकाता), जुनैद कुरैशी (जयपुर), मुस्तफा उर्फ मनोज (दिल्ली), मोहम्मद अली (जयपुर), अब्दुल रहमान (मुस्तफाबाद, दिल्ली), जुनैद कुरैशी (दिल्ली), अब्दुल्ला और अब्दुल रहीम (मुस्तफाबाद, दिल्ली) को गिरफ्तार किया है। इनमें से 11 को 10 दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड पर लिया गया है। जुनैद कुरैशी, अब्दुल्ला और अब्दुल रहीम को जेल भेजा जा चुका है।

50 हजार के इनामी को पकड़ने के लिए घेराबंदी, दो असलहा तस्कर गिरफ्तार

जौनपुर, एजेंसी। नेवादा तिहरा हत्याकांड के 50 हजार के इनामी अरविंद नागर गोलू को पकड़ने के लिए एसटीएफ लखनऊ की टीम शुक्रवार की रात महराजगंज क्षेत्र में पहुंची। एसटीएफ लखनऊ व महराजगंज थाने की पुलिस ने डड़वा मोड़ के पास बाइक सवार को अरविंद नागर समझकर रोकने का प्रयास किया। बाइक पर सवार दोनों बदमाश भागने लगे, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर प्रमोद तिवारी निवासी उसरौली पठकौली प्रतापगढ़ और राघवेंद्र प्रताप सिंह निवासी ताला थाना कंधई प्रतापगढ़ को गिरफ्तार कर लिया। दोनों असलहा तस्कर हैं। थानाध्यक्ष महराजगंज अमित पांडेय ने बताया कि एसटीएफ लखनऊ की टीम अरविंद कुमार नागर उर्फ गोलू के संबंध में सूचना एकत्रित कर रही थी। सूचना मिली कि अरविंद कुमार नागर शुक्रवार की रात जौनपुर के थाना महाराजगंज क्षेत्र में है। एसटीएफ के उपनिरीक्षक अतुल चतुर्वेदी अपनी टीम के साथ महराजगंज थाना क्षेत्र में पहुंचे। इसके बाद महराजगंज थाने की पुलिस और एसटीएफ की टीम एबीएस पुलिस चौकी पहुंच गई। आस-पास के क्षेत्रों में तलाश शुरू हुई। टीम बदलापुर से महाराजगंज जाने वाले रास्ते पर डड़वा मोड़ पर पहुंची तो एक बाइक पर दो व्यक्ति बैठे थे। अचानक पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया गया। दोनों प्रतापगढ़ के रहने वाले हैं। प्रमोद पहले भी शस्त्र तस्करी में जा चुका है जेल-पूछताछ में दोनों ने बताया कि वह प्रतापगढ़ के राजाराम सरोज से 50 से 60 हजार रुपये में पिस्टल खरीदकर लाते हैं और इन्हें महंगे दामों पर बेचते हैं। प्रमोद तिवारी पहले भी शस्त्र तस्करी में जेल जा चुका है। यहां पर एक अपराधी ने पिस्टल खरीदने के लिए बुलाया था।

होटल से गिरफ्तार युवक-युवतियां भेजी गईं जेल

पुलिस ने खंगाले सीसीटीवी फुटेज

कुशीनगर। कसया थाना क्षेत्र के नगर पालिका कुशीनगर में हाईवे के किनारे संचालित पर्ल होटल व उत्सव मैरिज लान में देह व्यापार की सूचना पर पुलिस ने शुक्रवार को छापेमारी की थी। गिरफ्तार छह युवक और 10 युवतियों को पुलिस ने शनिवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया। इसमें देवरिया, कुशीनगर और गोरखपुर जिले के युवक शामिल हैं। इसके अलावा पुलिस ने होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को देखा और आने-जाने वालों के दर्ज नामों का रजिस्टर अपने कब्जे में लिया, अब इसके माध्यम से इस धंधे में लिप्त बाकी लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस ने मौके से दो कार और मोबाइल फोन बरामद किया है। कुशीनगर में हाईवे के किनारे संचालित होटल पर्ल और उत्सव मैरिज लान में देह व्यापार की सूचना उच्चाधिकारियों तक पहुंची थी। इससे जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसके बाद सक्रिय हुई पुलिस व प्रशासन ने संयुक्त रूप से उत्सव मैरिज लान और पर्ल होटल पर छापेमारी किया। दोनों जगह से दस युवतियों और छह युवकों को पकड़ा, जिन्हें अब जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार युवकों में श्याम वर्मा राधे राधे मैरिज हाल के सामने कस्बा सहजनवा गोरखपुर, अर्पित सिंह निवासी भैंसहा खास थाना कसया कुशीनगर, अमित सिंह निवासी बनियापार थाना मदनपुर जिला देवरिया, धीरज मद्धेशिया निवासी कस्बा हाटा वार्ड नंबर 21 थाना हाटा कुशीनगर, राजन कुमार यादव निवासी नरकटिया खुर्द थाना कसया, अनिल निवासी सबया थाना कसया शामिल हैं। एसपी संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि गिरफ्तार युवक, युवतियां देह व्यापार के धंधे में शामिल हैं। इसका साक्ष्य पुलिस को मिला है। होटल में आने-जाने वालों का रिकार्ड वहां से बरामद रजिस्टर से पुलिस पता कर रही है। इसके अलावा होटल व लान में लगे सीसीटीवी कैमरे का फुटेज भी पुलिस खंगाल रही है। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गोपालगंज का रहने वाला होटल संचालक नवीन सिंह सुविधाएं मुहैया कराने के लिए उनसे पैसे लेता था।

महायोजना 2031 मंजूर, हाईवे के दोनों ओर बनेगी हरित पट्टी

सीतापुर। शासन स्तर से महायोजना 2031 के प्रस्ताव को अनुमोदित कर मुहर लगा दी गई है। मंजूरी के बाद अब जिले में बसावट का स्वरूप महायोजना के पारित नक्शे के आधार पर तय होगा। इसके तहत सीतापुर को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों के दोनों ओर सड़क पर करीब तीस मीटर तक हरित पट्टी भी स्थापित होगी।

इससे हरित पट्टी के लिए आरक्षित भूखंडों पर काबिज उन अवैध कॉलोनाइजर्स को झटका लगेगा, जिन्होंने हाईवे के किनारे मानकों का उल्लंघन करते हुए अवैध बसावट की है। इन कॉलोनाइजर्स से प्लॉट खरीदने वालों को भी अब सतर्कता बरतना पड़ेगी। शासन की मंजूरी के बाद अब आम जनमानस को जागरूक करने के उद्देश्य से महायोजना 2031 का नक्शा सार्वजनिक स्थान पर प्रदर्शित किया जाएगा।

इसके लिए शासन स्तर से प्रमुख सचिव आवास व शहरी नियोजन पी गुरु प्रसाद ने जिलाधिकारी अभिषेक आनंद से पत्राचार भी किया है। अनुमोदित महायोजना की कॉपी व मानचित्र शासन स्तर से जल्दी मूलरूप से जिला प्रशासन को भेजा जाएगा। इसके बाद नक्शे का प्रदर्शन जनसामान्य के लिए विनियमित क्षेत्र कार्यालय के डिस्प्ले बोर्ड व वेबसाइट पर होगा। पुनरीक्षित महायोजना-2031 में शहर को हरा-भरा बनाने पर अधिक जोर दिया गया है। हाईवे पर हरियाली बढ़ाने के साथ ही नदियों के किनारे हाईटेंशन (एचटी) लाइन के नीचे की जमीन को हरित पट्टी के लिए आरक्षित किया गया है। इस जमीन पर किसी भी तरह का कोई निर्माण कार्य नहीं हो सकेगा। इससे शहर के मध्य से गुजरी सरायन नदी को भी जीवनदान मिल सकेगा। लेगा।

खैराबाद के आसपास हाईवे पर पहले से ही हरित पट्टी के लिए जमीन आरक्षित है। अनुमोदित महायोजना में कृषि कार्य, छोटे उद्योग, कार्यालय, पार्क, हरित पट्टी आदि के लिए जमीनों को आरक्षित किया गया है। महायोजना के प्रावधानों के तहत पहले से काबिज लोगों के अवैध कब्जों को ध्वस्त किया जाएगा। इसी तरह शाहजहांपुर मार्ग पर हरित पट्टी की जमीनें अतिक्रमणकारियों की जद में हैं। शहरी क्षेत्र में भी कांशीराम कॉलोनी के आस पास की हरित पट्टी भी अवैध कब्जे की चपेट में है। कई बार स्थानीय प्रशासन ने इन स्थानों पर अवैध रूप से बसे लोगों को नोटिस भी दिया है।

नाम डायमंड ब्यूटी काम गंदा: खास लोगों की शह पर चल रहा था देह व्यापार

गोरखपुर , एजेंसी। तहसील प्रशासन और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने शानिवार को कॉलेज तिराहे पर स्थित ग्रीन डायमंड ब्यूटी व स्पा सेंटर में छापा मारा। पुलिस ने मौके से पांच युवतियों और एक युवक को दबोच लिया। इस बीच स्पा सेंटर संचालक अपना मोबाइल छोड़कर मौके से भाग निकला। पुलिस और प्रशासन के अनुसार, स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार किया जा रहा था। टीम ने मोबाइल को कब्जे में लेने के साथ ही एसडीएम गोला की मौजूदगी में सेंटर को सील कर दिया है। सीओ गोला दरवेश कुमार ने बताया कि तहसील प्रशासन ने बड़हलगंज क्षेत्र में देह व्यापार की सूचना पर स्पा सेंटर पर छापेमारी की। एसडीएम अमित कुमार जायसवाल, नायब तहसीलदार जयप्रकाश कुमार, कोतवाली प्रभारी चंद्रभान सिंह पुलिस फोर्स के साथ कस्बा स्थित ग्रीन डायमंड ब्यूटी और स्पा सेंटर पहुंचे। पुलिस को देखते ही संचालक मोबाइल छोड़कर भाग निकला। हालांकि टीम ने मौके से पांच युवतियां और एक युवक को दबोच लिया। दो युवतियां कानपुर की बताई जा रही थीं। पुलिस ने संचालक का मोबाइल जब्त किया है। एसडीएम अमित जायसवाल ने बताया कि कुछ दिनों से स्पा सेंटर की आड़ में अनैतिक कार्य की जानकारी मिल रही थी। मौके पर स्पा सेंटर से संबंधित दस्तावेज न होने के चलते सेंटर को सील कर दिया गया है। पूछताछ में युवतियों ने बताया कि वे बालिग हैं और स्वेच्छा से स्पा सेंटर पर कार्यरत है।

छापा पड़ते ही कस्बे में संचालित स्पा सेंटरों में लगा ताला

स्थानीय लोगों के अनुसार बड़हलगंज में करीब पांच स्पा सेंटर संचालित होते हैं। ग्रीन डायमंड ब्यूटी व स्पा सेंटर में छापा पड़ने की सूचना उड़ते ही बाकी स्पा संचालक अपने सेंटर में ताला बंद कर भाग गए। पुलिस फरार संचालकों की कुंडली खंगालने के साथ ही आसपास के लोगों से पूछताछ करनी शुरू कर दी है।

दो दिन पहले एक स्पा सेंटर में हुआ था विवाद

स्थानीय लोगों के अनुसार दो दिन पहले ही कस्बे में स्थित दूसरे स्पा सेंटर में रुपये के लेनदेन में कस्टमर से विवाद हो गया था। मामला पुलिस तक न पहुंचे, इसके लिए आपस में सुलह भी कर ली गई। आए दिन हो रहे विवाद के चलते स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना तहसील प्रशासन को दी थी।

किसान ने नोएडा अथॉरिटी को लगाई मोटी चपत, फर्जीवाड़ा कर लिया 295 करोड़ रुपये मुआवजा

नोएडा , एजेंसी। नोएडा के सेक्टर-18 में बने डीएलएफ मॉल के लिए दी गई जमीन के मुआवजे के मामले में अब नया मोड़ आ गया है। एक किसान ने फर्जीवाड़ा कर नोएडा प्राधिकरण से 295 करोड़ रुपये मुआवजा ले लिया। इसका खुलासा होने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व के अपने आदेश को रद्द कर नए सिरे से जांच करने को कहा है। अब प्राधिकरण कोर्ट में जमा कराई मुआवजे की पूरी रकम वापस मांगेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने तीन साल पहले नोएडा प्राधिकरण को 1 लाख 10 हजार रुपये प्रतिवर्ग मीटर के हिसाब से बेंगलुरु के किसान रेड्डी विरेन्ना को मुआवजा देने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर नोएडा प्राधिकरण ने रेड्डी विरेन्ना से बातचीत कर मुआवजा राशि के रूप में 295 करोड़ रुपये देने पर सहमति बनाई। प्राधिकरण ने यह रकम सुप्रीम कोर्ट में जमा करा दी थी।

इसके बाद एक अन्य किसान विष्णु वर्धन ने भी इस जमीन को लेकर मुआवजा मांगा। इसके लिए प्राधिकरण और न्यायालय में अर्जी लगाई। उन्होंने दावा किया कि किसान रेड्डी विरेन्ना ने झूठे तथ्य प्रस्तुत कर अकेले मुआवजा राशि ले ली, जबकि इस जमीन में दो और साझेदार हैं। उसे और एक अन्य शख्स सुधाकर को मुआवजा न देकर गलत तरीके से बाहर कर दिया गया। सुनवाई में भी यह तथ्य साबित होने के बाद

23 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने अपने पूर्व में दिए आदेश को रद्द कर दिया।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में रेड्डी की संपत्ति भी अटैच करने का आदेश दिया गया है। अब इस मामले में न्यायालय में जमा रकम को वापस मांगा जाएगा। भविष्य में जो भी न्यायालय का निर्णय आएगा, उसी के तहत मुआवजा राशि दी जाएगी।

जिस जमीन पर डीएलएफ मॉल बना हुआ है, उसमें से काफी जमीन सेक्टर-44 स्थित छलेरा बांगर के एक किसान की हुआ करती थी। रेड्डी विरेन्ना ने 24 अप्रैल 1997 को 14358 वर्गमीटर जमीन एक करोड़ रुपये में किसान से खरीदी थी। यहां पहले ही प्राधिकरण ने काफी जमीन का अधिग्रहण कर लिया था। प्राधिकरण ने सिर्फ 7400 वर्गमीटर जमीन रेड्डी के नाम वापस की। प्राधिकरण ने सेक्टर-18 में व्यावसायिक भूखंड योजना निकाली और 54320 वर्ग मीटर जमीन बेच दी। इस योजना में रेड्डी की जमीन भी शामिल कर ली गई। पूरी जमीन प्राधिकरण ने डीएलएफ यूनिवर्सल लिमिटेड को 173 करोड़ रुपये में बेच दी। रेड्डी ने नोएडा प्राधिकरण और डीएलएफ कंपनी के खिलाफ याचिका दायर की। सुप्रीम कोर्ट में 295 करोड़ रुपये जमा कराने के बाद नोएडा प्राधिकरण ने इसमें से करीब 235 करोड़ रुपये की राशि देने के लिए उसी समय डीएलएफ मॉल प्रबंधन को नोटिस भेजा था। नोटिस मिलने के बाद मॉल प्रबंधन ने रुपये जमा कराने से मना कर दिया। प्राधिकरण ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की। यह मामला अभी कोर्ट में विचाराधीन है। बता दें कि वर्ष 1976 में नोएडा प्राधिकरण का गठन हुआ था। इस मामले को छोड़ दें तो अब तक सिर्फ एक किसान को इतना अधिक मुआवजा किसी को नहीं दिया गया।

किसान विष्णु वर्धन का कहना है कि दादरी तहसील के नायब तहसीलदार की लापरवाही के कारण उनका नाम खतौनी में दर्ज नहीं हुआ। इसके कारण वह मुआवजे से वंचित रह गए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर 100 करोड़ रुपये मुआवजे की मांग की है। उनका दावा है कि संबंधित जमीन का हिस्सा उनके पास भी था और उचित मुआवजा मिलना चाहिए। खास बात यह है कि इस बिंदु को प्राधिकरण ने सिविल कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भी उठाया था, लेकिन इस पर कोई निर्णय नहीं हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि धोखाधड़ी से प्राप्त कोई भी आदेश शून्य है। इसे चुनौती दी जा सकती है। भले ही यह सुप्रीम कोर्ट का आदेश क्यों न हो। जस्टिस सूर्यकांत, दीपांकर दत्ता और उज्जल भुयन की बेंच ने यह स्पष्ट किया कि न्याय और धोखाधड़ी साथ-साथ नहीं रह सकते। शीर्ष कोर्ट ने अपने आदेश को निरस्त करार दिया और मामले को दोबारा विचार के लिए भेज दिया। इसमें विष्णु वर्धन और सुधाकर को अतिरिक्त प्रतिवादी बनाया गया।

फर्जी राजदूत के खिलाफ इंटरपोल का ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी

गाजियाबाद एजेंसी। गाजियाबाद में कई स्वयंभू देशों के फर्जी दूतावास चलाने वाले हर्षवर्धन जैन के खिलाफ यूपी एसटीएफ ने इंटरपोल से ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी कराया है। इससे आरोपी हर्षवर्धन जैन के दूसरे देशों में किए गए अपराधों का रिकॉर्ड खंगाला जा सकेगा। साथ ही विदेश में चल रही जांचों के बारे में भी पता चलेगा।

एसटीएफ की नोएडा यूनिट के डिप्टी एसपी राजकुमार मिश्रा ने बताया कि आरोपी हर्षवर्धन जैन की यूके, मॉरिशस, कैमरून और यूएई में कई कंपनियों के बारे में जानकारी मिली है। इन कंपनियों के जरिये आरोपी ने अपने साथी अहसान अली सैयद के साथ मिलकर विदेशों में दलाली का धंधा किया।

अब ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी होने के बाद एसटीएफ आरोपी के विदेश के क्राइम रिकॉर्ड का पता करेगी, जिससे इस पूरे मामले का खुलासा हो सकेगा। एसटीएफ के अधिकारी का कहना है कि आरोपी हर्षवर्धन के साथी अहसान अली सैयद को 25 मिलियन पाउंड की दलाली के मामले में साढ़े छह साल की सजा हो चुकी है और स्विट्जरलैंड सरकार हर्षवर्धन की संलिप्तता की भी जांच कर रही है। आरोपी हर्षवर्धन जैन के पास से 12 डिप्लोमेटिक पासपोर्ट बरामद हुए हैं। आरोपी को पीसीआर पर लेकर इनके संबंध में भी पूछताछ की जाएगी। पूछा जाएगा कि उसने देश-विदेश के किन-किन लोगों के साथ ठगी की है। साथ ही आरोपी के बैंक खातों में अहसान अली सैयद द्वारा ट्रांसफर कराई गई 20 करोड़ रुपए की रकम के बारे में भी पूछताछ होगी।

एसटीएफ के डिप्टी एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी हर्षवर्धन जैन को पांच दिन पर कस्टडी रिमांड पर लेने के लिए शुक्रवार को अदालत में अर्जी दी गई थी। इस पर सोमवार को सुनवाई होगी। उम्मीद है कि अदालत आरोपी के खिलाफ रिमांड दे देगी। इसके बाद पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारी हाथ लगने की उम्मीद है। आरोपी के कई बैंक खाते मिले हैं। उसके विदेशी खातों का भी पता चला है। मामले में आरोपी के परिवारवालों से भी पूछताछ करने की तैयारी है। सूत्रों के अनुसार, पुलिस को कोई महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे हैं, जिनको आधार मानते हुए जांच आगे बढ़ाई जा रही।

धनखड़ के इस्तीफे ने बढ़ाई भाजपा की चिंता, लंबा खिंच सकता है राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव

नई दिल्ली , एजेंसी। देश की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर असमंजस की स्थिति में फंसती जा रही है। पहले उसके सामने पार्टी के सर्वोच्च पद के लिए अपने वैचारिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ सहमति बनाने की चुनौती थी। अब भाजपा को देश के नए उपराष्ट्रपति पद के लिए भी माथापच्ची करनी पड़ेगी। भाजपा अध्यक्ष का चुनाव और लंबा खिंच गया है। उपराष्ट्रपति के अचानक इस्तीफा देने से यह स्थिति पैदा हुई है। पार्टी का पूरा ध्यान अब नए उपराष्ट्रपति के चुनाव पर केंद्रित हो गया है और संगठन के चुनाव का मामला एक बार फिर ठंडा पड़ गया है। नए पार्टी अध्यक्ष को लेकर चर्चाएं फिर से बंद हो गई हैं और इसके चलते कई राज्यों के अध्यक्षों का मामला भी लटक गया है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि पार्टी के संगठन चुनाव अब कब पूरे होंगे, लेकिन फिलहाल मॉनसून सत्र में ऐसा होता नहीं दिख रहा है।

संक्षिप्त समाचार

चंबल के बीहड़ से आए जंगली जानवर की आगरा में दहशत, छह पशुओं को बनाया शिकार

आगरा, एजेंसी। यूपी के आगरा में जंगली जानवर की दहशत फैल गई है। थाना पिनाहट क्षेत्र के अंतर्गत चंबल के बीहड़ के गांव क्योरी बीच का पुरा में जंगली जानवर ने छह पशुओं को अपना शिकार बना लिया। उसके हमले में छह पशु घायल भी हुए हैं। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। ड्रोन की सहायता से जंगली जानवर का पता लगाने में जुटी हुई है। इधर जंगली जानवर के आतंक से ग्रामीण दहशत में है। वे रात-रात भर जागकर लाठी डंडों के सहारे अपने पशुओं की रखवाली करने में जुटे हुए हैं। जानकारी के अनुसार पिनाहट क्षेत्र के अंतर्गत गांव क्योरी बीच का पुरा में शुक्रवार रात को जंगली जानवर गांव में घुस आया। उसने ग्रामीण भोलाराम, मूलचंद व राजेंद्र की एक-एक बकरी, दयाशंकर व लालुक राम का बकरा, सकटू सिंह की भैंस के बच्चे को घायल कर दिया। ग्रामीण रौदास सिंह और शेर सिंह की बकरियां गंभीर रूप से घायल है। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी तत्काल वन विभाग को दी। रेंजर बाह कुलदीप सहाय व वार्डन केसी शेखर वन विभाग की टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। ड्रोन की सहायता से जंगली जानवर का पता लगाने का प्रयास किया। सूचना पर लेखपाल गजेंद्र सिंह राणा और रोजगार सेवक दिनेश कुमार आदि मौके पर पहुंच गए। रेंजर बाह कुलदीप सहाय का कहना है कि ग्रामीणों की सूचना पर गांव में पहुंचे थे। जंगली जानवर के पद चिह्न पाए गए हैं। ग्रामीणों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। ड्रोन की सहायता से चंबल के बीहड में जंगली जानवर को खोजा जा रहा है। लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है तो जंगल में जो जंगली जानवर कौन है।

इसरो-नासा के निसार मिशन की उल्टी गिनती शुरू, इसरो प्रमुख बोले- पूरी दुनिया को होगा लाभ

तिरुचिरापल्ली, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने शनिवार को कहा कि इसरो और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के संयुक्त मिशन, नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) से पूरी दुनिया को काफी लाभ होगा। निसार को 30 जुलाई बुधवार को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लांच किया जाएगा। इसरो का जीएसएलवी-एफ16 राकेट निसार को 743 किलोमीटर की सूर्य-तुल्यकालिक कक्षा में स्थापित करेगा। यह मिशन, दोनों अंतरिक्ष एजेंसियों के बीच एक दशक से अधिक समय के तकनीकी सहयोग का परिणाम है। इस मिशन से भारत पृथ्वी की बेहतर निगरानी कर सकेगा। नारायणन ने कहा, निसार का प्रक्षेपण हमारे जीएसएलवी-एमकेढ्ढढ्ढ राकेट से किया जाएगा। पेलोड का निर्माण इसरो और जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (जेपीएल), अमेरिका द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है। यह उपग्रह पृथ्वी अवलोकन और आपदा प्रबंधन के क्षेत्रों में वैश्विक समुदाय के लिए उपयोगी साबित होगा। यह मिशन बहुत महत्वपूर्ण है। इसरो के अनुसार, इस मिशन में कई नई खूबियां हैं। निसार दोहरे बैंड वाला पहला रडार सेटेलाइट है। पहली बार जीएसएलवी राकेट सेटेलाइट को सूर्य-तुल्यकालिक कक्षा में स्थापित करने के लिए ले जाएगा। निसार दुनिया में अपनी तरह का पहला उपग्रह है जो प्रत्येक 12 दिनों पर सभी मौसम, दिन और रात समूची पृथ्वी को स्कैन करेगा। यह एक सेंटीमीटर स्तर तक की सटीक फोटो खींचने व प्रसारित करने में सक्षम है। इससे विज्ञानियों को पृथ्वी की भूमि और बर्फ की सतहों की व्यापक निगरानी करने में मदद मिलेगी।

बेटी की लाश से 1 लाख रुपये के गहने चोरी, बेंगलुरु भगदड़ की पीड़िता की मां का आरोप

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु भगदड़ में जान गंवाने वाली किशोरी की मां ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि 4 जून को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई त्रासदी के समय उनकी बेटी से गहने पहने थे, जिनकी कीमत एक लाख रुपये थी। मगर, जब उसका शव परिवार को सौंपा गया तो गहने गायब थे। 13 साल की दिव्यांशी कक्षा 9 की छात्रा थी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल खिताब जीतने के उत्सव के दौरान भगदड़ में वह अपनी जान गंवा बैठी। 11 पीड़ितों में वह सबसे कम उम्र की थी।

दिव्यांशी की 35 वर्षीय मां अश्विनी शिवकुमार ने गहने गायब होने की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई है। एफआईआर में कहा गया कि 4 जून की शाम को बोवरिंग अस्पताल लेकर जाते समय उसके शव पर सोने की बालियां और चेन मौजूद थीं। परिवार को शुरू में गहनों के गायब होने का पता नहीं चला। कुछ समय बाद उन्हें इसकी जानकारी हुई। आरोप है कि एक लाख रुपये की कीमत के गहने उस मुर्दाघर से चोरी हुए, जहां शव रखा गया था। येलहंका की निवासी मृतका की मां ने अपनी शिकायत में कहा, इन गहनों से बहुत भावनात्मक लगाव है, क्योंकि ये मेरी बेटी ने अपने अंतिम क्षणों में पहने थे। उन्होंने इस मामले की जांच की मांग की है। 4 जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की पहली आईपीएल ट्रॉफी जीत का उत्सव आयोजित हुआ। इस दौरान मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई।

अरबों की जिस जमीन को बताया था मस्जिद की, वह नगर निगम की निकली

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में अरबों रुपए की बेशकीमती जमीन को छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड की संपत्ति बताने वाले दावे को रायपुर संभागायुक्त ने खारिज कर दिया है। सालों से छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड दावा कर रहा था कि नयापारा इलाके के खसरा नंबर 689 जिसका रकबा साढ़े चार एकड़ से ज्यादा है, यह जमीन नयापारा मस्जिद की है। इस जमीन को फजले करीम का बाड़ा कहा जाता रहा है। जांच के बाद जिला प्रशासन ने इस जमीन को रायपुर नगर निगम की बताया है। बता दें कि इस मामले में अपर कलेक्टर ने पहले ही जांच के बाद वक्फ बोर्ड के दावे को खारिज कर दिया था। केस हारने के बाद वक्फ बोर्ड ने संभागायुक्त के यहां अपील की थी। इस केस में दूसरा पक्ष रायपुर नगर निगम था। दस्तावेजों की जांच के बाद संभागायुक्त ने नगर

निगम रायपुर के पक्ष में फैसला सुना दिया। रायपुर संभागायुक्त द्वारा दावा खारिज करने से छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड को बड़ा झटका लगा है। वक्फ बोर्ड ने अपने दावे में मस्जिद के आसपास की जमीन, फजले करीम का बाड़ा समेत नवीन मार्केट नामक कॉम्प्लेक्स, डबरी स्कूल, मैदान, कन्या शाला, ऊर्दू स्कूल, प्राथमिक शाला, सामुदायिक शौचालय और उससे जुड़े मकान-दुकान, जमीन पर मकान और भवन, बिजली आफिस को अपनी संपत्ति बताया था। निगम की ओर इस मामले में साल 1920-21 और 1923-24 के दस्तावेज प्रस्तुत किए गए थे। सरकारी रिकॉर्ड में जमीन रायपुर नगर निगम कमेटी और पुलिस विभाग के नाम पर दर्ज है। दस्तावेजों की जांच के बाद निगम को जमीन का मालिक बताया गया। जिसके बाद अब यहां बनी दुकानों, मकानों और अन्य निर्माणों से नगर निगम राजस्व वसूल सकेगा और नया निर्माण भी कर सकेगा। फैसले के बाद अब तक छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। बता दें कि वक्फ संशोधन अधिनियम के लागू होने के बाद छत्तीसगढ़ में वक्फ संपत्तियों की जांच प्रक्रिया तेज हो गई है। बीते अप्रैल महीने में ही केंद्र सरकार की एक उच्च स्तरीय 10 सदस्यीय टीम दिल्ली से सीधे छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर पहुंची थी और वक्फ संपत्तियों का निरीक्षण शुरू किया किया था। यह टीम वक्फ अधिनियम में हाल ही में किए गए संशोधनों के अनुरूप संपत्तियों की स्थिति, उपयोग और उनके रख-रखाव का आकलन कर रही है। रायपुर में करोड़ों रुपए की संपत्ति पर वक्फ बोर्ड ने दावा भी ठोका है।

लाडकी बहिन योजना में 14 हजार पुरुषों को मिले 21 करोड़

मुंबई, एजेंसी। एनसीपी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि स्कीम के तहत लगभग 14,000 पुरुषों को लाभ मिला है। सुले ने इसकी सीबीआई जांच की मांग कर दी। वहीं, उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर ऐसे लाभार्थी पाए गए तो उनसे पैसा वसूला जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए सुप्रिया सुले ने कहा, अगस्त 2024 में शुरू की गई लाडकी बहिन योजना के लाभार्थियों की लिस्ट में करीब 14 हजार पुरुष पाए गए और उन्हें लगभग 21 करोड़ रुपये बांटे गए हैं।

पुणे में पत्रकारों से बातचीत के दौरान सुप्रिया सुले ने कहा, यह पता लगाया जाना चाहिए कि स्कीम का

लाभ लेने के लिए इन आदमियों के नाम किसने दर्ज कराए। उन्होंने कहा कि सरकार छोटे-छोटे आरोपों में भी सीबीआई या ईडी जांच शुरू कर देती है। अब उसे सीबीआई जांच की घोषणा करनी चाहिए ताकि यह पता लगे कि किस ठेकेदार ने इन पुरुषों का नामांकन किया। उन्होंने कहा कि राज्य में सत्ताधारी गठबंधन सरकार को इस पर जल्द से जल्द ऐक्शन लेना होगा।

अजीत पवार का क्या है जवाब

राज्य में वित्त पोर्टफोलियो संभालने वाले अजीत पवार ने कहा, किसी भी पुरुष को लाभार्थियों में शामिल करने का कोई कारण नहीं है। अगर ऐसे आदमी हैं तो हम उनकी ओर से अब तक प्राप्त राशि की वसूली करेंगे। यदि वे सहयोग नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि लाडकी बहिन योजना विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं के लिए है। योजना के लाभार्थियों की जांच के दौरान कुछ महिलाओं को नौकरी होने के बावजूद योजना के तहत पैसा मिलता पाया गया। उनके नाम हटा दिए गए हैं। महाराष्ट्र की महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने शनिवार रात अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट किया। इसमें बताया गया कि आईटी विभाग के डेटा के अनुसार, लाडकी बहिन योजना के 26.34 लाख लाभार्थी इसके लिए पात्र नहीं थे। कुछ मामलों में पुरुषों ने भी आवेदन किया था। इनके लाभ अस्थायी रूप से निलंबित कर दिए गए हैं। तटकरे ने कहा कि जिला कलेक्टरों की रिपोर्ट के आधार पर पात्र लोगों के लाभ फिर से शुरू किए जाएंगे।

गूगल मैप के सहारे कार से घूम रही थी महिला, गाड़ी समेत खाई में गिरी; पुलिस ने बचाई जान

मुंबई, एजेंसी। नवी मुंबई में एक महिला को गूगल मैप के सहारे घूमना महंगा पड़ गया। बेलापुर से उल्वे की तरफ आधी रात को जा रही महिला गाड़ी समेत खाई में गिर पड़ी। हालांकि थोड़ी देर बाद ही स्थानीय पुलिस और समुद्री सुरक्षा बलों ने सतर्कता दिखाते हुए तुरंत ही महिला की जान बचा ली। बाद में सुबह होने के बाद क्रेन के सहारे बाद में गाड़ी को निकाला गया। एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना शुक्रवार रात करीब 1 बजे हुई। महिला अपनी कार से उलवे की ओर जा रही थी। बेलापुर की तरफ पुल से जाने की बजाय उसने गूगल मैप्स के सहारे नीचे का रास्ता पकड़ लिया। वह तेजी के साथ सीधे ध्रुव तारा जेट्टी की खाई में गिर गई। बेलापुर के पुलिस अधिकारी नारायण पालमपल्ले ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत ही समुद्री सुरक्षा गार्डों के साथ पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची। इसके बाद उसे एक नाव की मदद से सुरक्षित बचाया गया। गूगल मैप्स के कारण लोगों के गलत जगह जाने और दुर्घटना होने का यह मामला नया नहीं है। इससे पहले भी गूगल मैप्स की वजह से कई दुर्घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में विरोध के बीच बड़ा बुलडोजर ऐक्शन, 4 घंटे में तोड़ डाला पूरा बाजार

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के हरित क्षेत्र में पांच साल से चल रहे अवैध बाजार पर शनिवार को प्राधिकरण की टीम ने विरोध के बीच बुलडोजर चलाया। चार घंटे तक चली कार्रवाई में करीब 24 दुकानें ध्वस्त कर दीं। हरित क्षेत्र की एक लाख वर्गमीटर जमीन अतिक्रमण से मुक्त कराई गई।

ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट को जोड़ने वाली 130 मीटर चौड़ी सड़क पर सेक्टर-2 और 3 के पास हरित क्षेत्र में अतिक्रमण कर कुछ लोगों ने मार्केट बना लिया। यह हरित क्षेत्र पतवाड़ी गांव के खसरा संख्या- 663, 668, 670, 725, 729, 730, 739, 740 और 741 आदि की जमीन पर स्थित है।

कुछ लोगों ने यहां पर अवैध रूप से ऑटोमोबाइल, एल्युमीनियम के सामान बनाने और पत्थर की दुकानें चला रहे थे। नोटिस के बाद भी दुकान नहीं हटाई गई। परियोजना विभाग के महाप्रबंधक एके सिंह के नेतृत्व में उद्यान विभाग और भूलेख विभाग की टीम शनिवार सुबह छह बजे मौके पर पहुंची।

अवैध निर्माण को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल की मौजूद होने की वजह से कोई विरोध करने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। सुरक्षा की दृष्टि से कार्रवाई के दौरान एडिशनल सीपी हृदेश कठेरिया, एसीपी वीर सिंह, एसीपी दीक्षा सिंह और एसीपी वर्णिका सिंह कोतवाली पुलिस व कमांडो मौजूद रहे। हरित क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है।

उत्तराखंड में यूसीसी का असर: विवाह पंजीकरण में आई तेजी, मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने सराहा

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के तहत विवाह पंजीकरण में लगातार वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि यूसीसी कानून न केवल समाज को कानूनी रूप से अधिक संगठित बनाता है, बल्कि महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और उनके हितों की रक्षा की दिशा में एक निर्णायक कदम भी है। उत्तराखंड सीएमओ की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यूसीसी के तहत प्रत्येक पंजीकरण राज्य के सामाजिक सशक्तिकरण का प्रतीक है।

27 जनवरी 2025 को उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू होने के बाद, विवाह पंजीकरण में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की

गई है। यूसीसी अधिनियम के तहत अब तक कुल 3,01,526 विवाह पंजीकृत किए जा चुके हैं। यह संख्या औसतन 1,634 विवाह पंजीकरण प्रतिदिन है, जो पिछली व्यवस्था से कई गुना अधिक है। उल्लेखनीय है कि यूसीसी लागू होने से पहले वर्ष 2010 से 26 जनवरी 2025 तक उत्तराखंड विवाह पंजीकरण अधिनियम 2010 के तहत कुल 3,30,064 विवाह पंजीकृत किए गए थे, जिनका औसत प्रतिदिन 67 था।

समान नागरिक संहिता लागू होने से विवाह पंजीकरण की प्रक्रिया और अधिक सरल, पारदर्शी एवं प्रभावी हो गई है। इसके फलस्वरूप विवाह पंजीकरण को लेकर नागरिकों में उत्साह देखा जा रहा है। नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार ने समान नागरिक संहिता के अंतर्गत विवाह पंजीकरण की समय-सीमा पूर्व निर्धारित 6 माह से बढ़ाकर 1 वर्ष कर दी है। इस संबंध में विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

मॉल में घुसा शख्स और लोगों पर चलाने लगा चाकू, अमेरिका में दिल दहलाने वाली घटना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन स्थित वॉलमार्ट मॉल में चौंकाने वाली घटना हुई है। यहां पर एक व्यक्ति ने चाकू मारकर 11 लोगों को घायल कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक इस घटना को 42 वर्षीय व्यक्ति ने अंजाम दिया। वह शाम करीब पौने पांच बजे मॉल में घुसा और अचानक से लोगों पर हमला करने लगा। सूचना मिलते ही पुलिस वहां पर पहुंची और संदिग्ध को दबोच लिया, लेकिन तब तक वह 11 लोगों पर हमले कर चुका था। घटना में छह लोग गंभीर रूप से घायल हैं। फिलहाल अमेरिकी पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। घटना के पीछे हमलावर का मकसद क्या था, यह अभी तक पता नहीं चला है। प्रत्यक्षदर्शियों ने घटना का जो विवरण दिया है वह काफी दिल दहलाने वाला है। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि एक व्यक्ति की तो आंखों में चाकू मार दिया गया। मॉल की कर्मचारी ताशा नाश ने चैनल2 को बताया कि वह चाकू के साथ अंदर आया। देखते ही देखते उसने छह लोगों को चाकू माना। मैंने देखा कि एक व्यक्ति की आंखों में चाकू घुसा हुआ था। वह लोगों पर हमले कर रहा था, तभी मॉल में मौजूद कुछ लोगों ने बहादुरी दिखाई। उन लोगों ने हमलावर को दबोच लिया और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस आई और उसे हिरासत में लिया। हालांकि अभी हमलावर का नाम सामने नहीं आया है। ट्रैवर्स सिटी से लगभग 25 मील दूर ऑनर में रहने वाली 36 वर्षीय टिफनी डेफेल ने बताया कि जब वह पार्किंग स्थल पर थीं तभी उन्होंने अपने आस-पास अफरा-तफरी मची देखी। उन्होंने कहा कि यह वाकई डरावना था। मैं और मेरी बहन बहुत घबरा गए थे। 'मुनसन हेल्थकेयर' ने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि उत्तरी मिशिगन स्थित इस अस्पताल में 11 लोगों का इलाज किया जा रहा है। अस्पताल की प्रवक्ता मेगन ब्राउन ने बताया कि सभी लोग चाकू लगने से घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार देर रात तक छह घायलों की हालत नाजुक थी और पांच की हालत गंभीर थी।

इस्राइल ने वरिष्ठ हिजबुल्ला कमांडर को मार गिराया

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइली रक्षा बल (आईडीएफ) ने बिंट जेबिल सेक्टर में हिजबुल्ला के वरिष्ठ कमांडर अली अब्द अल-कादर इस्माइल को मार गिराया। आईडीएफ ने कहा कि इस्राइल दक्षिणी लेबनान में आतंकवादी संगठन के पुनर्वास के प्रयासों में शामिल था। इस बीच इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने ड्रूज समुदाय के आध्यात्मिक नेता शेख मुआफाक तारिफ के घर का दौरा किया और सीरिया में अपने भाइयों की सहायता करने का संकल्प लिया। रक्षा मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, जुलिस गांव का दौरा करते हुए, काट्ज ने कहा कि सेना दक्षिणी सीरिया के ड्रूज समुदाय के लोगों को चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए काम करेगी। बता दें कि ड्रूज समुदाय पर इस महीने की शुरुआत में बेडौइन जनजातियों ने घातक हमले किए थे।

ड्रग तस्करी में 5 भारतीय गिरफ्तार, एक को लगी गोली

काठमांडू, एजेंसी। नारकोटिक ड्रग्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने पिछले 24 घंटों में नेपाल के विभिन्न हिस्सों से मादक पदार्थ रखने के आरोप में पांच भारतीयों को गिरफ्तार किया है। ब्राउन शुगर ले जा रहे एक तस्कर को पुलिस कार्रवाई के दौरान बाएं पैर में गोली लग गई। पुलिस ने भारत के बिहार राज्य के किशनगंज जिला निवासी 36 वर्षीय मोहम्मद इस्लाम को शनिवार सुबह पूर्वी नेपाल के झापा जिले के भद्रपुर में गोली मारी। नेपाल पुलिस के नारकोटिक ड्रग्स कंट्रोल ब्यूरो के प्रवक्ता जनक बहादुर शाही ने बताया कि इस्लाम के पास से 110 ग्राम ब्राउन शुगर मिली। उसका भद्रपुर के प्रांतीय अस्पताल में इलाज चल रहा है। एक अन्य घटना में भारत के पूर्वी चंपारण निवासी 37 वर्षीय सेख सबीलाक्षर को चितावन जिले के राशी में 671 किलोग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया। सुरक्षा जांच के दौरान उसके भारतीय पंजीकरण नंबर प्लेट वाले ट्रक के ड्राइवर केबिन के ऊपर एक नकली डिब्बे से गांजे के 43 पैकेट बरामद किए गए। सबीलाक्षर हिरासत में है।

गाजा में भूख से रोते-रोते मर गई मासूम

गाजा पट्टी , एजेंसी। गाजा पट्टी में भुखमरी से हालात विकट हो गए हैं। बच्चे भूख से तड़प-तड़प कर मर रहे हैं, और वयस्कों को रोजाना भूख मिटाने के लिए जान जोखिम में डालनी पड़ रही है। ऐसी ही एक कहानी है पांच महीने की बच्ची जैनब अबू हलीब की, जिसने भूख के चलते रो-रोकर दम तोड़ दिया। मां एसरा अबू हलीब ने अपनी पांच महीने की बेटी को आखिरी बार चूमा और रो पड़ी। बच्ची का वजन अब उसके जन्म के समय से भी कम रह गया था। इस बच्ची की मौत ने लोगों को अंदर तक झकझोर दिया है।

गाजा की एक धूप वाली सड़क पर, जैनब की छोटी सी लाश 21 महीने के युद्ध और खाने की चीजों पर इस्राइली रोक के बाद हुई एक और भूख से मौत का उदाहरण बन गई। बच्ची को शुक्रवार को गाजा के नासिर अस्पताल लाया गया था, लेकिन तब तक वह मर चुकी थी। एक कर्मचारी ने उसकी मिकी माउस वाली शर्ट हटाकर उसकी खुली आंखों पर रख दी। उसकी पतली टांगें और उभरी हुई हड्डियां देखकर साफ लग रहा था कि वह बहुत कुपोषित थी।

बच्ची की मां एसरा ने बताया कि जैनब का जन्म का वजन 3 किलो से ज्यादा था, लेकिन जब उसकी मौत हुई, तब उसका वजन 2 किलो से भी कम रह गया था। बच्ची को एक सफेद चादर में लपेटकर दफनाने की तैयारी की गई। उसके लिए नमाज पढ़ी गई और अल्लाह से दुआ की गई।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि युद्ध के दौरान अब तक 85 बच्चे भूख और कुपोषण से मारे गए हैं। कुल मिलाकर 127 लोगों की मौत भूख से जुड़ी बीमारियों से हो चुकी है। जैनब के पिता ने कहा कि उनकी बेटी को एक खास दूध (शिशु फॉर्मूला) की जरूरत थी, जो गाजा में नहीं मिल रहा था। डॉक्टरों के अनुसार, बच्ची को गाय के दूध से एलर्जी थी और इसलिए उसे एक खास प्रकार के दूध की जरूरत थी। उस दूध की कमी से बच्ची को दस्त, उल्टी और संक्रमण हो गया। वह कुछ भी निगल नहीं पा रही थी और बहुत कमजोर हो गई थी।

जैनब का परिवार एक तंबू में रहता था, क्योंकि वे भी युद्ध के कारण अपने घर से बेघर हो गए थे। उसकी मां एसरा भी भूख और कमजोरी से पीड़ित है। एसरा ने बताया कि वे जैनब को सिर्फ 6 हफ्ते तक ही स्तनपान करा पाई, उसके बाद उसे फॉर्मूला दूध देना जरूरी हो गया था। मां ने कहा, मेरी बेटी के बाद और भी बच्चे मरेंगे। हम और हमारे बच्चे बस एक गिनती बनकर रह गए हैं। कोई हमारी परवाह नहीं करता।

अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि अब बहुत ज्यादा बच्चे कुपोषण का शिकार होकर अस्पताल आ रहे हैं। एक छोटे से विभाग में जहां सिर्फ 8 बिस्तर हैं, वहां 60 से ज्यादा बच्चे भर्ती हैं। जमीन पर भी गद्दे बिछाकर इलाज किया जा रहा है। एक और क्लिनिक में हर हफ्ते लगभग 40 कुपोषित बच्चों को लाया जा रहा है। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि जब तक इस्राइल खाने और दवाइयों को गाजा में आने की अनुमति नहीं देगा, तब तक और ज्यादा मौतें होती रहेंगी। गाजा में डॉक्टर और राहतकर्मी इस्राइल द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को इसके लिए जिम्मेदार मानते हैं। खाने की कमी से गाजा में अकाल जैसे हालत बन गए हैं।

मार्च में जब युद्धविराम खत्म हुआ, तब इस्राइल ने करीब ढाई महीने तक गाजा में खाना, दवाई और ईंधन की सप्लाई बंद कर दी थी, ताकि हमास पर दबाव डाला जा सके। बाद में मई में, अंतरराष्ट्रीय दबाव के बाद थोड़ी राहत दी गई। इस्राइल का कहना है कि उसने मई से अब तक 4,500 ट्रकों को गाजा में आने दिया है, जिनमें 2,500 टन शिशु आहार भी शामिल था। लेकिन संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, गाजा को हर दिन 500 से 600 ट्रकों की जरूरत है, जबकि अब सिर्फ 69 ट्रक आ पा रहे हैं।

आगे-आगे ओबामा, पीछे-पीछे ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति ने एआई वीडियो के बाद अब शेयर किया मीम

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ओबामा पर जमकर हमलावर हैं। ट्रंप ने ओबामा पर सोशल मीडिया पर एक मीम के जरिए निशाना साधा है। इस मीम को उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर शेयर किया है, जिसपर लोग अलग-अलग रिएक्शन दे रहे हैं।

बता दें कि जो मीम अमेरिकी राष्ट्रपति ने शेयर किया है वह साल 1994 के कुख्यात ओजे सिम्पसॉन पुलिस चेज से मेल खाता नजर आ रहा है। इस मीम में देखा जा सकता है कि ओबामा एक सफेद रंग की फोर्ड कार में भागते नजर आ रहे हैं। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति वेंस पुलिस कार में उनका पीछा कर रहे हैं।

जानकारी दें कि ट्रंप ने जो मीम की फोटो शेयर की है, उसमें देखा जा सकता है कि उसमें उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कॉलेज के जमाने के लुक में नजर आ रहे हैं। पुलिस स्कॉड की दूसरी कार में बैठकर वह ओबामा का पीछा कर रहे हैं। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अपने एक्स हैंडल पर इस फोटो को रिपोस्ट किया है। इस तस्वीर को सबसे पहले जूनियर ट्रंप ने 22 जुलाई को अपने सोशल मीडिया अकाउंट से शेयर किया था।

ज्ञात हो कि ये कोई पहली बार नहीं है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ओबामा पर निशाना साधा हो। इससे पहले भी डोनाल्ड ट्रंप ने एक एआई जेनेरेटेड वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में देखा

स्कॉटलैंड के दौरे पर गए डोनाल्ड ट्रंप का हो रहा विरोध

लंदन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पांच दिनों के दौरे पर स्कॉटलैंड पहुंचे हैं। उनकी इस यात्रा का विरोध किया जा रहा है और सैकड़ों लोग एबरडीन और एडिनबर्ग की सड़कों पर उतर आए। वहीं, ट्रंप की सुरक्षा में भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने स्काई न्यूज के वाले से बताया कि स्कॉटिश पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए ब्रिटेन के अन्य हिस्सों से सहयोग का अनुरोध किया था। असिस्टेंट चीफ कांस्टेबल एम्मा बॉन्ड ने कहा कि यात्रा की सुरक्षा की योजना बनाते समय पिछले साल ट्रंप पर हुए जानलेवा हमले को नजरअंदाज करना अनुचित होगा। यूके स्टॉप ट्रंप कोएलिशन नाम के एक ग्रुप ने शनिवार को टिकटॉक पर वीडियो पोस्ट किए, जिनमें एक क्लिप का टाइटल था, डोनाल्ड ट्रंप की गोल्फिंग विजिट के विरोध में एबरडीन प्रदर्शनकारियों से भर गया। प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप की आपराधिक सजा का संदर्भ देते हुए 47 अपराधी का यहां स्वागत नहीं है लिखे हुए पोस्टर पकड़े हुए दिखाई दिए और जेफरी एपस्टीन के साथ ट्रंप की फोटो प्रदर्शित कीं। स्कॉटलैंड अगेंस्ट ट्रंप गठबंधन की सदस्य क्रिस्टी हेग ने स्थानीय मीडिया को बताया कि ब्रिटेन भर से प्रदर्शनकारी ट्रंप और उनकी विभाजनकारी राजनीति का विरोध करने के लिए एकजुट हुए हैं। उन्होंने ट्रंप की आलोचना की कि वे स्कॉटलैंड का इस्तेमाल अपनी छवि साफ करने के लिए कर रहे हैं।

पाकिस्तान ने चली नई चाल; अमेरिकी जनरल को दिया निशान-ए-इम्तियाज

इस्लामाबाद , एजेंसी। अमेरिका और पाकिस्तान की नजदीकियां दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। आइएमएफ से कर्ज हासिल करने और पाक आर्मी चीफ असीम मुनीर के व्हाइट हाउस दौरे के बाद इस्लामाबाद से एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला पाकिस्तान पहुंच गए हैं।

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में जनरल कुरिल्ला का भव्य स्वागत किया गया। यही नहीं, पड़ोसी मुल्क ने उन्हें देश के सर्वोच्च सैन्य सम्मान निशान-ए-इम्तियाज से भी नवाजा है। जाहिर है, पाकिस्तान बिना किसी मकसद के यह सब नहीं करेगा। इस खातिरदारी के पीछे भी पड़ोसी मुल्क का बड़ा मकसद छिपा है।

इस्लामाबाद से तस्वीरें वायरल पाकिस्तान के राष्ट्रपति भवन में जनरल कुरिल्ला के लिए हाई प्रोफाइल सेरेमनी रखी गई और राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने उन्हें देश का सर्वोच्च सम्मान निशान-ए-इम्तियाज दिया। इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। वहीं, बाद में जनरल कुरिल्ला पाक आर्मी चीफ असीम मुनीर के साथ सैल्यूट करते भी नजर आए।

दरअसल जनरल कुरिल्ला को यह सम्मान देकर पाकिस्तान, अमेरिका के प्रति अपनी वफादारी साबित करना चाहता है। वो रक्षा के क्षेत्र में अमेरिका से मदद चाहता है। जून 2018 से अक्टूबर 2022 तक पाकिस्तान एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में था। एफएटीएफ आतंकवाद के खिलाफ बनाया गया एक वैश्विक संगठन है, जो आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों पर शिकंजा कसता है। पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान में पनप रहा आतंकवाद एक बार फिर उजागर हो गया है। ऐसे में पाकिस्तान पर एफएटीएफ की लिस्ट में शामिल होने की तलवार लटक रही है।

वहीं, पाकिस्तान की आर्थिक हालत भी किसी से छिपी नहीं है। पाकिस्तान आइएमएफ समेत अलग-अलग कर्जों पर निर्भर है। अगर एफएटीएफ ने पाक का नाम लिस्ट में डाल दिया, तो उसके लिए कर्ज लेना मुश्किल हो जाएगा। यही वजह है कि पाकिस्तान अमेरिका को खुश करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल के शख्स पर जानलेवा हमला

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में शनिवार को भारतीय मूल के एक नागरिक सौरभ आनंद पर मेलबर्न के सेंट्रल स्क्वायर शॉपिंग सेंटर के बाहर पांच नाबालिगों ने जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने सौरभ के हाथ से उनकी कलाई काट दी। सौरभ ने बताया कि शाम को फार्मेसी से दवा लेकर लौट रहे थे। इस दौरान एक दोस्त से फोन पर बात कर रहे थे, तभी पांचों लड़कों ने पीछे से उन पर हमला कर दिया। एक लड़के ने उनकी जेब टटोली, दूसरे ने उन्हें मुक्कों से पीटा, और तीसरे ने चाकू उनकी गर्दन पर रखा। सौरभ ने बचाव में हाथ उठाया, तो उसी चाकू से उनकी कलाई काट दी। सौरभ ने अस्पताल में बताया कि- मुझे बस दर्द याद है, मेरा हाथ बस एक धागे से लटक रहा था। हमले में उनकी रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर टूटने और सिर में चोटें आई हैं।

राहगीरों ने सौरभ की चीखें सुनीं और इमरजेंसी सर्विस को बुलाया।

रॉयल मेलबर्न अस्पताल में सर्जनों ने कई घंटों की सर्जरी के बाद उनके हाथ को जोड़ा, लेकिन शुरू में इसे काटने की बात भी हुई थी। उनकी कलाई और हाथ में स्क्रू डाले गए हैं। सौरभ सीरियस मेडिकल निगरानी में हैं। डॉक्टरों का कहना है कि अभी उनकी रिकवरी को लेकर कुछ कहा नहीं जा सकता। सौरभ ने कहा- मैं अपना हाथ हिला नहीं सकता, बस दर्द महसूस होता है।

पुलिस ने पांच में से चार आरोपियों को हिरासत में लिया है। एक 14 साल के आरोपी पर गंभीर चोट पहुंचाने, लूट और गैरकानूनी हमले के आरोप हैं। वहीं दो 15 साल और एक अन्य 14 साल के आरोपी पर भी अलग-अलग आरोप लगे हैं। ये सभी अगस्त में कोर्ट में पेश होंगे। सौरभ ने दुख जताया कि दो आरोपियों को जमानत मिल गई। उन्होंने कहा, मैं न्याय चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि यह घटना बदलाव का कारण बने। ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड शहर में भी 4 दिन पहले एक भारतीय छात्र पर बेरहमी से हमला किया गया था। तब चरणप्रीत सिंह अपनी पत्नी के साथ कार से शहर के लाइट शो देखने निकला था। इसी दौरान किंटोर एवेन्यू के पास रात 9 बजे कार पार्किंग को लेकर उसकी स्थानीय लोगों से बहस हो गई।

कमला हैरिस पर भड़के डोनाल्ड ट्रंप मुकदमा चलाने की कर दी मांग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर कमला हैरिस पर भड़क उठे हैं। इस बात तो उन्होंने कमला हैरिस के खिलाफ मुकदमा तक चलाने की मांग कर डाली। ट्रंप का कहना है कि कमला हैरिस और कुछ अन्य शीर्ष अमेरिकी सेलेब्स ने 2024 के चुनाव अभियान के दौरान पैसे लिए। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से गैरकानूनी है। इससे चुनावी अभियान के आर्थिक कानूनों का उल्लंघन हुआ है। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल मीडिया अकाउंट पर इस बारे में लिखा है। गौरतलब है कि इस वक्त ट्रंप खुद एप्स्टीन केस को लेकर विवादों में घिरे हुए हैं।

लाखों डॉलर खर्च किए गए इसमें ट्रंप ने आरोप लगाया है कि कमला हैरिस ने गायिका बियॉन्से, टीवी होस्ट ओपरा विन्फ्रे, और सिविल राइट्स एक्टिविस्ट अल शार्पटन जैसे सितारों के समर्थन के बदले लाखों डॉलर खर्च किए। उन्होंने कहा कि यह समर्थन अभियान असली नहीं, थे बल्कि पैसे देकर हासिल किए गए थे। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि क्या होगा यदि रिपब्लिकन नेता सभी समर्थन करने वालों को पैसे देना शुरू कर दें? उन्होंने लिखा कि कमला हैरिस और उन सभी ने, जिन्होंने पैसे लिए, उन्होंने कानून तोड़ा है। इन सभी पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। गौरतलब है कि ट्रंप ने यह हमला उस वक्त किया है जब वह खुद जेफ्री एप्स्टीन केस फाइल विवाद से घिरे हुए हैं। बता दें कि ट्रंप ने एप्स्टीन केस में जांच को राजनीति से प्रेरित बताया है।

बलूचिस्तान में गायब हो रहे लोग, छह माह में 752 लापता, 117 लोग मारे गए; सरकारी दमन की खुली पोल

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान में बलोचों के साथ होने वाले सरकारी दुर्व्यवहार पर बलोच यकजेहती समिति (बीवाईसी) ने एक अर्ध-वार्षिक मानवाधिकार रिपोर्ट (जनवरी-जून 2025) जारी की है। इसमें बलूचिस्तान प्रांत में व्यवस्थित और व्यापक सरकारी दमन को लेकर तथ्य पेश किए गए हैं। द बलूचिस्तान पोस्ट (टीबीपी) के मुताबिक, बीवाईसी ने अपनी रिपोर्ट में सिर्फ आंकड़े ही नहीं दिए बल्कि बलोचों की सामूहिक पीड़ा, अन्याय और सांविधानिक सुरक्षा उपायों के पतन का रिकॉर्ड भी पेश किया है। बीवाईसी नेता सम्मी दीन बलोच ने कहा, रिपोर्ट के निष्कर्ष पीड़ितों के परिवारों, प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय मानवाधिकार संगठनों की गवाही पर आधारित हैं, जो जबरन गायब किए जाने और न्यायेतर हत्याओं में खतरनाक वृद्धि को दर्शाते हैं। इस

रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में 752 लोगों को जबरन गायब किया गया। इनमें से 181 को बाद में रिहा कर दिया गया, जबकि 25 की कथित तौर पर हिरासत में मौत हो गई। 546 व्यक्तियों का ठिकाना अज्ञात है। बलूचिस्तान पोस्ट ने बताया कि मकरान क्षेत्र में सबसे अधिक संख्या में लोग गायब हुए, जिनमें फ्रंटियर कोर (एफसी) के कर्मियों को मुख्य अपराधी बताया गया। रिपोर्ट में 117 न्यायेतर हत्याओं में अधिकांश फर्जी मुठभेड़ों और हिरासत में हत्याओं से जुड़ी हुई हैं। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बलूचिस्तान के विभिन्न इलाकों में एक साथ कई सशस्त्र अभियानों की जिम्मेदारी ली है। बीएलए ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने पिछले दिनों एक उच्च पदस्थ अधिकारी समेत कम से कम 23 पाकिस्तानी सैन्यकर्मियों को मार गिराया और खुफिया एजेंसियों से जुड़े सैन्य सुविधाओं और संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचाया। बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलोच ने संकेत दिया कि समूह के लड़ाकों ने मस्तुंग, कलात, जमुरान, बुलेदा और क्वेटा जैसे स्थानों पर पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाया और नुश्की, दलबंदिन और पंजगुर में भी हमले किए।

भूखमरी से जूझते गाजा के लिए इस्राइली सेना ने 3 इलाकों में फायरिंग रोकने का किया एलान

गाजा पट्टी , एजेंसी। गाजा में बिगड़ती मानवीय स्थिति के बीच इस्राइली सेना ने रविवार को घोषणा की कि वह गाजा के तीन प्रमुख इलाकों में सामरिक विराम (टैक्टिकल पॉज) लागू करेगी। इस कदम का उद्देश्य इलाके में तेजी से फैल रही भूख और मानवीय संकट को कुछ हद तक कम करना है। सेना ने कहा कि मुवासी, दीर अल-बलह और गाजा सिटी में हर दिन सुबह 10 बजे से रात आठ बजे तक सैन्य कार्रवाई रोकी जाएगी। यह रोक अगली सूचना तक लागू रहेगी। इन इलाकों को इसलिए चुना गया

है क्योंकि यहां राहत सामग्री पहुंचाने में लगातार दिक्कतें आ रही थीं और आबादी तेजी से खाद्य संकट से जूझ रही है। इस्राइली सेना ने बयान जारी कर कहा कि वह अब इन इलाकों में सुरक्षित मार्ग तय करेगी ताकि राहत एजेंसियां भोजन और अन्य जरूरी सामान जरूरतमंद लोगों तक पहुंचा सकें। सेना का कहना है कि इससे विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफआई), रेड क्रॉस और अन्य एजेंसियों की मदद आसान होगी। इस्राइल और हमास के बीच जारी युद्ध के बीच संयुक्त राष्ट्र और कई गैर-सरकारी संगठनों ने चेताया है कि गाजा में लाखों लोग कुपोषण और भूख का सामना कर रहे हैं। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की स्थिति गंभीर होती जा रही है। इन संगठनों का कहना है कि अगर जल्द राहत नहीं पहुंचाई गई, तो यह एक बड़े मानवीय संकट में बदल सकता है। हालांकि, राहत एजेंसियों का कहना है कि भोजन पहुंचाने के लिए केवल फायरिंग रोकना काफी नहीं है। गाजा के अंदर कई जगहों पर सुरक्षा की स्थिति अस्थिर है, जिससे सप्लाई चैन लगातार बाधित हो रही है। इसके साथ ही, कई इलाके ऐसे भी हैं।

विचार-मंथन

संपादकीय

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता: एक क्रांतिकारी कदम

(ललित गर्ग)

मोदी सरकार ने पिछले एक दशक में जिस प्रकार से गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धा और पारदर्शिता पर जोर दिया, उसी का परिणाम है यह करार। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि अब भारत केवल बाजार नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति बन चुका है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए विश्व से संवाद करता है। भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की अंतिम स्वीकृति ने न केवल वैश्विक व्यापार जगत में हलचल मचा दी है, बल्कि भारत के आर्थिक भविष्य को भी एक नई दिशा दी है। दोनों देशों के बीच आखिरकार फ्री ट्रेड एग्रीमेंट होने का फायदा दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को मिलेगा। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से संरक्षणवाद बढ़ा है, उसमें ऐसे व्यापार समझौतों की भूमिका और भी अहम हो जाती है। इस समझौते से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल अमेरिका बल्कि अन्य देशों को भी भारत की मजबूत होती स्थिति का आइना दिखाया है, जो उनकी दूरगामी एवं कूटनीतिज्ञ राजनीति का द्योतक है। इस समझौते को मौजूदा दौर में दुनियाभर में जारी बहुस्तरीय तनाव, दबाव एवं दादागिरी की राजनीति के बीच एक बेहतर एवं सूझबूझभरी कूटनीतिक कामयाबी के तौर पर देखा जा सकता है। यह छिपा नहीं है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने शुल्क के मोर्चे पर एक बड़ा द्वंद्व एवं संकट खड़ा कर दिया था। लेकिन भारत ने इस द्वंद्व के बीच झुकने की बजाय नये रास्ते खोजे हैं। निश्चित ही यह व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) महज एक कागज़ी करार नहीं, बल्कि 'विकसित भारत 2047' के स्वप्न को मूर्त रूप देने की ठोस रणनीति है। जहां एक ओर यह समझौता 99 प्रतिशत टैरिफ को समाप्त कर वस्त्र, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, कृषि व रत्न-आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को नई उड़ान देगा, वहीं दूसरी ओर छोटे उद्यमों, मछुआरों और किसानों को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाएगा। भारत के ग्रामीण अंचलों से हल्दी, दाल, अचार जैसे उत्पाद अब ब्रिटिश बाजारों में अपनी महक फैलाएंगे। मोदी सरकार ने पिछले एक दशक में जिस प्रकार से गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धा और पारदर्शिता पर जोर दिया, उसी का परिणाम है यह करार। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि अब भारत केवल बाजार नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति बन चुका है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए विश्व से संवाद करता है। यह समझौता सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं है, यह सेवा क्षेत्र, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, निवेश, सामाजिक सुरक्षा, और दोहरे कराधान जैसे क्षेत्रों में भी भारतीयों के लिए नए दरवाज़े खोलता है। खासकर ब्रिटेन में काम कर रहे भारतीय पेशेवरों के लिए यह राहत का संदेश है, जिन्हें सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट मिल सकेगी। यह समझौता इसलिये भी महत्वपूर्ण है कि अब तक अमेरिका की ओर से पैदा किये गये किसी दबाव के आगे भारत ने झुकना स्वीकार नहीं किया और उसने भारत-ब्रिटेन जैसे नये विकल्पों को खड़ा करने और पुराने को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाये हैं। ब्रिटेन के साथ यह एफटीए एक उदाहरण है कि कैसे भारत न्यायसंगत और समावेशी व्यापार समझौते कर सकता है, जिसमें न तो अपने किसानों, न ही डेयरी क्षेत्र या छोटे उत्पादकों को नुकसान होता है। भारत ने संवेदनशील क्षेत्रों को समझौते से बाहर रखकर आत्मनिर्भरता और खाद्य सुरक्षा की अपनी नीति को बरकरार रखा है। वर्तमान में भारत का वैश्विक व्यापार लगभग 21 अरब डॉलर है, जो इस समझौते के बाद 2030 तक 120 अरब डॉलर तक पहुँचने की संभावना रखता है। यह न केवल विदेशी निवेश को आकर्षित करेगा, बल्कि भारत की मैन्युफैक्चरिंग हिस्सेदारी को 17 प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक बढ़ाने में सहायक होगा। इस करार के साथ, मोदी सरकार ने साबित कर दिया है कि जब नियोजित दृष्टिकोण, वैश्विक प्रतिष्ठा और साहसिक निर्णय साथ चलते हैं, तो भारत जैसे विकासशील देश भी वैश्विक मंच पर निर्णायक बन सकते हैं। भारत और ब्रिटेन के बीच सीईटीए के अस्तित्व में आने से एक नये आर्थिक सूर्य का उदय हुआ है, जिससे रोजगार सहित अनेक उन्नत राष्ट्र-निर्माण के अवसर सृजित होंगे। सीईटीए की संकल्पना आस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात और कुछ अन्य देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों के अनुरूप ही है। यह मोदी सरकार की भारत को 2047 तक विकसित बनाने की संकल्पना से जुड़ी रणनीति का एक हिस्सा है। मोदी सरकार ने भारत को तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने के अपने संकल्प में नये पंखों को जोड़ते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को फिर से स्थापित करने तथा इसे भारतीय और विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक बनाने के लिए एक दृढ़ रणनीति अपनाई है। विकसित देशों के साथ एफटीए इस रणनीति के केंद्र में है। ऐसे समझौते व्यापार नीतियों से जुड़ी अनिश्चितताओं को दूर करके निवेशकों का विश्वास बढ़ाते हैं। पिछली यूपीए सरकार ने भारत के व्यापारिक दरवाजे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए खोलकर भारतीय व्यवसायों को खतरे में डालने वाला रवैया अपनाया था, लेकिन अतीत की उन बड़ी भूलों को सुधारा जा रहा है, जो नये भारत-विकसित भारत का आधार है। मोदी के मेड इन इंडिया संकल्प की दृष्टि से यह डील बेहद अहम है। इससे करीब 99 प्रतिशत निर्यात यानी यहां से ब्रिटेन जाने वाली चीजों पर टैरिफ से राहत मिलेगी। इसी तरह ब्रिटेन से आनी वाली चीजें भारत में सस्ती मिल सकेंगी। जिससे आम लोगों को अधिक गुणवत्ता वाला सामान सस्ते में सुलभ होगा और जीवनस्तर में व्यापक सुधार होगा। डील से एक बड़ा फायदा होगा टेक्सटाइल्स, लेदर और इलेक्ट्रॉनिक्स को। इनसे मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा। अभी ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में भारत की हिस्सेदारी केवल 2.8 प्रतिशत है, जबकि चीन की 28.8 प्रतिशत। इसी तरह, देश की जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग का योगदान 17 प्रतिशत है और सरकार इसे 25 प्रतिशत तक बढ़ाना चाहती है। इस तरह की डील से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, दोनों स्तर पर प्रदर्शन में सुधार होगा। कृषि सेक्टर को भी उन्नत बनाने एवं अधिक उत्पाद की दृष्टि से व्यापक फायदा होगा। इसके लिए इस समय भारत की बातचीत अमेरिका से भी चल रही है। लेकिन वहां कृषि और डेयरी प्रॉडक्ट्स को लेकर रस्साकशी है। अमेरिका इन दोनों क्षेत्रों में खुली छूट चाहता है, जबकि अपने लोगों के हितों को देखते हुए भारत ऐसा नहीं कर सकता। ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार होने से भारत के कृषि उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। क्रांतिकारी सुधारों, नवाचार, तकनीक, कारोबारी सुगमता और प्रधानमंत्री के वैश्विक व्यक्तित्व ने भारत को एक आर्थिक सूरज के रूप में उभारने में मदद की है, जहां विपुल संभावनाएं हैं। आज दुनिया भारत की ओर आशाभरी नजरों से देख रही है और भारत की अद्भुत विकासगाथा का हिस्सा बनना चाहती है। प्रमुख देशों द्वारा एक के बाद एक एफटीए इसी मान्यता की पुष्टि करते हैं।

> *प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के एफटीए वस्तुओं और सेवाओं से कहीं आगे तक सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं नागरिक हितों तक जाते हैं। आस्ट्रेलियाई एफटीए के साथ भारत ने दोहरे कराधान का मुद्दा सुलझाया, जो आईटी कंपनियों की परेशानी बढ़ा रहा था।*

चिंतनिय...बढ़ रहे हैं वृद्धाश्रम भेजने के मामले

हमारे देश में परिवार और समाज की जैसी परंपरा रही है, उसमें कई बार ऐसी बातों पर विश्वास करना मुश्किल हो जाता है कि कोई संतान ही अपने माता-पिता की न सिर्फ संवेदनात्मक जरूरतों, बल्कि अधिकारों तक से वंचित करने की कोशिश करने लगती है। ऐसे में सरकार और अन्य संबंधित महकमों का दखल जरूरी होता है, ताकि एक नागरिक के रूप में बुजुर्गों के अधिकारों का हनन रोका जा सके।इस लिहाज से देखें, तो हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने उचित ही एक बुजुर्ग दंपति के पक्ष में निर्देश जारी करते हुए कहा है कि माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के तहत वरिष्ठ नागरिक अपने बच्चों से भरण-पोषण का दावा करने के हकदार हैं और धारा-23 के तहत देखभाल की शर्त पर हस्तांतरित की गई किसी भी संपत्ति को देखभाल नहीं किए जाने की स्थिति में अमान्य घोषित किया सकता है। साथ ही, धारा- 24 के तहत वरिष्ठ नागरिक को त्याग देना दंडनीय अपराध है।गौरतलब है कि हरियाणा के पंचकूला में अपने बेटे और बहू के साथ एक घर में रहने के बावजूद एक बुजुर्ग दंपति को अलग-थलग रखा गया, उन्हें अपशब्द कहे गए, उनकी आवासीय संपत्ति का स्वामित्व हस्तांतरित करने के लिए दबाव डाला गया, झूठा मामला दर्ज कराया गया और उनसे वृद्धाश्रम तक चले जाने को कहा गया।समाज जैसे-जैसे आधुनिक होता जा रहा है, उसमें उम्मीद इस बात की भी थी कि वह मानवीय मूल्यों को भी समृद्ध करेगा। मगर वक्त के साथ हुआ यह है कि माता-पिता के त्याग की नींव पर सभी तरह की सुख-सुविधाएं हासिल करने वाली नई पीढ़ी मां-पिता का न्यूनतम खयाल रखना भी जरूरी नहीं समझती।दूसरी ओर, परिवारों में कई स्तर पर उपेक्षा झेलने वाले बुजुर्गों के लिए ऐसे वृद्धाश्रम भी गिनती के हैं, जहां वे कम से कम संतोषजनक तरीके से अपना बचा जीवन काट सकें। यह एक अफसोसनाक तस्वीर है कि माता-पिता अपने जिन बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए अपनी जिंदगी झोंक देते हैं, उनके सुख के लिए अपने जीवन की न्यूनतम सुविधाओं तक को छोड़ देते हैं, वे बुढ़ापे का सहारा बनने के बजाय कई बार उनके लिए दुख का कारण बन जाते हैं।

29 करोड़ भूखे, 53 देश संकट में

दुनिया भर में विकास के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। बुनियादी ढांचे से लेकर प्रौद्योगिकी के विकास में नई-नई मिसाल कायम की जा रही हैं। इसी का दंभ भरकर किसी अन्य ग्रह पर जीवन की खोज करने या फिर भविष्य में चांद पर बस्ती बसाने के दावे भी किए जा रहे हैं। मगर, क्या वास्तव में विकास का पैमाना यही है? समाज के समग्र उत्थान का तत्त्व विकास की इस धारा में कहां है? यह कैसा विकास है कि एक तरफ विभिन्न देश तकनीक के बूते खुद के ताकतवर एवं साधन संपन्न होने का राग अलाप रहे हैं, तो दूसरी ओर दुनिया में करोड़ों लोग भुखमरी के कारण अपने शरीर की ताकत भी खो रहे हैं।विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन की 'वैश्विक खाद्य संकट' पर एक हालिया रपट में किए गए खुलासे चिंताजनक है। इसमें कहा गया है कि दुनिया भर में उनतीस करोड़ से अधिक लोग ऐसे हालात में जी रहे हैं, जहां उनके लिए एक वक्त का भोजन जुटा पाना भी मुश्किल है। साफ है कि समाज का सबसे कमजोर तबका आज भी संघर्ष, महंगाई, प्राकृतिक आपदा और जबरन विस्थापन जैसी समस्याओं के चक्रव्यूह में उलझा हुआ है।संसाधनों के अभाव और संकटग्रस्त क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन की डगर ज्यादा कठिन हो गई है। रपट में सामने आया है कि 2024 में लगातार छठे वर्ष दुनिया में गंभीर खाद्य संकट और बच्चों में कुपोषण बढ़ा है। आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले वर्ष 53 देशों या क्षेत्रों के 29.5 करोड़ लोग गंभीर खाद्य संकट से जूझ रहे थे। यह आंकड़ा वर्ष 2023 के मुकाबले 1.37 करोड़ अधिक है। यानी सुधार के बजाय स्थिति पहले से कहीं अधिक खराब हो गई है। भुखमरी के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें दो देशों के बीच युद्ध और आंतरिक संघर्ष प्रमुख हैं।भूख, भुखमरी और भोजन का संकट, एक अरब आबादी की जरूरत का खाना रोजाना हो रहा बर्बाद!इन दो कारणों से ही बीस देशों में करीब 14 करोड़ लोग भुखमरी का शिकार हैं। जाहिर है, अंतरराष्ट्रीय संघर्षों की वजह से हालात और ज्यादा बदतर हो रहे हैं। युद्ध के दौरान प्रभावित लोगों को राहत के तौर पर खाद्य सामग्री पहुंचाने पर रोक लगा देने की खबरें भी आती रहती हैं।

अचानक इस्तीफे का विचार, लोकतंत्र का श्रृंगार

(सरयूसुत मिश्रा)

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का अचानक इस्तीफा चौंकाने वाला लगता है. विपक्षी दलों द्वारा मानसून सत्र में सरकार को घेरने के लिए तैयारी का पटाखा तो हर बार जैसा ही नारेबाजी में फुस्स हो गया. लेकिन धमाका धनखड़ ने कर दिया..!! राज्यसभा के सभापति के रूप में पूरे दिन कार्यवाही का संचालन किया. पूरी तरह से सक्रिय दिखाई पड़े. दूसरे दिन के लिए बैठकों को स्थगित किया. फिर अचानक देर शाम राष्ट्रपति से मिलकर इस्तीफा दिया और खुद ही एक्स पर पोस्ट कर ऐलान कर दिया। उपराष्ट्रपति संवैधानिक पद है. अगर इस्तीफा देना है तो निश्चित रूप से जिस सरकार ने उन्हें उपराष्ट्रपति का उम्मीदवार बनाया, उसको तो जरूर विश्वास में लिया गया होगा. अगर इस्तीफे के पहले प्रधानमंत्री को विश्वास में नहीं लिया गया तो फिर यह स्पष्ट ही है कि, इस्तीफा स्वाभाविक नहीं बल्कि मजबूरी में दिया गया है. पूरा घटनाक्रम इसी और इशारा कर रहा है। उपराष्ट्रपति अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को सौंपने के बाद बिना मंजूरी के उसको सोशल मीडिया पर पोस्ट कैसे कर सकते हैं? क्योंकि धनखड़ ने ऐसा किया है इसलिए ऐसा लगता है कि, सरकार की नाराजगी के चलते उनके द्वारा त्यागपत्र दिया गया है. इसीलिए शायद वह स्वयं इसे सार्वजनिक कर संदेश देना चाहते होंगे. अब तो उनका त्यागपत्र राष्ट्रपति द्वारा मंजूर कर लिया गया है. गृह मंत्रालय की ओर से इस संबंध में अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिक्रिया भी सामने आ गई है. पीएम ने पूर्व उपराष्ट्रपति के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की है. जितनी छोटी प्रतिक्रिया पीएम की ओर से दी गई है, वह भी अगर डीकोड की जाएगी तो सरकार और उपराष्ट्रपति के बीच नाराजगी का ही इशारा करती है। पूर्व उपराष्ट्रपति ने यह इतिहास तो बना ही लिया है कि आजादी के बाद अब तक किसी भी उपराष्ट्रपति ने पहली बार कार्यकाल पूरा होने के पहले अपना पद छोड़ा है. इसके पहले उपराष्ट्रपतियों ने जब भी त्यागपत्र दिया तब राष्ट्रपति का चुनाव लड़ने के लिए ऐसा किया गया। पूर्व उपराष्ट्रपति का व्यक्तित्व आउट स्पोकन रहा है. पेशे से वह वकील हैं. बुद्धिजीवी के रूप में उनकी छवि है. राजनीति में लोकदल, जनता दल और कांग्रेस से होते हुए बीजेपी में आए. पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा ही उन्हें राज्यपाल बनाया गया था. पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ उनके विवाद की कोई हदबंदी नहीं थी। पश्चिम बंगाल में राज्यपाल के रूप में उनकी भूमिका बीजेपी और केंद्र सरकार को इसलिए सूट कर रही थी क्योंकि इससे ममता बनर्जी को परेशानी हो रही थी. एक कानूनविद होने के कारण उनके एक्शन अवैधानिक नहीं होते थे, लेकिन उनका प्रैक्टिकल रूप वैधानिकता को कई बार कटघरे में खड़ा कर देता था। पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार ने ही उपराष्ट्रपति के लिए उम्मीदवार के रूप में चुना और वह उपराष्ट्रपति बने. सामान्य प्रक्रिया में उपराष्ट्रपति, राष्ट्रपति बनने की इच्छा रखता है. पूर्व उपराष्ट्रपति हर कंट्रोवेंशियल मुद्दे पर अपनी राय रखते थे. सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ उनके वक्तव्य विवादास्पद बने थे. राज्यसभा सदन में कृषि मंत्री को जिस तरह से किसान मुद्दे पर आसंदी से टिप्पणी की थी, उसको लेकर भी सरकार असहज हुई थी। उनके वक्तव्य उनके संवैधानिक पद और राजनीतिक सोच की सीमाओं से परे होते थे. जब से उन्होंने इस्तीफा दिया है तब से विपक्षी दलों द्वारा यही जानने की कोशिश हो रही है कि उन्होंने इस्तीफे में लिखे अनुसार स्वास्थ्य कारणों से ही पद छोड़ा है या कारण कुछ और है? लगता तो यही है कि, स्वास्थ्य का कारण तो बहाना है. असली कारण सरकार और उनके बीच नाराजगी रही है. अगर ऐसा है तो इसके लिए सरकार से ज्यादा पूर्व उपराष्ट्रपति स्वयं जिम्मेदार कहे जाएंगे. वह जाट समाज से आते हैं. उनका राजनीतिक जनाधार उतना महत्वपूर्ण नहीं है. उनकी योग्यता और कानूनविद होने की विशेषज्ञता के कारण उन्हें इस पद के लिए चुना गया था. उनका आउट स्पोकन होना, उनके लिए घातक साबित हो गया।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5805

		4				6		1
		7	2				8	
		9	3					2
			1					9
6	2	1	5		9	4	7	3
5					4			
4					3	5		
	3				2	8		
1		6				3		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5804

5	8	9	6	1	7	3	4	2
2	4	1	3	5	9	8	6	7
3	7	6	8	4	2	9	5	1
4	9	2	7	6	8	1	3	5
6	3	8	1	2	5	7	9	4
7	1	5	9	3	4	6	2	8
8	2	3	4	9	1	5	7	6
9	5	7	2	8	6	4	1	3
1	6	4	5	7	3	2	8	9

वर्ग पहेली 5805

1	2	3	4	■	5	6	7
8				9	■	10	
11		■	12			■	
	■	■	■		■	■	
13	14	15	16		17	18	■
				■	20		
	■	21		22	■		■
23			■	24			■

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1513 को यशस्वी मुगल सम्राट अकबर ने मध्यप्रदेश के इस पडौसी राज्य को फतह किया था (4)
5. यह लेबनान देश की राजधानी है (3)
8. चुनौती देना, आह्वान करना, बदना (5)
10. तौल की एक प्राचीन इकाई, ह्रदय, चित्त, जी (2)
11. निकलना, अतीत होना, बिदा होना (2)
12. अभिमुख, सामने उपस्थित (3)
13. अंतर्राष्टीय टेस्ट क्रिकेट में भारत की ओर से पहला शतक लगाने वाला भारतीय क्रिकेटर (1933 में इंग्लेंड के विरूद्ध 118)(7)
19. प्रबल अभिलाषित होना, तीव्र उत्कंठित होना (4)
20. दक्षिण पवन, मलयानिल (3)
21. रचना कर्म, अभिनव सृष्टि (3)
23. परिक्रमणशील (3)
24. सदृश, समान, मिस्ल, उदाहरण (3)

संकेत: ऊपर से नीचे

1. यह भारत के दो बार कार्यवाहक प्रधानमंत्री रहे (27 मई 1984 से 9 जून 1964 व 11 जनवरी 1966 से 24 जनवरी 1966) (8)
2. दग्ध होना, उष्ण लगना (3)
3. पूर्णमासी (2)
4. दया, करूणा, रहम (3)
6. कमरा को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
7. वेतन, पगार, उजरत (4)
9. मशहूर, प्रसिद्ध, ख्याति प्राप्त (4)
14. मंगल ग्रह इस रंग का बताया गया है (2)
15. इस मुगल सम्राट ने दीन-ए-इलाही धर्म चलाया था (4)
16. मन्नत मानना, फुसलाना (3)
17. उपाधि, इस्म (3)
18. पृथ्वी पर विचरण करने वाली प्राणी (4)
22. अरण्य, जंगल (2)

वर्ग पहेली 5804 का हल

रा	ही	मा	सू	म	र	जा	■
ह	रा	र	त	■	वा	त	ज
त	■	को	■	मौ	न	■	क
इं	सा	नी	■	■	गी	द	ड़
दौ	र	■	आ	ला	प	■	ना
री	ना	रा	य	■	त्र	य	■
■	थ	का	■	जां	■	की	ना
■	■	■	आ	च	म	न	■

आज का राशिफल

मेष
आज व्यापार के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपको अचानक कोई लाभ प्राप्त हो सकता है और मन को सुकून प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में आपको किसी ऐसे काम का शुभ परिणाम प्राप्त हो सकता है, जिसका लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। इसी के चलते आपका मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, शाम को परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे जिससे मानसिक तनाव कम होगा।

वृष
आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। अगर विद्यार्थी बौद्धिक और मानसिक समस्याओं का सामना कर रहे थे तो अब उन्हें उससे छुटकारा मिलेगा। व्यापार के मामले में किसी यात्रा के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकती है। बच्चों के साथ आप कहीं आसपास घूमने जा सकते हैं। कामकाज के सिलसिले में किसी यात्रा की योजना प्रबल होकर स्थगित हो सकती है।

मिथुन
आज कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है और धन लाभ के भी अच्छे योग बन रहे हैं। इससे आपकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। कार्यक्षेत्र में अपने व्यवहार और मधुर वाणी के चलते आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। साथ ही, दूसरों की मदद करने में भी आप सफल रहेंगे।

तुला
आज दिन उत्तम रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको कामकाज के सिलसिले में हर जगह से सफलता प्राप्त हो सकता है। समाज में मान-सम्मान में वृद्धि होगी और प्रगति के नए रास्ते खुलेंगे। कार्यस्थल पर आपके पराक्रम में वृद्धि होने से विरोधियों का मनोबल कम होगा। शाम को आपको किसी विद्वान प्रशासक से मिलने का मौका मिल सकता है।

वृश्चिक
आज आपके द्वारा किया हुआ कोई भी काम आसानी से पूरा हो जाएगा। लेकिन आपको अनावश्यक कार्यों में समय लगाने से बचना होगा। साथ ही, आपको खर्च में भी कटौती करनी होगी वरना भविष्य में किसी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपको अपनी संपत्ति या किसी मूल्यवान वस्तु का सौदा करने से पहले सभी दस्तावेजों को देखना होगा, अन्यथा नुकसान हो सकता है।

धनु
आज सांसारिक सुख प्राप्त होगा। समाज में भी आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी और भाग्य चमकने के योग भी बन रहे हैं। व्यापार के मामले में नए कार्यों और खोज में आपकी रुचि बढ़ सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है, जिससे जीवन में उत्साह बढ़ेगा। वहीं, घर में भी उत्सव जैसा माहौल बना रहेगा।

कर्क
आज कार्यस्थल पर आपके ऊपर काम का प्रेशर कुछ ज्यादा रह सकता है, जिससे तनाव बढ़ेगा। अपने जूनियर्स से काम करवाने के लिए आपको मधुर वाणी का प्रयोग करना होगा। घर में चल रही समस्याओं को आपको संयम के साथ दूर करना होगा। इससे धीरे-धीरे आपके समाधान मिलने लगेंगे। अपने किसी प्रिय व्यक्ति के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं।

सिंह
आज व्यापार के मामले में आपको जल्दबाजी में फैसले लेने से बचना होगा, अन्यथा नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। अपने निजी जीवन की समस्याओं को व्यावसायिक मामलों में लाने से बचना होगा वरना नुकसान हो सकता है। किसी प्रियजन या जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है। ऐसे में कोई भी मामला बातचीत से सुलझाना बेहतर होगा।

कन्या
आज आप ज्यादा व्यस्त रहेंगे और भागदौड़ भी देखने को मिल सकती है। कार्यस्थल पर उच्च अधिकारियों से आपको सराहना मिलेगी और पिता भी आपकी तारीफ करेंगे। घर में किसी मंगलमय या धार्मिक आयोजन के चलते व्यस्त रह सकते हैं। लेकिन आपको जीवनसाथी का पूरा सहयोग और प्रेम मिलेगा।

मकर
आज किसी व्यक्ति के साथ निकटता और दोस्ती हो सकती है। उनके अनुभव से आपको लाभ भी प्राप्त हो सकता है। इससे साथियों के बीच भी आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। इसके अलावा, विद्यार्थियों को सलाह है कि वे अपना ज्यादा समय पढ़ाई-लिखाई पर लगाएं। शाम के समय घर में पूजा व किसी धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन हो सकता है।

कुंभ
आज विरोधी परास्त हो सकते हैं। राजनीतिक सहयोग प्राप्त होने की संभावना है, लेकिन आपको कार्यक्षेत्र में अपनी वाणी पर संयम रखना होगा। व्यापार के मामले में आपको पैसों की लेन-देन के समय सावधानी बरतनी होगी, अन्यथा नुकसान हो सकता है। शाम के समय नए संपर्क बन सकते हैं लेकिन किसी भी यात्रा के दौरान आपको सावधान रहना होगा।

मीन
आज आपको कोई उपहार या समाज में सम्मान प्राप्त हो सकता है। व्यापार के मामले में किसी पुरानी महिला मित्र के द्वारा आपको अचानक धन लाभ हो सकता है। जिससे मन प्रसन्न रहेगा और तनाव कम होगा। नौकरी करने वालों को भी सफलता प्राप्त होगी। शाम के समय आपको अचानक किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है, जो लाभदायक साबित होगी। प्रियजनों से भी मुलाकात होने की संभावना है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

फिडे महिला वर्ल्ड कपः

जीत के करीब जाकर चूकी दिव्या

बातुमी, जॉर्जिया, एजेंसी। विश्व महिला शतरंज कप का इतिहासिक मुक़ाबला पहली बार है की भारत विश्व कप जीतेगा क्यूंकी दोनों ही खिलाड़ी भारतीय है । सफ़ेद मोहरो से खेल रही दिव्या देशमुख नें अपनी ओपनिंग की तैयारी से दिग्गज कोनेरु हम्पी को लगभग हारी हुई स्थिति में पहुंचा दिया था पर अपने अनुभव से और दिव्या की कुछ गलत चालों से हम्पी इस मुश्किल बाजी को बचाने में कामयाब रही ।

क्वीन्स गेंबिट एकसेपटेड ओपनिंग में दिव्या नें हम्पी को अपनी नयी चालों से चौंकाया और खेल की दसवीं चाल में दिव्या को इस फायदा मिला और हम्पी गलती कर बैठी , हम्पी का राजा केंद्र में था और दिव्या नें आक्रमण भी किया और अपने घोड़े को कुर्बान करते हुए खेल पर नियंत्रण ले लिया पर खेल की 14वीं चाल में ऊंट की अदला बदली करने की गलत चाल से उन्होने हम्पी को खेल में बराबरी हासिल करने का मौका दे दिया और इसके बाद हम्पी नें सम्हाल कर खेलते हुए पहले अपना घोडा कुर्बान करते हुए पहले अपने राजा को सुरक्षित किया और फिर अपने हथियों को खेल में ले आई और बराबरी हासिल कर ली , खेल की 30वीं चाल में जब हम्पी ड्रॉ के लिए सहमत थी दिव्या नें चाल बदल कर खेल को जारी रखने की मंशा जताई पर अब तक उनका राजा कमजोर हो चुका था और इस बात का फायदा उठाते हुए 35वीं चाल में अपना हाथी कुर्बान किया और दिव्या के राजा को लगातार शह देते हुए खेल ड्रॉ करा लिया ।

दीक्षा महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ के कट में प्रवेश करने वाली इकलौती भारतीय

नॉर्थ आयशर (स्कॉटलैंड), एजेंसी। दीक्षा डागर संयुक्त रूप से 59वें स्थान के साथ 2025 आईएसपीएस हांडा महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के कट में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय रही। दीक्षा ने पार-72 के कोर्स पर दूसरे दिन चार ओवर 76 का कार्ड खेल कुल एक ओवर के स्कोर के साथ कट में प्रवेश किया। कट में कुल 71 खिलाड़ियों ने जगह बनाई।

दीक्षा ने पहले दिन तीन अंडर 69 के कार्ड के साथ अच्छी शुरुआत की थी लेकिन दूसरे दिन लय बरकरार नहीं रख सकी। पेशेवर गोल्फ में पदार्पण कर रही इंग्लैंड की लॉटी वोड दूसरे दिन 65 का कार्ड खेलने के बाद कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ तालिका में शीर्ष पर है। दीक्षा आखिरी दो होल में बर्डी लगाकर कट में प्रवेश करने में सफल रही। इस दौर के 16वें होल तक उनका स्कोर छह ओवर का था। टूर्नामेंट में खेल रही दो अन्य भारतीय खिलाड़ी प्रणवी उर्स (75-73) और त्वेसा मलिक (77-77) कट से चूक गईं।

एशिया कप में वैभव सूर्यवंशी...

पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू से लेकर बाबर आजम को पछाड़ने तक की पूरी कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 का आगाज होने जा रहा है. 8 टीमों के बीच ये टूर्नामेंट 9 सितंबर से शुरू होकर 28 सितंबर के बीच UAE में खेला जाएगा. एशिया कप से ही 14 साल की क्रिकेट सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने भी व्हाइट बॉल क्रिकेट में टीम इंडिया की जर्सी पहनी थी.

हालांकि, वो एशिया कप सीनियर टीम का नहीं बल्कि अंडर 19 टीम का था, जिसका आयोजन भी पिछले साल UAE में ही हुआ था. वैभव सूर्यवंशी ने उस अंडर 19 एशिया कप में ना सिर्फ पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू किया था, बल्कि टूर्नामेंट में इतने रन और इतने छक्के ठोक डाले थे कि बाबर आजम तक को पछाड़ डाला था.

30 नवंबर, 2024. ये वही तारीख है जिस दिन व्हाइट बॉल क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी ने डेब्यू किया था. उन्होंने अपना पहला मैच अंडर 19 एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था. हालांकि, अंडर 19 एशिया कप की अपनी डेब्यू इनिंग में वो 1 रन से ज्यादा नहीं बना पाए थे.

पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू तो अच्छा नहीं रहा मगर आगे वो ना सिर्फ उस टूर्नामेंट में भारत के दूसरे सबसे सफल बल्लेबाज बनकर उभरे बल्कि अपना पहला ही अंडर 19 एशिया कप खेलते हुए बाबर आजम को भी पीछे छोड़ दिया.

वैभव सूर्यवंशी का 19 एशिया कप में रिकॉर्ड

वैभव सूर्यवंशी ने अंडर 19 एशिया कप 2024 में फाइनल को मिलाकर कुल 5 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 44 की औसत और 145.45 की स्ट्राइक रेट से 2 अर्धशतक के साथ 176 रन बनाए. इसमें उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 76 रन का रहा. अंडर 19 एशिया कप 2024 में वैभव सूर्यवंशी ने 14 चौके और 12 छक्के लगाए थे.

बाबर आजम को वैभव सूर्यवंशी ने पछाड़ाः

पाकिस्तान के बाबर आजम ने भी साल 2012 के अंडर 19 एशिया कप में 5 मैच खेले थे, जहां उन्होंने 32.60 की औसत और 69.36 की स्ट्राइक रेट से 1 अर्धशतक के साथ 163 रन बनाए थे.

उनका बेस्ट स्कोर 68 रन का रहा था. बाबर आजम ने अंडर 19 एशिया कप 2012 में 20 चौके और 1 छक्का लगाया था. मतलब वैभव सूर्यवंशी ने बाबर आजम से सिर्फ 13 रन ही ज्यादा नहीं बनाए हैं बल्कि उनसे 11 छक्के भी ज्यादा जमाए हैं.

वैभव सूर्यवंशी के निशाने पर एशिया कप का रिकॉर्डः

अंडर 19 एशिया कप के इतिहास में सबसे ज्यादा 840 रन बनाने का रिकॉर्ड भी पाकिस्तान के समी असलम के नाम है.

उन्होंने ये रन 2012 और 2014 के एशिया कप को मिलाकर खेले कुल 10 मैचों में 93.33 की औसत से 4 शतक और 4 अर्धशतक के साथ बनाए हैं. वैभव सूर्यवंशी की उम्र अभी 14 साल है. यानी, पाकिस्तान के समी असलम के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए फिलहाल उनके पास पूरा मौका है.

WWE में आएगी इन रेसलर्स की शामत

ब्रॉक लेसनर वापसी पर मचाएंगे तबाही

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रॉक लेसनर जब तक आधिकारिक तौर पर रिटायर नहीं हो जाते, तब तक डब्ल्यूडब्ल्यूई में उनकी वापसी की चर्चा हमेशा बनी रहेगी। विंस मैकमैहन के वे पसंदीदा थे और उन्होंने पार्ट-टाइम प्रदर्शन करते हुए कई टाइटल जीते। पिछले छह सालों में द बीस्ट के नाम से मशहूर ब्रॉक लेसनर ने मनी इन द बैंक लैडर मैच, एलिमिनेशन चैंबर मैच और रॉयल रंबल जीता है। अपनी उपलब्धियों के बावजूद, उन्होंने दो साल पहले समरस्लैम में कोडी रोड्स के साथ हुए मैच के बाद से रेसलिंग नहीं की है। लेसनर अभी भी अच्छी शेप में हैं और उनके सामने नई चुनौतियां हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि ब्रॉक लेसनर वापसी करते ही किसके खिलाफ मुकाबला कर सकते हैं।

1. गुंथर

गुंथर लेसनर की शारीरिक क्षमता से टक्कर ले सकते हैं। लेसनर और गुंथर 2023 रॉयल रंबल के दौरान एक-दूसरे के सामने आए थे।

उस समय दर्शकों ने इस टकराव को देखकर खूब तालियां बजाई थीं। अगर ब्रॉक लेसनर एक्शन में लौटते हैं और अच्छी शेप में रहते हैं, तो गुंथर एक बेहतरीन प्रतिद्वंद्वी होंगे। चाहे उनके पास वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियनशिप हो या न हो।

2. कोडी रोड्स

कोडी रोड्स आखिरी व्यक्ति थे जिन्होंने ब्रॉक लेसनर से रेसलिंग की थी। ब्रॉक लेसनर ने दो साल पहले कोडी रोड्स से हारने के बाद उन्हें समर्थन दिया था। कोडी रोड्स आखिरी बार ब्रॉक लेसनर के सामने डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग में खड़े थे। समरस्लैम 2023 में उनके मुकाबले के बाद ब्रॉक लेसनर ने रोड्स का हाथ जीत के लिए ऊपर उठाया था।

कोडी रोड्स ने लेसनर के कई दुश्मनों से लड़ाई की है, जिनमें रोमन रेंस और जॉन सीना शामिल हैं। चूंकि रोड्स आखिरी व्यक्ति थे जिनसे उनका सामना हुआ था, इसलिए वापसी करके कोडी को टारगेट करना बनता है।

3. जॉन सीना

लेसनर ने डब्ल्यूडब्ल्यूई में अपनी पहली वापसी में जॉन सीना को टारगेट किया था। लेसनर की डब्ल्यूडब्ल्यूई में पहली बड़ी वापसी 2012 में हुई थी। उन्होंने उस समय के चैंपियन जॉन सीना पर हमला किया था।

ब्रॉक लेसनर की यह वापसी लगभग एक दशक के बाद कंपनी में पहली उपस्थिति थी। सीना अपने रिटायरमेंट टूर पर हैं और उन्होंने अपने अतीत के कई नामों का सामना किया है। सीएम पंक, कोडी रोड्स और रैंडी ऑर्टन ने 2025 में जॉन सीना का विरोध किया है। चूंकि लेसनर सीना के सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वियों में से एक थे, इसलिए दोनों के लिए एक और मुकाबला करना बनता है।

विश्व विश्वविद्यालय खेलों में तीरंदाज जाधव को स्वर्ण, प्रवीण और सीमा का जलवा

राइन-रूहर, ईसेन (जर्मनी), एजेंसी। भारत के कुल पदकों की संख्या नौ हो गई है। प्रतियोगिता का 32वां संस्करण 16 से 27 जुलाई तक जर्मनी के छह शहरों में आयोजित किया जा रहा है। चेंगदू में 2023 का संस्करण भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था, जहां देश 26 पदकों के साथ सातवें स्थान पर रहा था। साहिल जाधव ने दबाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में शनिवार को स्वर्ण पदक जीता, जिससे भारतीय तीरंदाजों ने विश्व विश्वविद्यालय खेलों (डब्ल्यूयूजी) के तीरंदाजी स्पर्धा में पांच पदकों के साथ अभियान समाप्त किया। इससे पहले परनीत कौर महिला कंपाउंड के रोमांचक फाइनल में दक्षिण कोरिया की मून यीउन के खिलाफ दबाव में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में नाकाम रही और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

इन दोनों के अलावा भारत ने कंपाउंड तीरंदाजों ने मिश्रित टीम स्वर्ण, पुरुषों की टीम रजत, महिलाओं की टीम कांस्य के साथ रिकर्व तीरंदाजों के निराशाजनक प्रदर्शन की काफी हद तक भरपाई भी कर दी। वहीं भारत के 24 वर्षीय एथलीट प्रवीण चित्रावेल ने अपने दूसरे प्रयास में 16.66 मीटर की शानदार छलांग लगाकर त्रिकूद में रजत पदक जीता। वहीं, सीमा ने महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता। उन्होंने सीजन बेस्ट प्रदर्शन करते हुए 15:35.86 का समय निकाला। वह जूलिया डेविड स्मिथ के बाद दूसरे स्थान पर रहीं।

दिग्गज अचंता शरत कमल ने दिया जवाब

भारत में टेबल टेनिस का खेल कैसे विकसित होगा ?

नई दिल्ली, एजेंसी। अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल का मानना है कि भारतीय टेबल टेनिस को युवा प्रतिभाओं को सीनियर स्तर पर सफलतापूर्वक आगे बढ़ने में मदद करने के लिए एक सुस्पष्ट प्रणाली की आवश्यकता है। हालांकि, हाल के परिणाम उत्साहजनक रहे हैं लेकिन 43 वर्षीय शरत का कहना है कि दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देने वाली प्रणाली के बिना केवल प्रतिभा ही पर्याप्त नहीं है। शरत ने बताया, हम एक-दो सितारों पर निर्भर नहीं रह सकते, हमें एक ऐसी संरचना की आवश्यकता है जो लगातार चैंपियन तैयार करे।

युवा प्रतिभाएं तो बहुत हैं लेकिन मुख्य समस्या बदलाव के दौर की हैज जब तक हम सही व्यवस्था नहीं अपनाते, हम जूनियर चैंपियन को सीनियर चैंपियन बनते नहीं देख पाएंगे। भारत ने 2024 एशियाई चैंपियनशिप में तीन कांस्य पदक जीते जिसमें आयहिका और सुतीर्था मुखर्जी ने महिला युगल में ऐतिहासिक पहला पदक जीता जबकि महिला टीम स्पर्धा में भी पहली बार कांस्य पदक मिला। पेरिस ओलंपिक में महिला टीम पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची और प्री क्वार्टर फाइनल में दुनिया की चौथे नंबर की रोमानियाई टीम को हराया। अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल का मानना है कि

भारतीय टेबल टेनिस को युवा प्रतिभाओं को सीनियर स्तर पर सफलतापूर्वक आगे बढ़ने में मदद करने के लिए एक सुस्पष्ट प्रणाली की आवश्यकता है। हालांकि, हाल के परिणाम उत्साहजनक रहे हैं लेकिन 43 वर्षीय शरत का कहना है कि दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देने वाली प्रणाली के बिना केवल प्रतिभा ही पर्याप्त नहीं है। शरत ने बताया, हम एक-दो सितारों पर निर्भर नहीं रह सकते, हमें एक ऐसी संरचना की आवश्यकता है जो लगातार चैंपियन तैयार करे।

युवा प्रतिभाएं तो बहुत हैं लेकिन मुख्य समस्या बदलाव के दौर की हैज जब तक हम सही व्यवस्था नहीं अपनाते, हम जूनियर चैंपियन को सीनियर चैंपियन बनते नहीं देख पाएंगे। भारत ने 2024 एशियाई चैंपियनशिप में तीन कांस्य पदक जीते जिसमें आयहिका और सुतीर्था मुखर्जी ने महिला युगल में ऐतिहासिक पहला पदक जीता जबकि महिला टीम स्पर्धा में भी पहली बार कांस्य पदक मिला।

पेरिस ओलंपिक में महिला टीम पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची और प्री क्वार्टर फाइनल में दुनिया की चौथे नंबर की रोमानियाई टीम को हराया। एकल मुकाबलों में मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला दोनों ही प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं। शरत ने कहा, असली चुनौती निरंतरता की है। एक पदक को दो होना चाहिए और उसे पांच या छह तक बढ़ाना होगा।

अभिमन्यु का कब होगा डेब्यू?

2021 में हुए टीम इंडिया में शामिल, तब से 16 प्लेयर कर चुके करियर शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेटर अभिमन्यु ईश्वरन का भारतीय टीम के लिए डेब्यू का इंतजार जारी है. अभिमन्यु का ये इंतजार चार साल का हो चुका है. अभिमन्यु साल 2021 में पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में शामिल हुए थे और इंग्लैंड दौरे पर गए. लेकिन तब रोहित शर्मा और केएल राहुल ने ओपनिंग की जिम्मेदारी संभाली, जिसके चलते उन्हें मौका नहीं मिला.

अब रोहित शर्मा टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं और भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है, फिर भी इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में अभिमन्यु ईश्वरन अब तक बेंच पर ही बैठे हैं. दाएं हाथ के बल्लेबाज अभिमन्यु भारतीय टीम के साथ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी (2024-25) के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी गए थे, लेकिन वो पांचों टेस्ट मैच में प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं बन पाए. इन चार सालों में 16 नए खिलाड़ियों ने भारत के लिए टेस्ट डेब्यू किया, लेकिन अभिमन्यु ईश्वरन का इंतजार खत्म नहीं हुआ है. इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर मैच में तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज भी डेब्यू करने में कामयाब रहे, जो चंद दिनों पहले ही टीम से जुड़े थे.

अंशुल के अलावा श्रेयस अय्यर, केएस भरत, सूर्यकुमार यादव, यशस्वी जायसवाल, ईशान किशन, मुकेश कुमार, प्रसिद्ध कृष्णा, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, आकाश दीप, देवदत्त पडिक्कल, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा और साई सुदर्शन भी इस पीरियड में अपना टेस्ट डेब्यू करने में सफल रहे.

अभिमन्यु इस टीम के लिए खेलते हैं घरेलू क्रिकेट

अभिमन्यु ईश्वरन का जन्म 6 सितंबर, 1995 को उत्तराखंड के देहरादून में हुआ था. अभिमन्यु घरेलू क्रिकेट में अपने घरेलू राज्य की बजाय बंगाल टीम के लिए खेलते हैं. उनके पिता आरपी ईश्वरन ने कई साल पहले पुरकुल गांव में अभिमन्यु क्रिकेट एकेडमी की स्थापना की थी. इसी एकेडमी में अभिमन्यु ने क्रिकेट के गुर सीखे थे. अभिमन्यु ईश्वरन का फर्स्ट क्लास करियर काफी शानदार रहा है. अभिमन्यु ने अब तक 103 फर्स्ट क्लास मैच खेले, जिसमें उन्होंने 48.70 की औसत से 7841 रन बनाए हैं. इस दौरान उनके बल्ले से 27 शतक और 31 अर्धशतक निकले. इस खिलाड़ी ने 89 लिस्ट-ए मैच खेले हैं, जिसमें 47.03 की औसत से 3857 रन बनाए. लिस्ट-ए क्रिकेट में अभिमन्यु ने 9 शतक और 23 अर्धशतक लगाए.

अभिमन्यु ने 34 टी20 मैच भी खेले हैं, जिसमें उनके नाम पर 37.53 के एवरेज से 973 रन दर्ज हैं. टी20 क्रिकेट में अभिमन्यु के बल्ले से एक शतक और 5 अर्धशतक निकले. अभिमन्यु ईश्वरन ने हाल ही में इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ दो फर्स्ट क्लास मुकाबलों में इंडिया-ए की कप्तानी की थी. दोनों ही फर्स्ट क्लास मैचों में अभिमन्यु अर्धशतकीय पारियां खेलने में कामयाब रहे थे.

इसके बावजूद उन्हें टेस्ट सीरीज में अब तक नजरअंदाज किया गया है. घरेलू क्रिकेट के आंकड़े अभिमन्यु की काबिलियत को दर्शाते हैं. अभिमन्यु इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में तीसरे नंबर पर बेहतरीन विकल्प हो सकते थे, लेकिन उनसे पहले करुण नायर और साई सुदर्शन को तवज्जो दी गई है.

कब खत्म होगा अभिमन्यु का इंतजार?

टीम मैनेजमेंट का मानना है कि बल्लेबाजों को नेट्स में तेज गेंदबाजों के खिलाफ प्रदर्शन के आधार पर परखा जाता है. जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे गेंदबाजों को फेस करते समय बल्लेबाजों की तकनीक की परीक्षा होती है.

ऐसा लगता है कि अभिमन्यु ईश्वरन भारतीय टीम मैनेजमेंट को प्रभावित नहीं कर पाए. 29 साल के अभिमन्यु के पास अब भी वक्त है, लेकिन इतना लंबा इंतजार एक क्रिकेट के लिए मनोबल गिराने वाला होता है..

न्यूज बाइट्स

पुलिस ने वारंटी को किया गिरफ्तार

औरंगाबाद (एसवीवी.सं.)। जिला के नरारीकला खुर्द थाना पुलिस द्वारा की गई है, जहां पुलिस ने न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट (एनबीडब्लूय) के आधार पर एक फरार अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। यह गिरफ्तारी बीते दिनों न्यायालय द्वारा जारी गैर-जमानती वारंट के तहत की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नरारीकला खुर्द थाना की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को उसके आवासीय क्षेत्र से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, उक्त व्यक्ति लंबे समय से न्यायालय में हाजिर नहीं हो रहा था, जिस कारण उसके विरुद्ध गैर-जमानती वारंट निर्गत किया गया था। गिरफ्तार अभियुक्त को थाना लाकर पूछताछ की गई और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है और ऐसे तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर लोगों में विश्वास और बढ़ा है। वहीं थानाध्यक्ष ने साफ किया कि ऐसे अभियुक्तों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दुधैला में मेडिकल कॉलेज के प्रस्ताव पर ग्रामीणों ने जताया हर्ष

बारूण (औरंगाबाद) (नि. सं.)। जिले के बारुण प्रखंड एवं जम्होर थानांतर्गत दुधैला ग्राम में मेडिकल कॉलेज के निर्माण की प्रस्ताव पर दुधैला मेडिकल कॉलेज निर्माण संघर्ष समिति के सदस्यों ने बिहार सरकार के माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं स्वास्थ्य मंत्री माननीय मंगल पांडेय,जदयू के वरीय नेता सुनील सिंह यादव एवं औरंगाबाद के जिला पदाधिकारी,वर्तमान एवं पूर्व जन प्रतिनिधि सहित इस कार्य में जिन व्यक्तियों ने सहयोग किया उन सबको बधाई दी है।अपने बधाई संदेश में मेडिकल निर्माण संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक कार्य है जो आने वाले समय में बारुण एवं पूरे औरंगाबाद जिले के विकास में एक मानक साबित होगी।जम्होर विकास मंच के संयोजक सुरेश विद्यार्थी,मुरारी सिंह,जम्होर पंचायत के सरपंच पप्पू ज्वाला सिंह,समाजसेवी कृष्णा मेहता,शिक्षक कृष्णा सिंह,रामबचन मेहता,धनंजय कुमार सिंह यादव,राजेश कुमार,पूर्व पंचायत समिति सदस्य मनोज तिवारी,राम लखन प्रसाद,डोमन सिंह चौहान, हीरा चौधरी रामनरेश सिंह,गजेंद्र सिंह चौहान,नारायणसिंह राम परिखा सिंह,सहदेव प्रजापति,विनय सिंह विजेंद्र राय,जगदीश सिंह,सत्येंद्र कुमार मुसाफिर सिंह रामकृपाल सिंह रामलाल सिंह विजय राय,संतोष राय संतोष मेहता अशोक कुमार गुप्ता सहित अन्य लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार का निर्णय अत्यंत सराहनीय है।

शिक्षा के साथ संस्कार होना जरूरी : लवली गुप्ता

हसपुरा (औरंगाबाद) (नि.सं.)। एकल विद्यालय फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया के तहत एकल विद्यालय परिवार हसपुरा संच द्वारा बच्चों के लिये पठन-पाठन का सामग्री वितरण समारोह का आयोजन हसपुरा बाजार के श्री रामजानकी धर्मशाला में रविवार को सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम की अध्यक्षता संच अध्यक्ष सुरेश आर्य ने किया जबकि संचालन अरवल अंचल अभियान प्रमुख आनन्द कुमार सिंह ने किया।

डीआरएम के निरीक्षण से जगी आस

पीएम बिहार को दे सकते है डालमियानगर में मालगाड़ी डिब्बा निर्माण कारखाना की सौगात

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

इस बार रेलवे के बड़े अधिकारियों के दौरों के साथ मिल रहे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संभावित मगध-शाहाबाद प्रमंडल दौरे के दौरान रोहतास जिले के डालमियानगर में स्थित रेलवे भूमि पर किसी नई रेल अवसंरचना इकाई की घोषणा के साथ-साथ आधारशिला रखे जाने की संभावनाएं तेज हो गई हैं। राजनीतिक गलियारों में इस चर्चा को बल मिला है जब पूर्व मध्य रेल के डीडीयू मंडल के डीआरएम उदय सिंह मीना ने शनिवार को डालमियानगर में स्थित रेलवे की बड़ी भूमि का अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, रेलवे कनेक्टिविटी और अवसंरचना की संभावनाओं का बारीकी से अध्ययन किया।

डालमियानगर रेलवे भूमि का विस्तृत निरीक्षण

हालांकि डालमियानगर पहुंचने से पहले डीआरएम औरंगाबाद जिले के अंकोरहा रेलवे स्टेशन के समीप स्थित नबीनगर सुपर थर्मल पावर स्टेशन (एनएसटीपीएस) के कोल रैक अनलोडिंग प्वाइंट का निरीक्षण कर रहे थे, लेकिन लौटते समय उन्होंने डालमियानगर की महत्वपूर्ण रेलवे भूमि का विशेष दौरा किया। साथ ही डेहरी ऑन सोन स्टेशन से डालमियानगर तक की रेल कनेक्टिविटी की स्थिति का भी जायजा लिया।

इस दौरे से संकेत मिल रहे हैं कि आने वाले समय में यहां किसी बड़ी रेल परियोजना की नींव रखी जा सकती है। रेलवे सूत्रों के अनुसार, यदि रेलवे बोर्ड स्तर पर योजना को लेकर अंदरखाने कोई तैयारी हो रही है, तो जल्द ही रेलवे के शीर्ष अधिकारी भी इस भूमि का निरीक्षण कर सकते हैं।

लालू प्रसाद के अधूरे सपने को मिल सकती है नई राह

गौरतलब है कि वर्ष 2007 में तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव ने डालमियानगर की रोहतास इंडस्ट्रीज की 123 करोड़ की संपत्ति खरीद कर यहां रेल मालगाड़ी डिब्बा कारखाना स्थापित करने की घोषणा की थी। 2009 में शिलान्यास तो हुआ, लेकिन 2014 तक परियोजना में कोई प्रगति नहीं हुई। 2017 में यह भूमि 94 करोड़ में बेच दी गई, और 2020 में मरम्मत इकाई की मंजूरी के बावजूद अब तक कोई काम नहीं हो सका।

सोन ब्रिज और एनएसटीपीएस का भी निरीक्षण

डीआरएम मीना ने डालमियानगर से पहले महत्वपूर्ण मल्टीट्रैक सोन रेल ब्रिज का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुल की संरचना, ट्रैक और विद्युत व्यवस्था की समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों को संरक्षा प्राथमिकता और नियमित निगरानी के सख्त निर्देश दिए गए।

इसके अलावा एनएसटीपीएस दौरे में कोल रैक अनलोडिंग पॉइंट की समीक्षा के साथ पावर प्लांट प्रशासन के साथ बैठक भी की गई। इस बैठक में रेल संचालन, यार्ड प्रबंधन, कोयला आपूर्ति सहित अनेक तकनीकी पहलुओं पर चर्चा हुई। इस दौरान एनएसटीपीएस के महाप्रबंधक केडी यादव समेत रेलवे व पावर प्लांट के कई अधिकारी मौजूद रहे।

सोननगर-अंडाल रेल परियोजना के लिए 95% जमीन अधिग्रहण पूर्ण, कार्य प्रारंभ, शक्तिगढ़ तक दो और लाइनें भी स्वीकृत

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार और बंगाल के बीच कनेक्टिविटी को लेकर सामने आई है। भारतीय रेल द्वारा ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के तहत सोननगर (औरंगाबाद, बिहार) से अंडाल (पश्चिम बंगाल) तक की 375 किमी लंबी रेल परियोजना और अंडाल से डानकुनी (160 किमी) तक की मल्टीट्रैकिंग परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

राज्यसभा के चालू मानसून सत्र के दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी कि सोननगर-अंडाल रेल खंड की 12,334 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजना के लिए कुल 977.6 हेक्टेयर भूमि में से 95% से अधिक भूमि का अधिग्रहण पूरा हो चुका है। इस अधिग्रहीत भूमि पर निर्माण कार्य प्रारंभ भी कर दिया गया है। यह प्रगति रेल परियोजना को समय पर पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

रेल मंत्री ने बताया कि अंडाल-डानकुनी खंड में अधिकतर जगहों पर पहले से चार लाइनों की योजना है। हालांकि, चंदनपुर से शक्तिगढ़ के बीच अभी तीन लाइनें हैं। इस खंड में चौथी लाइन के निर्माण के लिए 700 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसके साथ ही अंडाल से शक्तिगढ़ (91 किमी) के बीच पांचवीं और छठी लाइन के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने की अनुमति भी दे दी गई है।

परियोजनाओं के शीघ्र पूर्णता के लिए हो रहे प्रयास

रेल मंत्री ने कहा कि रेल परियोजनाओं की पूर्णता कई जमीनी कारकों पर निर्भर करती है, जैसे भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया, वन विभाग की मंजूरी, राज्य सरकारों का सहयोग, कानून-व्यवस्था की स्थिति, मौसम और इलाके की भौगोलिक स्थिति। फिर भी रेलवे इन सभी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है।

जरूरतों और जनप्रतिनिधियों की मांग पर मिली स्वीकृति

रेल मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि इन रेल परियोजनाओं को रेलवे की मौजूदा जरूरतों, यातायात दबाव, अंतिम मील कनेक्टिविटी की आवश्यकता, राज्य सरकारों और जनप्रतिनिधियों की मांगों, सामाजिक-आर्थिक लाभ तथा धन की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए मंजूरी दी गई है। परियोजनाओं को नीति आयोग, वित्त मंत्रालय और संबंधित राज्य सरकारों की सहमति के बाद ही आगे बढ़ाया जाता है।

सोन नगर जंक्शन औरंगाबाद के लिए बढ़ेगी महत्ता

यह परियोजना न सिर्फ बिहार और बंगाल को जोड़ने में मदद करेगी, बल्कि औरंगाबाद स्थित सोननगर जंक्शन की रणनीतिक महत्ता भी बढ़ेगी। इससे पूर्वी भारत में मालवाहन की गति और क्षमता में बड़ा इजाफा होगा, जिससे स्थानीय विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है।

सड़क हादसे में भोजपुरी कलाकार की मौत गांव और कला जगत में छाया मातम

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

मृतक का फाईल फोटो

सड़क दुर्घटना में भोजपुरी आर्टिस्ट शिव पांडेय की असामयिक मौत हो गई। घटना ने न सिर्फ उनके परिवार को गहरे शोक में डुबो दिया, बल्कि पूरे भोजपुरी कला जगत और गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। मिली जानकारी के अनुसार, शिव पांडेय (32), जो डिहरी गांव के रहने वाले थे और वाराणसी में भोजपुरी गानों का निर्देशन किया करते थे, शनिवार की देर रात बाइक से अपने गांव से संडा बाजार की ओर जा रहे थे। जैसे ही उन्होंने घर से करीब 100 मीटर की दूरी तय की, सामने से आ रही एक दूसरी बाइक से जोरदार टक्कर हो गई। इसी बीच वे बाइक समेत एक हाईवा वाहन के नीचे आ गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें गंभीर हालत में तत्काल औरंगाबाद सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजन उन्हें वाराणसी इलाज के लिए ले जा रहे थे, लेकिन औरंगाबाद से कुछ ही दूरी पर उनकी मौत हो गई। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल लाया गया और फिर अंतिम संस्कार के लिए वाराणसी ले जाया गया।

शिव पांडेय परिवार के इकलौते चिराग थे। उनके पिता की मृत्यु पहले ही हो चुकी थी। पीछे उनकी पत्नी, दो छोटे बच्चे और बूढ़ी मां बची हैं। उनकी पत्नी इस हादसे के बाद बार-बार बेहोश हो रही हैं। पूरे गांव में मातम पसरा है और हर कोई यही सोच रहा है कि अब इस परिवार की जिम्मेदारी कौन उठाएगा। शिव पांडेय का भोजपुरी कला जगत में अच्छा नाम था। वे वाराणसी में रहकर कई म्यूजिक वीडियोज और गानों के निर्देशन से जुड़े थे। उनकी मौत की खबर सुनकर औरंगाबाद जिले के कलाकारों में भी शोक की लहर फैल गई है। भोजपुरी गायक धर्मेंद्र धड़कन समेत कई कलाकारों ने सोशल मीडिया और व्यक्तिगत रूप से शोक व्यक्त किया है और शिव को श्रद्धांजलि दी है। यह दर्दनाक हादसा कुटुंबा थाना क्षेत्र के अंतर्गत एनएच-139 पर संडा डिहरी गांव के पास हुआ। इस घटना ने एक होनहार कलाकार और एक परिवार के सहारे को हमेशा के लिए छीन लिया। गांव में शोकसभा का माहौल है और लोग प्रशासन से मुआवजे की मांग भी करने की बात कर रहे हैं।

सिन्हा कॉलेज में एनसीसी का दस दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर शुरू, तीन जिलों के 500 कैडेट्स ले रहे भाग

- शिविर चार अगस्त तक चलेगा। इसमें अनुशासन, देशभक्ति और नेतृत्व गुणों पर विशेष फोकस रहेगा।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले में नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) के द्वारा युवाओं को राष्ट्र सेवा, अनुशासन और नेतृत्व के गुण सिखाने के लिए 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत कर दी गई है। यह प्रशिक्षण शिविर औरंगाबाद शहर के सच्चिदानंद सिंहा कॉलेज परिसर में 13 बिहार बटालियन के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। शिविर का उद्घाटन कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल प्रदीप कुमार तक्षक ने किया। यह शिविर चार अगस्त तक चलेगा। अपने उद्घाटन संबोधन में कैंप कमांडेंट ने सभी एनसीसी कैडेट्स से जोश और समर्पण के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एनसीसी का यह प्रशिक्षण शिविर न सिर्फ सैन्य अनुशासन सिखाने का माध्यम है, बल्कि यह युवाओं में देशभक्ति, सामाजिक सहभागिता और आत्मनिर्भरता की भावना को भी मजबूती से विकसित करता है।

इस दस दिवसीय शिविर में औरंगाबाद, रोहतास और अरवल जिले के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों से लगभग 500 एनसीसी कैडेट्स भाग ले रहे हैं, जिनमें छात्र और छात्राएं दोनों शामिल हैं। इस शिविर में लाइव सीक्वेंस, डिजास्टर मैनेजमेंट, मैप रीडिंग, गन हैंडलिंग, ग्रुप कार्य, सामाजिक सहभागिता जैसे महत्वपूर्ण विषयों की ट्रेनिंग दी जा रही है। लेफ्टिनेंट कर्नल तक्षक ने यह भी बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से छात्रों में न केवल शारीरिक और मानसिक क्षमता का विकास होता है, बल्कि यह उनके आत्मविश्वास को भी मजबूती देता है। इसके माध्यम से छात्र भविष्य में सेना में शामिल होने या अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। शिविर के दौरान मेडिकल टीम की तैनाती कर सभी कैडेट्स की स्वास्थ्य जांच और देखभाल की व्यवस्था भी की गई है। कैंप में डिप्टी कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट सच्चिदानंद सिंह, एएनओ, सीटीओ, जेसीओ और एनसीओ के साथ-साथ कॉलेज और बटालियन के सभी सैन्य और असैन्य कर्मी उपस्थित रहे। यह प्रशिक्षण शिविर सभी प्रतिभागी कैडेट्स के जीवन में अनुशासन, समर्पण और देशभक्ति की भावना के साथ एक नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करेगा।

बूथों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी पीएम के मन की बात

- कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने इसे प्रधानमंत्री से जुड़ने का माध्यम बताया और इसे प्रेरणादायक बताया।

निज संवाददाता | हसपुरा(औरंगाबाद)

भारतीय जनता पार्टी मंडल इकाई हसपुरा के कार्यकर्ताओं द्वारा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 124वीं मन की बात सुना गया। क्षेत्र के पीरू, गवसपुर, रघुनाथपुर, जैतपुर, बन्धवा, डिण्डीर, डुमरा, रतनपुर, भौली, सोनवर्षा, तिलौती, झींगुरी ईंटवां, धमनी, सोनहथु, तिलकपुरा, बिहटा, बडौखर, बनकट कैथी, कोईलवां, मुंजहड, खुटहन, हसपुरा, जलपुरा गहना सहित अन्य गावों के सभी बुथों पर सुना गया।

मन कि बात सुनते हुए जिला महामंत्री अमन कुशवाहा, विधानसभा संयोजक रविशंकर शर्मा, हसपुरा दक्षिणी मंडल अध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा, उत्तरी मंडल अध्यक्ष चन्द्रकान्त मुन्ना, उपाध्यक्ष चितरंजन सिंह, महामंत्री अनिल आर्य, सुरेश आर्य, नन्दन यादव, मिन्टु शर्मा, ज्योति नारायण सिंह, संतोष शर्मा, मुकेश शर्मा, गनौरी राम, सुनिल सिंह, पैक्स अध्यक्ष नागेन्द्र सिंह, बबलू शर्मा, नकुल सिंह, धर्म पाल के नेतृत्व में अपने अपने बूथ पर सुना गया।

जड़ी-बूटी दिवस के रूप में मनाया जाएगा आचार्य बालकृष्ण का जन्मदिन, 300 औषधीय पौधों का होगा रोपण

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

शहर में प्रकृति और आयुर्वेद से जुड़ने की दिशा में एक सराहनीय पहल की जा रही है। पतंजलि योग समिति, भारत स्वाभिमान एवं युवा भारत किसान सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आचार्य बालकृष्ण के जन्मदिन (4 अगस्त) को जड़ी-बूटी दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। इसी कड़ी में शहर में कुल 300 औषधीय एवं फलदार पौधों का पौधारोपण किया जाएगा।

बैठक का आयोजन रविवार को शहर के सूर्य मंदिर परिसर में हुआ, जिसमें समिति के सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं ने यह ठाना कि आयुर्वेद को जन-जन तक पहुंचाने के लिए यह आयोजन महत्वपूर्ण साबित होगा। पौधारोपण का मुख्य कार्यक्रम कुटुंबा प्रखंड के चपरा स्थित पंचदेव धाम आश्रम परिसर में होगा। इसके पूर्व शहर के सूर्य मंदिर परिसर से एक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी जो शहर भ्रमण करते हुए आश्रम तक पहुंचेगी। इस मौके पर विशेष यज्ञ का आयोजन किया जाएगा और वृक्षारोपण के बाद सामूहिक प्रसाद वितरण भी होगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों के भाग लेने की संभावना है। रोपे जाने वाले सभी पौधे औषधीय गुणों से भरपूर होंगे, जिससे आने वाले समय में आम लोगों को आयुर्वेदिक लाभ मिल सकेगा। आयुर्वेद और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में यह पहल न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए वरदान साबित हो सकती है।

बैठक में प्रमुख रूप से भारत स्वाभिमान जिला प्रभारी विनोद आर्य, कोषाध्यक्ष अवधेश, संवाद प्रभारी भोला, कार्यालय प्रभारी महेंद्र, युवा प्रभारी रोशन, पतंजलि के जिला महामंत्री लुटन गुप्ता, योग शिक्षक राजू गुप्ता, औरंगाबाद प्रखंड प्रभारी अभयानंद गिरि, योग शिक्षक डॉ. आरपी मेहता, इंद्रजीत, सुजीत, जनेश्वर, सीताराम, लालमोहन, महेंद्र एवं सिद्धेश्वर आदि उपस्थित रहे। यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि पर्यावरण और स्वास्थ्य के प्रति समर्पण की मिसाल बनेगा।

वाहन का शीशा तोड़ने व मारपीट की धमकी को ले प्राथमिकी दर्ज

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि.सं.)। रफीगंज के पाठक बिगहा गांव से, जहां एक व्यक्ति ने अपने वाहन का शीशा तोड़े जाने और जान से मारने की धमकी दिए जाने का आरोप गांव के ही एक व्यक्ति पर लगाया है। इस संबंध में पीड़ित प्रमोद कुमार द्वारा मनोज यादव के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्रमोद कुमार ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि उसका मैजिक वाहन घर के बाउंड्री में खड़ा था। इसी दौरान गांव के ही मनोज यादव ने डंडे से हमला कर वाहन का शीशा तोड़ दिया। इतना ही नहीं, आरोपी ने मौके पर गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी भी देने लगा।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुना पीएम के मन की बात

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद शहर के वार्ड सात रामराज नगर में भाजपा नेता अरविंद सिंह के आवास पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम कुमार सिंह के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी के मन की बात का 124वां एपिसोड सुना। पीएम नरेंद्र मोदी ने रेडियो शो 'मन की बात' के 124वें एपिसोड के तहत देश को संबोधित किया। एपिसोड की शुरुआत में उन्होंने शुभांशु शुक्ला और स्पेस के बारे में बात की। उन्होंने कहा-जैसे ही एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला धरती पर उतरे, लोग उछल पड़े। हर दिल में खुशी की लहर दौड़ गई। पूरा देश गर्व से भर गया। इससे साइंस-स्पेस को लेकर बच्चों में नई जिज्ञासा जागी है। अब छोटे-छोटे बच्चे कहते हैं कि हम भी स्पेस में जाएंगे। हम भी चांद पर उतरेंगे। स्पेस साइंटिस्ट बनेंगे। मुझे याद है जब अगस्त 2023 चंद्रयान की सफल लैंडिंग हुई थी। तब देश में एक नया माहौल बना था।पीएम मोदी ने बताया कि यूनेस्को ने 12 मराठा किलों वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स के रूप में शामिल किया है। 11 किले महाराष्ट्र में और एक किला तमिलनाडु में है। हर किले से इतिहास का एक पन्ना जुड़ा है। साल्हेर का किला जहां मुगलों की हार हुई। शिवनेरी में छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म हुआ था।

पीएम मोदी ने कहा कि टेक्सटाइल सेक्टर हमारी सांस्कृतिक विविधता की मिसाल है। आज टेक्सटाइल और अपैरल मार्केट बहुत तेजी से बढ़ रहा है।

भूमि विवाद में तीन लोग गंभीर रूप से घायल

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि.सं.)। औरंगाबाद जिले के कासमा थाना क्षेत्र स्थित खैरा गांव से, जहां जमीनी विवाद को लेकर दो भाइयों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस विवाद में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना रविवार की बताई जा रही है, जब खेत में काम के दौरान दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और मामला हिंसक हो गया। घटना में घायल कौलेश्वर प्रजापति, उनकी पत्नी सोनिया देवी और बेटा चंदन कुमार को स्थानीय लोगों की मदद से रफीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। यहां से तीनों को गंभीर स्थिति देखते हुए औरंगाबाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कौलेश्वर प्रजापति अपने खेत में धान की रोपाई की तैयारी कर रहे थे।

अधिवक्ता हितों की अनदेखी पर भड़के विधिज्ञ, सीएम से कल्याणकारी योजनाएं लागू करने की मांग

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले के विधिज्ञ समुदाय ने एक बार फिर अपनी पुरानी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की है। जिला विधिज्ञ संघ, औरंगाबाद के सहायक सचिव सतीश कुमार स्नेही ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से आग्रह किया है कि वे बिहार के अधिवक्ताओं के हित में लंबित कल्याणकारी योजनाओं को शीघ्र लागू करें। स्नेही ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य की सत्ता में सबसे लंबा कार्यकाल हासिल कर एक रिकॉर्ड तो बनाया है, लेकिन अधिवक्ताओं की समस्याएं आज भी वहीं की वहीं खड़ी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के अधिवक्ता पिछले दो दशकों से कल्याणकारी बीमा योजना, पेंशन योजना, स्टाइपेंड योजना और सुरक्षा योजना जैसे लाभकारी योजनाओं की राह देख रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है।

उन्होंने बताया कि चुनाव के समय भी अधिवक्ताओं को केवल आश्वासन तक ही सीमित रखा गया और अब तक न्यायमित्रों के वेतन में भी कोई वृद्धि नहीं की गई है, जबकि समाज के कई अन्य वर्गों के वेतन और पेंशन में वृद्धि हो चुकी है। सतीश स्नेही ने विशेष रूप से यह उल्लेख किया कि बिहार में अक्सर अधिवक्ताओं पर हमले की घटनाएं सामने आती रहती हैं, जिससे उनकी सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि राजस्थान में अधिवक्ता संरक्षण विधेयक 2023 और अधिवक्ता कल्याण निधि संशोधन विधेयक 2020 लागू हो चुके हैं, जिनका लाभ वहां के अधिवक्ताओं को मिल रहा है। इसी प्रकार, झारखंड में भी अधिवक्ताओं को मुख्यमंत्री अधिवक्ता स्वास्थ्य बीमा योजना 2025' और 'अधिवक्ता कल्याण पेंशन एवं पारिवारिक पेंशन नियम 2012 के माध्यम से राहत दी जा रही है। ऐसे में बिहार के अधिवक्ताओं को इन योजनाओं से वंचित रखना अन्यायपूर्ण है।

सावन में शिव मंदिर की सेवा को लेकर हसपुरा में आदर्श युवा क्लब की बैठक सम्पन्न

निज संवाददाता | हसपुरा (औरंगाबाद)

हसपुरा के आदर्श नगर स्थित छोटी फील्ड के पास शिव मंदिर प्रांगण में रविवार को आदर्श युवा क्लब के सदस्यों एवं स्थानीय ग्रामीणों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता शंभू प्रसाद पटेल ने की।ैठक में सावन के पवित्र महीने को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर की नियमित साफ-सफाई, प्रातः एवं संध्या पूजा की व्यवस्था, प्रसाद वितरण और सावन पूर्णिमा के अवसर पर मंदिर को आकर्षक रूप से सजाने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। क्लब के सचिव धर्मेंद्र कुमार लाला ने बताया कि मंदिर में रंग-बिरंगी लाइटिंग से सजावट की जाएगी और भक्तिमय वातावरण बनाने के लिए भजन बजाने हेतु स्पीकर लगाए जाएंगे। क्लब के अध्यक्ष विपिन पटेल ने बताया कि मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्णय भी लिया गया है।

सदर प्रखंड के कई गांवों में फैला डायरिया, डीएम ने किया निरीक्षण

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत परसडीह पंचायत के सिंदुआर और करमु खाप गांवों में डायरिया का प्रकोप गहराता जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में दर्जनों लोग इस बीमारी से प्रभावित हो चुके हैं, जिसके बाद जिला प्रशासन हरकत में आया है। शनिवार को जिला पदाधिकारी ने खुद इन गांवों का दौरा किया और स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कई अहम निर्देश जारी किए। निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनी और मौके की स्थिति का आकलन किया। उन्होंने पाया कि गांवों में व्यापक स्तर पर गंदगी फैली हुई है, जो डायरिया जैसी बीमारी फैलने का मुख्य कारण बन रही है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को तत्काल साफ-सफाई कराने का निर्देश दिया और कहा कि सभी प्रभावित गांवों में नियमित रूप से स्वच्छता सुनिश्चित की जाए। डायरिया से पीड़ित लोगों के त्वरित उपचार के लिए जिला पदाधिकारी ने सिविल सर्जन को आदेश दिया कि गांवों के पास के स्कूलों में अस्थायी मेडिकल कैंप लगाए जाएं, ताकि ग्रामीणों को आसानी से चिकित्सा सुविधा मिल सके।

इसके अलावा, उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर किया जाए, जिसके लिए दो एम्बुलेंस को 24 घंटे तैनात रखने का निर्देश दिया गया। जिला कार्यक्रम प्रबंधक मो. अनवर आलम ने बताया कि बीते कुछ दिनों से मेडिकल टीम गांवों में सक्रिय थी और जांच तथा प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की जा रही थी। लेकिन अब जिला पदाधिकारी के निर्देशों के बाद स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जा रहा है। सभी दिशा-निर्देशों को तत्काल प्रभाव से लागू किया जा रहा है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। निरीक्षण के दौरान सदर प्रखंड के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. श्याम कुमार, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक मो. शाहीन अख्तर, प्रखंड विकास पदाधिकारी, और अन्य जिला एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारी तथा कर्मचारी भी उपस्थित थे। सभी ने मिलकर प्रभावित क्षेत्र में हालात को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी संभाली और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का भी प्रयास किया। जिला प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें, उबाल कर पानी पिएं और किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने पर तुरंत नजदीकी चिकित्सा केंद्र से संपर्क करें। प्रशासन की ओर से लगातार स्थिति पर नजर रखी जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर और भी राहत व उपचारात्मक कदम उठाए जाएंगे।